RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Div./244/2020-2022
Desp. Date - 02 December-2020

अंक – 06 (मासिक) वर्ष – 16 दिसम्बर, 2020 मूल्य 20/-

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

दीपावली विशेषांक

उजाले के सिलसिले दीप जलते रहे ...

प्रकाश की परम्परा दीपोत्सव का उत्तरकाण्ड

युवा शक्ति के 'पंख' लगाऐगा
अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन

समाज के 100 कर्मयोगी
होंगे सम्मानित

वैवाहिक डायरेक्टी
श्री माहेश्वरी मेलापक 2021
का प्रकाशन प्रारंभ

Visit us
@ www.srimaheshwaritimes.com

देखें प्रति मंगलवार
SMT NEWS
VIDEO NEWS BULLETIN

RR KĀBEL

MAKE THE
RIGHT CHOICE
FOR YOUR HOME

DO THE
AKALMAND
THING!

RR GLOBAL
RAM RATNA GROUP

R R KABEL LTD. Regd. Office : Ram Ratna House, Oasis Complex, P. B. Marg, Worli, Mumbai - 400 013.
T : +91 - 22 - 2494 9009 / 2492 4144 • **F** : +91 - 22 - 2491 2586 • **E** : mumbai.rrkabel@rrglobal.in
Corp. Office : 305/A, Windsor Plaza, R. C. Dutt Road, Alkapuri, Vadodara - 390 007.
T : +91 - 265 - 2321 891 / 2 / 3 • **F** : +91 - 265 - 2321 894 • **E** : vadodara.rrkabel@rrglobal.in
www.rrkabel.com • www.rrglobal.in

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-06 दिसम्बर 2020 वर्ष-16

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री रामकुमार टावरी (दिल्ली)

अतिथि सम्पादक
किशोर मोहता, मुंबई

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

- श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
- सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
■ PNB A/c. No. : 0459002100043471
IFSC- PUNB0045900
■ ICICI A/c. No. : 030005001198
IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

समस्त प्रबुद्ध पाठकों, समाजजनों तथा स्नेहीजनों को
अंधकार पर प्रकाश के विजय पर्व
दीपावली
की बहुत–बहुत बधाई एवं अभिनंदन
सभी के उत्तम स्वास्थ्य एवं सुखी जीवन की
हार्दिक मंगलकामनाएँ

श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार

'वनवास' के कष्ट में श्रीराम को भजें

विचार क्रान्ति

महाभारत मूलतः श्रीकृष्ण के महानायकत्व की कथा है, लेकिन इसमें भगवान श्रीराम की लीला का भी सजीव चित्रण सुलभ है। महाभारत में रामकथा मुख्यतः वनपर्व में दो स्थानों पर सुनाई गई है। पहली तीर्थयात्रा पर्व में जब कदलीवन में भीम की श्रीहनुमानजी से भेंट हुई, तब भीम के निवेदन पर रामभक्त बजरंग बली ने संक्षेप में रामायण का गान किया और दूसरी वनपर्व के अंत में जब महामुनि मार्कण्डेयजी ने सम्पूर्ण रामोपाख्यान सुनाया।

महाकाव्य में 20 अध्यायों का यह रामोपाख्यान अद्भुत है। इसके श्रवण के ठीक पहले काम्यकवन में जयद्रथ द्वारा द्रौपदी के हरण की दुर्घटना हुई थी और पांचाली को छुड़ा लाने के बाद राज्य से वंचित होकर वन में नाना कष्टों से दुःखी युधिष्ठिर अपने शेष भाइयों व पत्नी के साथ ऋषियों के बीच बैठे थे। हम भी जब जीवन के 'वनवास' या कष्ट में होते हैं तब यही पूछते हैं जो उस समय युधिष्ठिर ने मार्कण्डेय जी से पूछा, 'अस्ति नूनं मया कश्चिदल्पभाग्यतरो नरः?' मुझे बताइए क्या संसार में मेरे जैसा मंद भाग्य मनुष्य कोई और भी है?

इसलिए कि दुःख मनुष्य को भीतर तक तोड़ देता है। तब न कर्म काम आते हैं, न ही बल, नीति या तकनीक ही सहायक होती है। ऐसे में हम सब भी युधिष्ठिर की भाँति भाग्य को कोसते हुए दुःख का विलाप-प्रलाप करने लगते हैं।

महत्वपूर्ण है कि उस घड़ी धैर्य से डिगे युधिष्ठिर को मार्कण्डेय जी ने संसार के सबसे बड़े धीरोदात्त नायक राम की कथा पूरे विस्तार से सुनाई और कहा, 'न हि ते वृजिनं किंचिद् वर्तते परमण्वपि' अर्थात हे राजन! राम के कष्ट के सामने तुम्हारा कष्ट अणुमात्र भी नहीं है।

संकेत था कि हम अपने छोटे दुःख भी पहाड़ की तरह बता कर या तो भाग्य को धिक्कारने लगते हैं या लोगों की सहानुभूति और सहयोग की आस से भर जाते हैं। जबकि हमारी संस्कृति में श्रीराम जैसे महानायक का प्रेरक चरित्र उपलब्ध है, जो पहाड़ जैसे दुःखों के बावजूद विचलित न हुए। उन्होंने कष्टकाल में धीरज रखा और सहायकों की सहायता से कष्टों पर विजय पाई।

मार्कण्डेय जी ने कहा, 'सहायवति सर्वार्थाः संतिष्ठन्तीह सर्वशः' अर्थात जो सहायकों से सम्पन्न है, उनके सभी मनोरथ इस जगत में सब प्रकार से सिद्ध होते हैं।

साधो! कोरोना कलयुग में मानव जाति के लिए जीवन का अनसोचा अनचाहा 'वनवास' साबित हो रहा है, मगर मत भूलिए हमारे कष्ट श्रीराम के कष्टों के मुकाबले अणु बराबर भी नहीं हैं। जिसे भ्रम हो वह एक बार श्रीरामचरित को भज ले, तो सत्य समझ आ जाएगा। इस संकटकाल में धैर्य, संयम, अनुशासन और सहायक ही काम आएंगे। अपने व्यवहार से हम सहायक कमाते हैं और जो सहायकों से सम्पन्न होता है, वह कष्टों से उबर कर विजेता भी बनता है और उसी के हर मनोरथ पूरे होते हैं। बस अपने अणु सम कष्टों को पर्वत के समान विशाल बता कर भाग्य को कोसना बन्द कीजिए।

■ डॉ. विवेक चौरसिया

सम्पादकीय

विश्व पटल पर भारतीय संस्कृति

कोरोना संक्रमण ने भारतीय संस्कृति को एक बार फिर गौरवान्वित किया है। संक्रमण के चलते विशेषज्ञ जो सावधानियां बता रहे हैं, उनका पालन तो हमारी संस्कृति में सदियों से अपेक्षित रहा है। मुश्किल बस यह है कि हमने अपनी संस्कृति से दूरी बना कर मुसीबतों को स्वयं आमंत्रित किया है। अब जरूरत यही है कि हम वापस अपनी संस्कृति और परंपराओं की ओर लौटें, ताकि नई पीढ़ी कोरोना जैसी विपदाओं से दूर रहे। कोरोना का संक्रमण कोई पहली घटना नहीं है और यह भी सही है कि पहले भी आई ऐसी कई विभिषिकाओं से हमारा देश साहस के साथ उभरा है। यह ताकत हमें अपनी संस्कृति और परंपराओं से ही मिलती रही है।

भारतीय संस्कृति की जड़ें प्रकृति और पुरुष के बीच जिस तादात्म के साथ गुथी हुई हैं, उसका कारण ही यह है कि जीवन को वैज्ञानिक पद्धति के साथ जीते हुए व्यक्ति को स्वस्थ्य, प्रसन्न और सहअस्तित्व के लिए तैयार किया जाए। व्यक्ति को इतना ताकतवर और समझपूर्ण रखें कि वह वक्त पर स्व-स्फूर्त सामना करने में सक्षम साबित हो लेकिन इस विज्ञान सम्मत जीवन पद्धति को हमने पाश्चात्य की नकल में भुला दिया। हालांकि इसकी जड़ें इतनी गहरी हैं कि वह हमारे जीवन से अलग नहीं हो सकीं। तभी तो कोरोना के दौर में हम वापस अपनी संस्कृति की ओर मुड़े, विश्व को भी हमने ही रास्ता दिखाया। भले ही हमारा यह प्रयास डर के कारण है लेकिन इसे हमारी नई पीढ़ी समझेगी और डर कर नहीं अपितु गौरव के साथ फिर से अपने जीवन का अंग बनाएगी, यह हमें उम्मीद करना चाहिए।

कोरोना की पीड़ा को जिन लोगों ने भुगता है, वे इस समय हमारे लिए प्रेरणा स्रोत हैं। उनके अनुभव हमारे लिए इसलिए महत्वपूर्ण हैं कि हम वह गलतियां नहीं करें, जिनके कारण संक्रमण हमारी देहली देख सके। हमारे दरवाजे पर दस्तक दे सके। इस मामले में भारत सरकार की गाइड लाइन हमारे लिए पथ प्रदर्शक है। निश्चित तौर से सरकार पूरी ताकत से कोरोना वैक्सीन हर व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए लामबंद है, लेकिन उसके पहले हमारी जिम्मेदारी है कि इस मुसीबत को अपने और अपने परिवार से दूर रखने के लिए हम सतर्क रहें। हम इस संक्रमण को रोकने का जतन कर अपनी सरकार के लिए मददगार बन सकते हैं। ताकि वह उन लक्ष्यों को हासिल करने में अपनी ताकत लगा सकें, जो हमारे स्वस्थ भविष्य की नींव बन सकते हैं।

ऐसे में यह संदेश कि मास्क ही वैक्सीन है, हमारे लिए सबसे कारगर दवाई है। सोशल डिस्टेंसिंग के साथ अन्य सावधानियों को बनाए रखना हमारे लिए उतना ही जरूरी है जितना महत्वपूर्ण हम अपने अन्य कामों को मानते हैं। जब तक कोई निरापद रास्ता नहीं मिल जाता, तब तक यही रास्ता है, जिसे अपना कर हम न केवल परिवार बल्कि देश का भला भी कर सकते हैं। जरा सी असावधानी कहीं हमें, परिवार और अपने आसपास को संकट में न डाल दे, इसलिए जरूरी है कि हम इसका झंडा खुद उठा लें। त्योहारों के दिन हमने जिस तरह स्व-अनुशासन के साथ स्वस्थ रह कर बिताए हैं, उसी तरह वैवाहिक सीजन को भी हमें इसी तरह सावधानी के साथ अपने कर्तव्य पूरे करते हुए देश को स्वस्थ रखने के लिए आगे आना होगा। विशेषज्ञ कह रहे हैं कि जाड़े का यह मौसम संक्रमण को बढ़ा सकता है, देश में संक्रमण की तीसरी लहर आ सकती है, संक्रमण एक बार फिर पीक पर आ सकता है। यह सब तब खतरा बनेंगे, जब हम असावधान होंगे। भारत हमेशा हर मुश्किल से विजयी होकर उभरा है। कोरोना की विपदा को भी हम अपने साहस, समर्पण और समझ से जीतेंगे।

समाज की विशिष्ट प्रतिभाओं को "माहेश्वरी ऑफ द ईयर" अवार्ड से सम्मानित करना श्री माहेश्वरी टाईम्स की परम्परा है। इसी क्रम में "माहेश्वरी ऑफ द ईयर-2020" के लिये भी पाठकों से उनके सुझाव आमंत्रित हैं। यदि आपकी नजर में ऐसी कोई विभूति हो, जिन्होंने किसी भी क्षेत्र में विशिष्ट योगदान दिये हों, तो हमें जानकारी प्रेषित करें। आपका सुझाव हम चयन मण्डल के सामने रखेंगे। आपको वर्तमान अंक कैसा लगा यह भी अवश्य बताएं। आपकी प्रतिक्रिया हमारे लिये सदैव मार्गदर्शक रहती है।

जय श्रीकृष्ण!

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

अतिथि सम्पादकीय

सबके जीवन में उतरे कर्मयोग के सूत्र

जब हम कहते हैं कि हमने माहेश्वरी समाज में जन्म लिया है, तो सहज ही सिर गर्व से ऊँचा हो जाता है। कारण है, हमने उस समाज में जन्म लिया है, जिसने जिस क्षेत्र में भी कदम रखा सफलता के कीर्तिमान स्थापित कर दिये। उद्योग-व्यवसाय के क्षेत्र में तो माहेश्वरी समाज का कोई सानी ही नहीं है। हमारा समाज वर्तमान में देश का शीर्ष व्यवसायी तथा विश्व का द्वितीय सबसे सफल व्यवसायी समाज है। वास्तव में देखें तो हमारी इस सफलता का श्रेय हमारे संस्कारों को ही जाता है, जिन्होंने हमें इस योग्य बनाया कि जिससे हम सफलता के कीर्तिमान स्थापित कर पाये।

सफलता का गणित पूरी तरह विशेषज्ञता पर टिका हुआ है। किसी भी विषय के जानकार तो कई हो सकते हैं, लेकिन विशेषज्ञ बहुत कम होते हैं और यहां विशेषज्ञता ही इतिहास की रचना करवाती है। इन्हीं विशेषज्ञता को पौराणिक काल में ''कला'' नाम दिया गया था। कहा गया है कि भगवान श्रीकृष्ण 64 कलाओं के ज्ञाता थे। इसका अर्थ है, वे ज्ञान के 64 क्षेत्रों के न सिर्फ ज्ञाता बल्कि विशेषज्ञ थे। उनकी इसी विशेषज्ञता ने ही उन्हें कर्मयोगी बना दिया था। जहाँ आम व्यक्ति के लिये एक कला में पारंगत होना भी बड़ी बात होती है, वहाँ भगवान श्रीकृष्ण ने तो 64 कलाओं में महारत हासिल की थी। वास्तव में यह कार्य तो भगवान श्रीकृष्ण जैसा महान कर्मयोगी ही कर सकता था, जिन्होंने कर्म के प्रति ही अपना जीवन समर्पित कर दिया।

कर्मयोगी के साथ ही भगवान श्रीकृष्ण के लिये 'गोविन्द' उपमा का उपयोग भी होता है। सामान्य रूप से देखा जाऐ तो गोविन्द का अर्थ है, गौ पालक, गौ सेवक तथा गौ रक्षक। शास्त्रानुसार गौ माता में समस्त देवों का वास माना गया है। इसके पीछे वैज्ञानिक कारण यही है कि गौ माता की सम्पूर्ण देह तथा गौ उत्पाद ऐसे विशिष्ट तत्वों से परिपूर्ण होते हैं, जो मानव जीवन को चिरायु तथा स्वस्थ बना सकते हैं। वास्तव में गोविन्द शब्द द्वारा हमें स्वस्थ जीवन के संकेत प्राप्त होते हैं। अतः यदि देखा जाऐ तो किसी भी राष्ट्र या समाज को उत्थान की ओर बढ़ना है, तो उसे कर्मयोगी होने के साथ-साथ स्वस्थ भी होना पड़ेगा। क्योंकि बिना स्वस्थ रहे सफलता सम्भव नहीं। वर्तमान में हमारा देश सम्पूर्ण विश्व का सिरमोर बनने की ओर अग्रसर है, तो ऐसे में माहेश्वरी समाज महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। जिनमें भी 64 कलाओं में से एक भी कला है, उनमें ''गोविंद'' का अंश अवश्य ही है। समाज व राष्ट्र को आज जरूरत है ऐसे ''कर्मयोगी गोविन्द'' की जो स्वस्थ जीवन के मार्ग पर चलते हुए अपनी विशेषज्ञता से समाज व राष्ट्र को उन्नति के शिखर की ओर अग्रसर कर सकें। वास्तव में देखा जाए, तो हमारा समाज ''कर्मयोगियों'' ही का समाज है, ऐसे में ऐसे शीर्ष कर्मयोगी गोविन्दों की जरूरत है, जो सम्पूर्ण समाज व राष्ट्र को अपनी विशेषज्ञता के आलौक से आलौकित कर सकें। ''भक्ति सागर चैनल'' समाज के ऐसे शीर्ष ''100 कर्मयोगी गोविन्द'' का साक्षात्कार लेकर उसका प्रसारण करेगा। इस पुनीत कार्य में सहयोगी बन रही सामाजिक पत्रिका श्री माहेश्वरी टाईम्स भी इन ''गोविन्द'' के व्यक्तित्व व कृतित्व को एक पुस्तक के रूप में प्रकाशित करेगी, तो यदि आपके परिवार या जानकारी में ऐसी कोई विभूति हो, तो अवश्य जानकारी दें।

इसके साथ ही मैं सम्पूर्ण समाज से अपील करता हूँ कि यदि हमें वर्तमान दौर की चुनौतियों में भी शीर्ष पर रहना है। किसी न किसी क्षेत्र विशेष का ''कर्मयोगी गोविन्द'' बनना ही होगा, तो आईये संकल्प लें, अपने समाज व राष्ट्र को उन्नति के शिखर की ओर ले जाने तथा वहाँ स्थापित रखने का भी।

किशोर मोहता
(अतिथि सम्पादक)
संपादक एवं संचालक, ''भक्ति सागर'' चैनल, मुंबई

श्री नानण माताजी

■ टीम SMT

श्री नानण माताजी माहेश्वरी समाज की नवाल खाँप की कुलदेवी हैं। स्थानीय स्तर पर भी लोग माताजी के प्रति अगाध श्रद्धा रखते हैं।

श्री नानण माता का मंदिर प्रसिद्ध तीर्थ पुष्कर से 9 कि.मी. पश्चिम में नान्दगाँव में स्थित है। यहाँ यह अत्यंत सुन्दर प्राकृतिक वातावरण में एक पहाड़ी पर स्थित है, जहाँ पहुँचने के लिये 800-900 सीढ़ियाँ चढ़कर जाना पड़ता है। मंदिर में माताजी की अतिसुन्दर व भव्य प्रतिमा स्थापित है। माताजी की प्रतिमा के निकट ही "गौर भैरव" की प्रतिमा स्थापित है। मंदिर के पुजारी गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज के पं. बाबूलालजी हैं जो पूर्ण समर्पित भाव से माताजी की सेवा कर रहे हैं।

नवाल परिवार ने खोजा

अधिकांश नवाल परिवारों का मत है कि नवासन माता उनकी कुलदेवी नहीं बल्कि सतीमाता हैं और कुलदेवी नानण माता हैं। लेकिन इन माताजी का मंदिर कहाँ है, यह कोई नहीं जानता था। सभी जानते थे तो यह कि नानण माता का पूजन अष्टमी को होता है, इन्हें थुली चाँवल का भोग लगता है और इस दिन लोहे का किसी भी रूप में उपयोग नहीं किया जाता। खाचरौद माहेश्वरी समाज के सचिव बद्रीलाल नवाल के परिवार में नवरात्रि के दौरान माताजी की प्रतिमा की स्थापना कर पूजन की जाती है। नवरात्रि में आरती पूजन के दौरान कुलदेवी "नानण माताजी की जय" भी बोली जा रही थी। नानण माता कुछ ब्राह्मण परिवारों की भी कुलदेवी हैं। अतःजयकारे को लेकर पूजन के दौरान इनके घर में उपस्थित कुछ ब्राह्मणों से जानकारी प्राप्त कर यह नवाल परिवार राजस्थान यात्रा पर गया। इस दौरान उन्होंने पुष्कर के समीप स्थित नानण माता के मंदिर पहुँच कर आवश्यक जानकारी ली। राजस्थान में पुष्कर के समीप स्थित यह मंदिर ही नानण माता का एकमात्र मंदिर है। जानकारी लेने पर पुजारी ने इन्हें नवाल खाँप की कुलदेवी नानण माता बताया और पूजन विधि एवं परम्पराओं की भी जानकारी दी। इस मंदिर की समस्त परम्परा नवाल परिवार के बुजुर्गों द्वारा बताई जा रही परम्पराओं के अनुसार ही हैं। यहाँ शुक्ल पक्ष की हर अष्टमी को पूरे गाँव में लोहे का उपयोग नहीं किया जाता, कोई वाहन तक नहीं चलाता। वैसे समस्त नवाल बंधु माताजी की सत्यता की स्वयं जाँच करें। श्री माहेश्वरी टाईम्स इस जानकारी के लिये जिम्मेदार नहीं है।

कैसे पहुँचे

पुष्कर एक प्रसिद्ध हिन्दु तीर्थ है। यहाँ तक देश के किसी भी भाग से हवाई या रेलमार्ग के साथ सड़क मार्ग से आसानी से पहुँचा जा सकता है। यहाँ से पश्चिम दिशा में जाने वाले मार्ग पर लगभग 9 कि.मी. की दूरी पर पहाड़ी स्थित है जिस पर माताजी का मंदिर स्थित है। इसके समीप ही माँ काली की प्रतिमा भी स्थापित है।

सम्पर्क
पं. बाबूलालजी (मंदिर पुजारी)
मो. 07568535565
बद्रीलाल नवाल, खाचरौद
मो. 0942598709
अम्बरिष नवाल, खाचरौद
मो. 09424072055
रामचन्द्र नवाल, खाचरौद
मो. 096693-10147

युवा संगठन ने चहुँमुखी विकास की बनाई योजनाऐं

अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन की कार्यसमिति बैठक संपन्न
वर्चुअल युवा महाधिवेशन आयोजित करने की भी तैयारी

गुलाबपुरा। अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन के वर्तमान त्रयोदश सत्र की तृतीय कार्यसमिति बैठक का वर्चुअल आयोजन गत दिनों राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार काल्या के नेतृत्व में हुआ। इसमें विभिन्न योजनाओं की समीक्षा के साथ ही वर्चुअल युवा महाधिवेशन आयोजित करने की कार्ययोजना को भी मूर्त रूप दिया गया।

उक्त जानकारी देते हुए राष्ट्रीय महामंत्री आशीष जाखोटिया ने बताया कि कोरोना महामारी एवं लॉकडाउन की स्थिति में वित्तीय संकट का सामना कर रहे 3600 से अधिक जरूरतमंद माहेश्वरी परिवारों को दानदाताओं के सहयोग से 1500.00 की आर्थिक सहायता राशि उनके बैंक खाते में जमा कराई गई। 'श्री बसन्तीलाल मनोरमा देवी काल्या अ.भा. माहेश्वरी युवा फाउंडेशन' द्वारा समाज की उभरती हुई युवा प्रतिभाओं को राष्ट्रीय युवा संगठन द्वारा आयोजित समस्त प्रतियोगिताओ के चयनित प्रतिभाओं को प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कृत किया गया। महासभा व बांगड़ मेडिकल वेलफेयर सोसायटी के सहयोग से जरूरतमंद माहेश्वरी परिवारों की निशुल्क मेडिक्लेम पॉलिसी कराने का प्रयास किया जा रहा है। लॉकडाउन के समय का सदुपयोग करते हुए समाज की उभरती हुई खेल, कला, साहित्य एवं सांस्कृतिक शिक्षा व अन्य क्षेत्र की 113000 से अधिक प्रतिभाओं को ऑनलाइन माध्यम से मंच प्रदान करने का प्रयास किया गया। वैश्विक महामारी कोविड-19 की आपदा की घड़ी में सेवा करने वाले हजारों कोरोना योद्धाओं को ऑनलाइन अभिनंदन पत्र प्रेषित किये गये। बच्चों में नैतिक मूल्यों की शिक्षा हेतु हेमा फाउंडेशन के साथ 'ई वैल्यू एजुकेशन' वेब पोर्टल की लॉन्चिंग की गई। भारत देश को 'आत्मनिर्भर' बनाने हेतु चाइनीज वस्तुओं का उपयोग नहीं करने का यथासंभव प्रयास करने एवं स्वदेशी वस्तुओं का ही उपयोग करने के लिए हजारों युवा साथियों को 'आत्मनिर्भर भारत' योजना के अंतर्गत ऑनलाइन संकल्प पत्र भरवाया गया।

प्रतिभाओं के प्रोत्साहन के हुए प्रयास

'भावना-2020' में 6800 से अधिक समाज बंधुओं द्वारा लेख प्राप्त हुए। 'लाइव सिंगिंग कंसर्ट - कौन बनेगा सुपरस्टार' में 2350 से अधिक समाज बंधु वर्चुअल सम्मिलित हुए। 'धन्यवाद सुपरस्टार-2020' में 5000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। 'मां तुझे प्रणाम' में 4000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। 'महेश नवमी शुभकामना संदेश' में 2500 से अधिक प्रतिभागियों ने शुभकामना संदेश पोस्ट किए। पर्यावरण दिवस पर आयोजित 'सेल्फी विद सैंपलिंग' में 2750 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। विश्व योग दिवस पर आयोजित 'योगाभ्यास 2020' में 2500 से अधिक समाज बंधुओं ने योग करते हुए अपना वीडियो पोस्ट किया। 'ब्रेनहंट 2020' ऑनलाइन Test में कक्षा 6 से 10 तक के 7738 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रत्येक कक्षा के प्रथम तीन प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। 30000 से अधिक समाज बंधुओं एवं बहनों ने अल्प समय में ही अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के फेसबुक पेज को Join किया। 'अवॉर्ड सेरेमनी' में प्रतियोगिताओं के विजेताओं की घोषणा की गई जिसमें 6250 से अधिक समाज बंधु सम्मिलित हुए। उक्त कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओमजी बिरला की गरिमामय उपस्थिति रही। महेश नवमी पर हजारों की संख्या में समाज बंधुओं ने एक सुर में महेश वंदना का गान किया।

विशेषज्ञों से दिलवाया मार्गदर्शन

'Opportunity in Adversity' में रमेश दमानी, मधुसूदन केला,

मंगलम मालू, चंदन तापड़िया द्वारा शेयर मार्केट व व्यापार-व्यवसाय की वर्तमान स्थिति व भावी संभावनाओं पर मार्गप्रशस्त किया गया, जिसमें 4500 से अधिक समाज बंधु शरीक हुए। '100 MINUTES 100 STRATEGIES' में देश के जाने-माने मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. विवेक बिंद्रा के साथ एसोसिएट होकर आयोजित बिजनेस सेमिनार में हजारों समाज बंधुओं ने भाग लिया। 'हास्य के रंग, अपनों के संग' लाइव कवि सम्मेलन में हजारों युवा साथियों को कोरोना के तनाव की स्थिति में हंसने हंसाने का मौका मिला। युवा संगठन के महत्वपूर्ण प्रकल्प लोहार्गल धाम में निर्मित माहेश्वरी भवन के लोकार्पण को एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में 'लोकार्पण दिवस' पर आयोजित 'एक शाम लोहार्गल धाम के नाम' लाइव भजन संध्या में 4125 से अधिक समाज बंधु शरीक हुए। हेमा फाउंडेशन के सहयोग से प्रख्यात लेखक शिवजी खेड़ा, बिरला परिवार से अनन्या बिड़ला, प्रख्यात उद्योगपति वाघ बकरी चाय के पराग देसाई, श्रीमती किरण बेदी, प्रख्यात फिल्म एक्टर मनोज जोशी व सोनू सूद, शतरंज के प्रख्यात विश्वनाथ आनंद से समाज बंधुओं को रूबरू कराया जा चुका है जिसमें हजारों की संख्या में समाज बंधु सम्मिलित हुए। युवाओं को कॅरियर अपॉर्चुनिटी हेतु प्रख्यात उद्योगपतियों, मंत्रियों, फिल्म एक्टर की लगातार वेबीनार कराई जा रही है।

उन्नति के खुले आकाश की तैयारी

युवाओं एवं समाज बंधुओं के व्यापार व्यवसाय में नई संभावनाओं के लिए, समाज के बायर-सेलर को आपस में कनेक्ट करने के लिए तथा उन्हें रोजगार दिलाने के लिए जल्द ही 'मोबाइल ऐप' की लॉन्चिंग की जा रही है। जल्द ही वर्चुअल 'युवा महाअधिवेशन' का आयोजन किया जाएगा जिसमें हजारों की संख्या में समाज बंधु उपस्थित होंगे।

वर्चुअल 'माहेश्वरी एक्सपो 2020' का आयोजन किया जा रहा है जिसमें समाज की 1000 से अधिक स्टॉल्स सम्मिलित होगी एवं हजारों की संख्या में विजिटर आएंगे। न्यू बिजनेस आइडिया कांटेक्ट 'स्टार्टअप' योजना को क्रियान्वित किया जा रहा है। युवाओं को स्वरोजगार हेतु लोन अपॉर्चुनिटी कार्य योजना को भी क्रियान्वित किया जा रहा है। कई स्थानों पर युवा संगठन द्वारा जरूरतमंद माहेश्वरी परिवारों को महासभा के सहयोग से 'आवास योजना' के अंतर्गत आवास उपलब्ध कराने की योजना को क्रियान्वित किया जा रहा है। युवा संगठन का महत्वपूर्ण प्रकल्प लोहार्गल धाम में भव्य मंदिर का निर्माण कार्य कोरोना वातावरण के सुधार होते ही जल्द शुरू किया जाएगा। टैक्सटाइल मंत्री स्मृति ईरानी भी 29 नवंबर को परिचर्चा कर रही है। युवाओं में टेक्नोलॉजी से संबंधित स्किल डेवलपमेंट एजुकेशन हेतु माइक्रोसॉफ्ट, एप्पल, एडॉब, ऑटोडेक आदि विश्व की प्रख्यात कंपनियों से अनुबंध किया जा रहा है। राष्ट्रीय युवा संगठन जल्द ही लाइव 'युवा न्यूज़ बुलेटिन' का प्रसारण करेगा जिसमें माहेश्वरी समाज की समस्त न्यूज़ देखी जा सकेगी। भारत सरकार की 'आयुष्मान योजना' में पात्रता रखने वाले माहेश्वरी परिवारों का रजिस्ट्रेशन कराने का प्रयास किया जाएगा। 'युवा शिक्षा रत्न' के अंतर्गत कक्षा 10वीं व 12वीं के देशभर के टॉप 10 विद्यार्थियों के चयन हेतु हजारों की संख्या में प्रविष्ठियां प्राप्त हो रही है। युवाओं को सिविल सर्विसेज हेतु प्रोत्साहित करने हेतु ऑनलाइन कार्यक्रम की श्रंखला, वर्चुअल परिचय सम्मेलन, 'दिव्यांग प्रतिभा सम्मान समारोह', उभरती हुई खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने हेतु 'युवा खेल रत्न' का आयोजन किया जा रहा है।

With Best Compliments From

BALAJI PULSES

Durg Balod Road, Chandkhuri, Durg (C.G.)
Ph. : 0788-2625220
Email : balajipulses@gmail.com

Hemant Maheshwari (Radheshyam)
73541 44111, 94252 44267

Pranay Maheshwari
77730 44111, 94060 96405

स्वर्ण पोशाक में सजे चारभुजानाथ

राजस्थान में एक मात्र विशिष्ट प्रतिमा जो स्वर्ण जड़ित

भीलवाड़ा। श्री माहेश्वरी समाज श्री चारभुजा जी मंदिर ट्रस्ट भीलवाड़ा के तत्वावधान में दो दिवसीय अन्नकूट महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इसमें 3 फीट की चारभुजानाथ की एक मात्र प्रतिमा है जिसे स्वर्ण रजत 3 किलो की पूरी पोशाक भीलवाड़ा के बड़ा मंदिर में धारण कराई गई। मंदिर निर्माण से 289 वर्ष बाद चारभुजानाथ ने लगभग 3 किलो स्वर्ण रजत पोशाक धारण कर दीपावली व अन्नकूट में जिलेभर से हजारों श्रद्धालुओं ने दर्शन कर दीपावली अन्नकूट मनाया।

पूरे मंदिर को फूलों से आकर्षक सजाया गया फूल बंगला बना कर पहली बार चारों ओर रंग बिरंगे फूलों की लटकन लगा कर मंदिर को जोरदार सजाया गया। उत्सव के दौरान अमावस के दिन चारभुजानाथ के गुबंद पर विधि-विधान पूर्वक मंत्रोच्चार के साथ ध्वजा चढ़ाई गई। अन्नकूट के साथ आरती के समय गोबर निर्मित हजारों दीपक से मंदिर जगमगाया। इस अवसर पर समाज के गणमान्य पदाधिकारी, पंच व ट्रस्टीगण की उपस्थिति में आरती कर अन्नकूट का प्रसाद चढ़ाया गया।दीपावली के दिन स्वर्ण पोशाक में चारभुजानाथ ने राम अवतार में तथा गोवर्धन पूजा के दिन कृष्ण अवतार के रूप में दर्शन दिए। मंदिर मीडिया प्रभारी महावीर समदानी ने बताया कि दीपावली के दिन भगवान राम के आगमन के तहत चारभुजानाथ ने स्वर्ण पोशाक धारण कर राम अवतार का रूप लिया व दूसरे दिन गोवर्धन पूजा के दिन कृष्णलीला के तहत कृष्ण अवतार के रूप में दर्शन दिए। रामअवतार रूप में भगवान चारभुजा नाथ का सीधे मुकुट व धनुष बाण के साथ श्रृंगार किया गया।

एक मात्र प्रतिमा जिसकी स्वर्ण पोशाक बनी

राजस्थान में 3 फीट की एक मात्र बड़े मंदिर चारभुजा नाथ की प्रतिमा है जिसके यहां स्थानीय ट्रस्टियों ने 3 किलो की पूरी स्वर्ण रजत पोशाक बनाई। राजस्थान भर में नाथद्वारा स्थित श्रीनाथजी, राजसमंद, एक लिंग जी के भी पूरी स्वर्ण पोशाक नहीं है। साथ ही आकर्षक सांवरिया सेठ की प्रतिमा भी डेढफीट की है। जोधपुर स्थिति नाकोड़ा भैरव की प्रतिमा भी छोटी है। जैन समाज में मंदिर तो विशाल हैं लेकिन इनके यहाँ स्वर्ण पोशाक धारण कराने का नियम नहीं है।

अमावस के दिन घुम्मज पर ध्वजा चढाई

चारभुजा नाथ बडा मंदिर में अमावस के दिन अन्नकूट 15 नवंबर को ट्रस्टी अनिल झँवर की ओर से चारभुजा नाथ को ध्वजा चढाई गई। इस अवसर पर मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष उदयलालसमदानी मंत्री रामस्वरूप सामरिया, राकेश पटवारी, बालमुकुंद राठी, रामस्वरूप तोषनीवाल, सुनील कुमार सोनी, रामपाल लाठी, छितरमल डांड, बद्रीलाल डाड, सत्यनारायण सोमानी, रतनलाल पटवारी, महेश कुमार भंडारी, प्रमोद डाड, राजेंद्र नुवाल, शिव तोषनीवाल सहित सभी पदाधिकारी तैयारियों के साथ 2 दिन तक मंदिर में आयोजनों में उपस्थित रहे। रोजा चढाते समय राधेश्याम चैचानी, राधेश्याम सोमानी, दीनदयाल मारू, देवेंद्र सोमानी, केदार जागेटिया व परिवार जन उपस्थित थे। ध्वजा को परिवाजन ने सिर पर रखकर घुम्मज तक ले गए एवं घुम्मज पर ध्वजा फहराई गई।

हजारों गोबर के दीपक से मंदिर जगमगा उठा

अन्नकूट के अवसर पर साय 5 बजे शास्त्री नगर माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष संजय जागेटिया एवं मंत्री राजेंद्र तोषनीवाल के सान्निध्य में हजारों दीपक की सजावट मंदिर के चारों ओर लगाकर उन्हें एक साथ जलाकर मंदिर को जगमगा दिया। इसके बाद 6 बजे आरती की गई। अन्नकूट में चावल-चँवला आदि विभिन्न सब्जियों का भोग लगाया गया। इस अवसर पर अतिथि समाजजन, ट्रस्टीगण आदि मौजूद थे। उसके बाद भक्तों को कतार बद्ध कर सोशल डिस्टेंसिंग का पालना करते हुए परिक्रमा में प्रसाद वितरण किया गया।

फूल बंगले की खुशबू में रहे चारभुजानाथ

दो दिवसीय अन्नकूट महोत्सव में बाहर से आए 8-फूलबंगला सजावटकर्ताओं ने आकर्षक रंग-बिरंगे फूलों की लटकन से पूरे मंदिर को पहली बार इतने आकर्षक ढंग से सजाया। निज मंदिर गर्भ गृह में इंपोर्टेड फूल व अहमदाबाद से आए रंग बिरंगे आकर्षक फूलों के झुमकों व बुके से आकर्षक रूप से चारभुजानाथ को सजाया गया, जिसकी खुशबू से चारभुजानाथ व भक्तगण सरोवार हो उठे। इस बार दिवाली पर मार्केट में सजावट व लाइटिंग नहीं होने से चारभुजानाथ बड़ा मंदिर आकर्षण का केन्द्र रहा व चारभुजनाथ की स्वर्ण जड़त पोशाक व दर्शनों की चर्चा जिले भर में रहीं। उक्त जानकारी महावीर समदानी मीडिया प्रभारी श्री माहेश्वरी समाज श्री चारभुजा बडा मंदिर ट्रस्ट भीलवाडा ने दी।

पुर्वा कंसलटन्सी

नवनीत लाखोटीया

• आकोला रोड, आकोट
• सातव चौक आकोला
☎ (07258) 222572, मो. 9822225172

माहेश्वरी प्रोफेशनल्स का किया सम्मान

भीलवाड़ा। श्रीनगर माहेश्वरी सभा एवं माहेश्वरी प्रोफेशनल फोरम द्वारा माहेश्वरी समाज के प्रोफेशनल प्रतिभाशाली मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान समारोह माहेश्वरी समाज संपत्ति ट्रस्ट भवन, नागोरी गार्ड न भीलवाड़ा में आयोजित किया गया। जिसमें समाज के होनहार मेधावी 55 प्रोफेशनल विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया, जो राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न परीक्षाओं जिसमें सीए, सीएस, सीएमए, आईआईटी, नीट, क्लैट, आईआईएम, कैट आदि में श्रेष्ठ रहे। इसमें विभिन्न क्षेत्रों की सात प्रकार की राष्ट्रीय परीक्षाओं में श्रेष्ठ रहे विद्यार्थियों को गिरिराज अजमेरा ऑलइंडिया सीए टॉपर फर्स्ट रैंक, डॉक्टर नरेश पोरवालसभा अध्यक्ष केदार जागेटिया, माहेश्वरी समाज संपत्ति ट्रस्ट मंत्री रमेश राठी ने गोल्ड मेडल प्रदान कर प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गये। उक्त जानकारी सभा अध्यक्ष केदार जागेटिया ने दी। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेशनल फोरम संयोजक व अध्यक्ष प्रदीप लाठी ने किया।

रजाई व दीपक का वितरण

बैंगलुरू। कर्नाटक गोआ प्रांतीय युवा संगठन के तत्वावधान में माहेश्वरी युवा संगठन, बैंगलुरु ने रजाई का वितरण समारोह पूर्वक किया। युवा संगठन ने वल्लभ निकेतन विनोबा आश्रम, बैंगलुरू में सर्दी से बचाव के लिए 60 रजाई और दीवाली के त्यौहार के उपलक्ष्य पर पांच दर्जन दीये, बाती व तेल का पैकेट आश्रम को भेंट किया। युवा संघ के समिति सदस्यों ने वहां न केवल आश्रम वासियों का हाल चाल जाना अपितु आश्रम के लोगों को भविष्य में भी सहायता करने का आश्वासन दिया। इसमें युवा संघ, अरविंद लोया, निवर्तमान अध्यक्ष अनिल सारदा, कर्नाटक-गोआ समिति के रविकांत राठी व अखिल भारतीय समिति से अमित माहेश्वरी उपस्थित थे।

समाज की वेबसाइट लांच

जयपुर। वर्तमान युग सूचना का युग है। आज सूचनाओं का आदान प्रदान बड़ी तेजी से होता है। इस डिजिटलयुग में यह जरूरी भी है। इसी को ध्यान में रखते हुए माहेश्वरी समाज की वेबसाइट लांच की जा रही है, जिसमें समाज से सम्बंधित सभी सूचनाओं का समावेश होगा। माहेश्वरी समाज की इस वेबसाइट में समाज की उत्पत्ति का इतिहास और विधान की विस्तृत जानकारी तो होगी ही, साथ ही मैरिज ब्यूरो, रोजगार ब्यूरो, समाज की मासिक पत्रिका, डायग्नोस्टिक सेन्टर की जानकारी भी उपलब्ध रहेगी। समारोहों के लिए जनोपयोगी उत्सव व अभिनन्दन सामुदायिक भवनों की जानकारी भी वेबसाइट पर मौजूद रहेगी। इसके अलावा अखिलभारतीय माहेश्वरी महासभा की जानकारी देश भर में विभिन्न ट्रस्टों द्वारा बनवाई गई धर्मशालाओं की जानकारी भी वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी। समाज के संरक्षक व पूर्व अध्यक्षों की जानकारी भी इसमें डाली गई है। समाज के प्रमुख ईवेंट के साथ-साथ डे-बाई-डे के कार्यक्रमों की सूचना भी अपडेट होती रहेगी।

हर कोई सुख की बात चाबी
ढूंढ रहा है,
पर सवाल यह है कि सुख
को तोला लगाया किसने है?

कर्मचारियों को निःशुल्क मास्क वितरण

जयपुर। दिनेश पुत्र हनुमान प्रसाद सारड़ा द्वारा समाज अध्यक्ष प्रदीप बाहेती की उपस्थिति में सभी कर्मचारियों को निःशुल्क मास्क वितरण करवाये गये। इस अवसर पर सभी को कोरोना से बचाव की टिप्स भी दी गई।

With Best Compliments
Maheshwari Traders
Stockist :
Submercible, Monoblock, Pump, G.I. Pipes, Black Pipes, PVC Pipes Fittings & Generator
Auth. Dealer :
Balaj, Crompton, Sabar, Bharat, Techmo, VSG & Dura Pumpset
Mahesh
93004 08651
G.E. Road, Ganjpara, Durg-491001 (C.G.)
Ph. 0788-2323051, 2210711

महिला संगठन की सेवा गतिविधि

वृंदावन। मध्य उत्तर प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन की ग्रामीण विकास एवं राष्ट्रीय समस्या निवारण समिति द्वारा वृंदावन की गौशाला में जाकर गायों को चारा एवं गुड़ खिलाया गया। स्वास्थ एवं पारिवारिक समरसता समिति के अंतर्गत रोटरी क्लब कोलकाता विजनरीज के तत्वावधान में संगठन ने को-होस्ट की भूमिका निभाते हुए 2 अक्टूबर को कैंसर जैसी घातक बीमारी पर सेमिनार आयोजित किया। महिला अधिकार सुरक्षा एवं सशक्तिकरण समिति द्वारा 6 अक्टूबर प्रदेश में कार्यक्रम अपराजिता की शुरुआत की गई। राष्ट्रीय महामंत्री मंजू बांगड ने आशीर्वचन दिये। विशिष्ट अतिथि गिरिजा सारड़ा थी। बाल एवं किशोरी विकास समिति के अपराजिता कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ अंजलि तापड़िया ने 'हम होंगे कामयाब' की स्क्रीन शेयरिंग के साथ अच्छी तरह व्याख्या की। उत्तरांचल समिति सह प्रभारी रंजना भट्टर ने भी विचार वक्त किये। नवरात्रि में बच्चों को भोजन प्रसादी खिलाकर बच्चों के यूज की चीजें दी गई। विवाह संबंध सहयोग समिति की प्रदेश संयोजिका दीप्ति झंवर के प्रयास से एक गठबंधन का आयोजन किया गया। कम्प्यूटर नेटवर्किंग एवं एडवांस तकनीकी शिक्षा समिति पर्व एवं संस्कृति समिति द्वारा भी कार्यक्रम आयोजित किये गये। स्वाध्याय एवं अध्यात्म समिति द्वारा त्रिदिवसीय प्रवचन एवं भजन संध्या का आयोजन मध्य उत्तर प्रदेश में किया गया। इसमें अधिक मास के अवसर पर सदस्याओं ने अपने घरों में गीता रामायण के पाठ किए और दान आदि कार्य किए। 16 अक्टूबर को कमलेश राठी ने पुरुषोत्तम माह के अंत में 45 सामग्री ब्राह्मणों को दान दी एवं डायबिटीज टेस्टिंग मशीन और स्ट्रिप्स भी दान किये। उक्त जानकारी अध्यक्ष-प्रीति तोषनीवाल व सचिव-सीमा झंवर ने दी।

सुमिता मूंदड़ा पुरस्कृत

मालेगांव। सब टी.वी. के लोक प्रिय हास्य धारावाहिक तारक मेहता का उल्टा चश्मा के 3000 एपिसोडस पूरे होने पर मालेगांव की कवयित्री-लेखिका सुमिता मूंधड़ा ने धारावाहिक के सभी पात्रों की विशेषताओं को शब्दों में पिरोकर स्वरचित काव्य-रचना का वीडियो बनाकर तारक मेहता का उल्टा चश्मा की टीम को सोशल मीडिया ट्विटर, फेसबुक इंस्टाग्राम द्वारा भेजा था। गर्व की बात है कि उनकी सराहनीय काव्य-रचना को नीला फिल्मस प्रोडक्शन द्वारा पुरस्कृत किया गया है। सुमिता मूंधड़ा को धारावाहिक द्वारा ट्रॉफी प्राप्त हुई है। नाशिक जिला माहेश्वरी समाज में यह पहला पुरस्कार है जो तारक मेहता का उल्टा चश्मा धारावाहिक द्वारा सुमिता मूंधड़ा को प्राप्त हुआ है।

माहेश्वरी भवन का वर्चुअल शिलान्यास

भीलवाड़ा। विजयसिंह पथिक नगर माहेश्वरी समाज संस्थान के भवन का वर्चुअल शिलान्यास मुख्य अतिथि पूर्व सभापति रामपाल सोनी ने किया। वर्चुअल शिलान्यास समारोह में अध्यक्ष सांसद सुभाष बहेडीया, प्रमुख उद्योगपति एवं पूर्व उपसभापति अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा आरएल नौलखा, प्रदेश अध्यक्ष कैलाश कोठारी, अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन अध्यक्ष राजकुमार काल्या, महेश सेवा समिति के अध्यक्ष ओम नाराणीवाल, जिला माहेश्वरी सभा अध्यक्ष दीनदयाल मारू, नगर अध्यक्ष केदार जागेटिया, महेश सेवा समिति के पूर्व अध्यक्ष राधेश्याम चैचाणी आदि शामिल थे।

डॉ. लखोटिया विश्व के शीर्ष वैज्ञानिकों में शामिल

वाराणसी। अमेरिका यूएसए की ख्यात स्टैन फोर्ड यूनिवर्सिटी ने विश्व के चुनिंदा 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची बनाई है जिसमें माहेश्वरी समाज के वैज्ञानिक प्रोफेसर सुभाषचंद्र लखोटिया का नाम भी शामिल है। यह सर्वे यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों की एक टीम द्वारा किया गया। सर्वे की सूचना विज्ञान की दुनिया की प्रतिष्ठित पत्रिका पीएलओएस बायोलॉजी में छपी है। इन सर्वे का आधार वैज्ञानिकों द्वारा अपने शोध कार्यों में उल्लेख होता है।

राठी पेडेवाला

Since 1985

कॅटरींग :- हर तरह की पार्टी के लिये कॅटरींग सर्विसेस उपलब्ध है। राजस्थानी, पंजाबी, गुजराती, महाराष्ट्रीयन, साऊथ इंडियन, कॉन्टीनेंटल, चायनीज,इटालियन, सभी प्रकार के खाद्य पदार्थ ऑर्डर के अनुसार मिलेंगे

रेस्टॉरेन्ट :- शुद्ध शाकाहारी रेस्टॉरेन्ट

मिठाई :- ड्रायफ्रुट, घी, मावा, बंगाली, हर तरह की मिठाईयाँ उपलब्ध हैं

नमकीन :- विभिन्न प्रकार के सेव, चिवडा, फरसाण उपलब्ध है

बेकरी प्रोडक्टस :- ब्रेड, टोस्ट, कुकीज, खारी, केक उपलब्ध है

Add :- केडीया प्लॉट, कॉन्व्हेंट रोड, अकोला

Ph. :- 0724-2450049 मोबाईल नं. 9423428592, 9960298650

Email :- rathipedewala@gmail.com

Website :- www.rathipedewala.com

कृष्णकुमार राठी जगदीश राठी गिरीराज राठी महेश राठी

महिला संगठन ने की जनसेवा

इन्दौर। इन्दौर जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा माहेश्वरी समाज की विधवा महिलाओं का सम्मान किया गया। जिला अध्यक्ष सुमन सारड़ा ने अखिल भारतीय महिला सेवा ट्रस्ट और इन्दौर जिला द्वारा संचालित महिला चेरिटेबल ट्रस्ट की जानकारी उपस्थित सदस्यो को दी। उन्होंने बताया कि माहेश्वरी समाज की लगभग 30 विधवा महिलाओं का शरद पूर्णिमा के शुभ अवसर पर कन्या छात्रावास छत्रीबाग के सभाग्रह में शाल ओढाकर एवं श्रीफल देकर सम्मान किया गया। साथ ही सभी को मिठाई, नमकीन, वेपोराईजर, मास्क, दीपक एवं किराना सामान; दाल, चावल, आटा, शकर, तेल, नमक आदि भी भेंट किया गया। कार्यक्रम संयोजक डिम्पल माहेश्वरी, सुशीला राठी एवं दमयन्ती मनीहार थी। ग्रोसरी का सामान रोटरी क्लब आफ इन्दौर नार्थ के अध्यक्ष कमलेश माहेश्वरी एवं रोटेरियन मीनल, योगेश के सहयोग से वितरित किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय महासभा कार्य समिति सदस्य एवं जाजू व बांगड़ ट्रस्ट के ट्रस्टी भरत सारड़ा ने महासभा द्वारा संचालित विभिन्न ट्रस्टों की जानकारी दी। अर्चना ओपी माहेश्वरी, ज्योति मुछाल, नीता चिचानी, निर्मला कलंत्री, भावना माहेश्वरी, आदि उपस्थित थे। आभार दमयन्ती मणियार द्वारा माना गया।

पूर्वजों के नाम पर लगाये दीपक

इंदौर। संस्था आनंद गोष्ठी के संरक्षक गोविन्द मालू ने बताया कि प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी नरक चतुर्दशी पर संस्था के पदाधिकारियों द्वारा इंदौर शहर के हर श्मशान (मुक्तिधाम) के मुख्यद्वार पर पुरखों के नाम दीपक लगाए तथा रंगबिरंगी रांगोली का आकर्षक आसन सजाकर उनका पुण्य स्मरण कर उनसे राष्ट्र की सुख समृद्धि व सौभाग्य का आशीर्वाद लिया तथा कृपा की आकांक्षा कर अपनी त्रुटियों का प्रायश्चित किया। मुख्य कार्यक्रम जूनी इंदौर मुक्तिधाम पर संस्था के संरक्षक गोविन्द मालू के नेतृत्व में हुआ। संस्था के लालू शर्मा ने आकर्षक रांगोली बनाई।

॥ झिलमिलाते दीपपर्व दीपावली की शुभकामनाएं ॥

पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

(अन्तर्गत-अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन)

वीणा सोमानी
अध्यक्ष

उषा सोड़ानी
मंत्री

अरूणा बाहेती
निवृतमान अध्यक्ष

सरोज सोनी
कोषाध्यक्ष

शोभा माहेश्वरी
संगठन मंत्री

कार्यसमिति

मार्गदर्शक - श्रीमती गीता मूँदड़ा (पू.रा. अध्यक्ष) श्रीमती सुशीला काबरा (पू.रा. अध्यक्ष)

पूर्व अध्यक्ष - श्रीमती निर्मला जाजू, श्रीमती रमा शारदा, श्रीमती अनुपमा बाहेती , श्रीमती निर्मला बाहेती

उपाध्यक्ष - श्रीमती कांता सोड़ानी, श्रीमती गीता झँवर, श्रीमती वंदना मालानी, श्रीमती हेमा झँवर, श्रीमती नम्रता बियाणी

संयुक्त मंत्री - श्रीमती राजकुमारी सोमानी, श्रीमती स्नेहलता मूँदड़ा, श्रीमती रंजना परवाल, श्रीमती किरण मंत्री, श्रीमती सुलेखा मालपानी

समिति संयोजिकाऐं

श्रीमती स्मिता बियाणी, श्रीमती मंजु भलीका, श्रीमती ममता अगाल, श्रीमती रेखा पसारी, श्रीमती रत्ना जाखेटिया, श्रीमती किरण लखोटिया, श्रीमती सरला काबरा, श्रीमती पंकज सोनी, श्रीमती मनीषा राठी, श्रीमती शांता मंत्री, श्रीमती पूनम मालपानी, श्रीमती अर्चना के. माहेश्वरी, श्रीमती पद्मा सोड़ानी, श्रीमती हेमलता मोहता, श्रीमती सीमा बिहानी, श्रीमती मंगला सिंगी, श्रीमती हेमा बियानी

माहेश्वरी पंचायत सम्मानित

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री तथा विधायक डॉ. रमणसिंह द्वारा संस्था श्री माहेश्वरी पंचायत को "कोरोना योद्धा सम्मान" से सम्मानित किया गया। माहेश्वरी पंचायत को यह सम्मान कोरोना संकट काल की विपरीत परिस्थितियों में उसके द्वारा मानवता की सेवा के लिये दिये गये उल्लेखनीय योगदानों के लिये प्रदान किया गया।

श्री रामजस सोडाणी स्मृति सम्मान

भीलवाडा। पुस्तकों की सार सम्भाल करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाने वाले पुस्तकालयाध्यक्षों का सम्मान करना एक सामाजिक उत्तरदायित्व है। जिसको स्वर्गीय श्री रामजस सोडाणी स्मृति संस्थान भीलवाडा के द्वारा निभाया जा रहा है। यह बात संस्थान के निदेशक अनिल सोडाणी ने सम्मानित किये जाने वाले पुस्तकालयध्यक्षों की सूची जारी करते हुए कही। संस्थान के मुख्य निदेशक डॉ अशोक सोडाणी ने बताया कि कोविड 19 की अनुपालना के साथ गुरु नानक जयंती पर 30 नवम्बर सोमवार को आयोजित वर्चुअल सम्मान समारोह में 27 पुस्तकालयाध्यक्षों को स्वर्गीय श्री रामजस सोडाणी स्मृति प्रबुद्ध पुस्तकालयाध्यक्ष सम्मान से सम्मानित किया जा रहा है।

जिन्दगी की परीक्षा में कोई नम्बर नहीं मिलते हैं साहब लोग आपको दिल में जगह दे दें तो समझ लेना आप पास हो गए

Ajay Bang - 9422165520
Rakhi Bang - 9923280030
Tel : 07234-222014
E-mail : rakhibang1972@gmail.com

HIRALAL MOTILAL
Exclusive Gold Showroom

Main Road, Digras-445 203 Dist. Yavatmal

कोलकाता सभा की ई पत्रिका विमोचित

कोलकाता। प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के बहुप्रतिक्षित प्रकल्प ई पत्रिका का विमोचन समारोह गत 15 नवम्बर प्रातः 10 बजे महासभा महामंत्री संदीप काबरा एवं संगठन मंत्री अजय काबरा के करकमलों से हुआ। प्रदेश मंत्री नन्द कुमार लड्ढा ने प्रदेश के कार्यों का विवरण प्रस्तुत करते हुए कोरोनाकाल में सभा द्वारा किये गए सेवा मूलक कार्यों की जानकारी प्रदान की। प्रदेशाध्यक्ष विनोद जाजू ने सभी अतिथियों एवं जूम पर उपस्थित सदस्यों के प्रति स्वागत उदगार व्यक्त किए। निवर्तमान अध्यक्ष भंवर राठी ने ई पत्रिका के उद्देश्यों पर विस्तृत प्रकाश डाला। ई पत्रिका की संपादक सीमा भट्टर ने पत्रिका की विषय वस्तुओं की जानकारी प्रदान की। प्रदेश सभा द्वारा एक वार्षिक पुरस्कार से जुगलकिशोर जैथलिया को सम्मानित किया गया। पूर्वांचल उपाध्यक्ष कैलाश काबरा एवं संयुक्त मंत्री श्याम राठी ने भी अपने शुभकामना सन्देश प्रेषित किये।

जैसलमेरिया प्रेमचंद गौरव से सम्मानित

जोधपुर (राज.)। राष्ट्रीय साहित्यिक परिवर्तन के आयोजन में संस्था (रजि.) उत्तप्रदेश लघु कथा में जोधपुर से स्वाति जैसलमेरिया प्रथम स्थान पर रही। उन्हें मुंशी प्रेमचंद गौरव से सम्मानित किया गया। इकई संस्थापक डॉ. बलराम राष्ट्रवादी ने बताया कि पूरे भारत से बहुत साहित्यकारों ने भाग लिया। स्वाति जैसलमेरिया अपनी इस सफलता का श्रेय अपनी दादी सासुजी एवं मित्रों को देती हैं। अभी तक श्रीमती जैसलमेरिया साहित्य क्षेत्र में दिल्ली में महिला सम्मान, लेखिका सम्मान के साथ जोधपुर के जिला कलेक्टर से राजकीय सम्मान, माहेश्वरी ऑफ द डिकेड के साथ 300 से अधिक सम्मान प्राप्त कर चुकी है ।

Narendra Kothari

Umesh Pharma
Pharmaceutical Distributor
57, Satidham Market, Amravati
Mo. : 99222-29522, Ph. : 2574713

दीपोत्सव ऑनलाइन का हुआ आयोजन

बैंगलुरू। कोरोना नियमों का पालन करते हुए माहेश्वरी सभा ने दीपावली स्नेह मिलन "दीपोत्सव रंगारंग कार्यक्रम" जूम एप पर ऑनलाइन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष निर्मलकुमार तापड़िया, माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्ष कांता काबरा, माहेश्वरी युवा संघ के अध्यक्ष अरविंद लोया, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष भगवान बल्दवा, माहेश्वरी फाउंडेशन के चेयरमैन राजगोपाल भूतड़ा, माहेश्वरी सौहार्द क्रेडिट को-आपरेटिव लिमिटेड के अध्यक्ष नंदकिशोर मालू एवं माहेश्वरी सभा के कार्यसमिति सदस्य राजीव सामरिया तथा सुरेश अजमेरा ने किया।

अध्यक्षीय उद्‌बोधन निर्मलकुमार तापड़िया ने दिया। वयोवृद्ध सम्मान कार्यक्रम के अंतर्गत दो सभा सदस्य इंदरचंद-राजूदेवी चितलांग्या एवं हरिराम-रूक्मणि देवी साबू का सम्मान माहेश्वरी सभा एवं महिला मंडल के पदाधिकारियों द्वारा किया गया। प्रतिभा एवं विशिष्ठ उपलब्धि कार्यक्रम के अंतर्गत रोहिणी मूंदड़ा विख्यात लाइफ एवं बिजनेस कोच, ट्रेड स्पीकर और लेखिका को सम्मानित किया गया। मनोरंजन कार्यक्रम में कलाकार सुगंधा मिश्रा ने मिमिक्री कर मनोरंजन किया। सरस्वती पुरस्कार से छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया

गया। माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट द्वारा कक्षा 12वीं में विज्ञान में टॉपर श्रीष्टि बियानी को सेवा ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष भगवान बल्दवा व कला एवं वाणिज्य में तुषार मानधना को ट्रस्टी नंदकिशोर मालू ने विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन पूजा मर्दा ने किया।

माहेश्वरी परिषद आपके द्वार

वाराणसी। जिन परिवारों के बच्चे बाहर रहते हैं, उनके यहाँ रिश्तेदार तीज-त्योहार व अन्य अवसरों पर उनकी खोज-खबर लेते रहते थे व उनके घर जाकर अपनेपन का एहसास कराते थे। इस दीपावली पर यह भूमिका माहेश्वरी परिषद वाराणसी के अध्यक्ष रामजीलाल चांडक, मंत्री मनीष काबरा, कोषाध्यक्ष अनिल झंवर आदि ने समाज के ऐसे परिवारों से भेंटकर निभाई। इस कार्य से संगठन का रिश्तेदार वाला स्वरुप सामने आया।

दीपावली मिलन का आयोजन

मलकापुर। विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी संगठन के अध्यक्ष रमेशचंद्र चांडक के अनुरोध अनुसार महेश अर्बन पतसंस्था द्वारा समाज की 8 असहाय महिलाओं को दीपावली के अवसर पर उनके घर जाकर मिठाई, नमकीन तथा भेंटवस्तु देकर शुभकामनाऐं प्रदान की गई। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष मख्खनलाल मुंधड़ा, उपाध्यक्ष किशोर बाहेती, नंदलाल राठी, नेमीचंद धुत आदि सहित संचालक एवं संस्था कर्मचारी वर्ग उपस्थित थे। साथ ही संस्था द्वारा मलकापुरवासियों के लिये दीपावली की शुभकामना के बोर्ड लगाकर कोरोना काल में पटाखे छोड़कर प्रदूषण न फैलाते हुए पर्व मनाने की अपील की गई।

अहिंसा अर्बन को ऑप. क्रेडीट सोसायटी मर्या.

मलकापूर, रजि. नं. 1243

नेमाणे कॉम्पलेक्स, बी.जी.टी.आय रोड, मलकापूर-443101 फोन - (07267) 227315

वैशिष्ट्ये

अहिंसा ठेव योजना
फक्त 84 महीन्यात दाम दुप्पट
संस्थेच्या ठेविवरील आकर्षक ब्याज दर

मुदती ठेव

- 30 दिवस ते 90 दिवस 7%
- 91 दिवस ते 6 महीने 8%
- 7 महीने ते 15 महीने 9%
- 16 महिनेचे वर 10%
- जेष्ठ नागरीक, सहकारी संस्था, विधवा, अपंगांसांठी 1/2% अधिक ब्याज दर.

आकर्षक आवर्तक ठेव योजना

1031 रू. दरमहा गुंतवा व 6 वर्षाने
1 00 000 रू. मिळवा.
(मर्यादीत कालावधी करीता)

आपले स्नेहाकीत

श्री. पंकज चिमनलालजी मुंधडा — अध्यक्ष
सतिष हेमराज बंग — सचिव
श्री. मनोज रतीलालजी भिमजीयाणी — उपाध्यक्ष

तथा संचालक मंडल व कर्मचारी वृंद
अहिंसा अर्बन को-ऑप. क्रेडीट सोसायटी मर्या. मलकापूर

युवा मंच ने सजाया वृन्दावन धाम

अमरावती। अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच शाखा अमरावती अंबिका द्वारा 111 तुलसी के पौधे लगाकर वृंदावनधाम सजाया गया। इसमें कृष्ण, गोमाता, बड़, पीपल, बेल, आंवला, उम्बर यह पाँच पौधे भी पूजन के लिए शमिल थे। सैनिटाइजर और हैंडवाश की व्यवस्था की गई है। बढ़ते ठंड को देखते हुए जमीन पर ग्रीन मैट भी डाले गए। यह वृन्दावन धाम बियानी कॉलेज के सामने, साक्षी झेराकस के पीछे, रवि नगर चौक के पास, दुर्गा विहार, अमरावती में राठी एजुकेशन हब में है। कार्तिक मास के प्रारंभ से ही हर दिन संगीता राठी, राधिका मेठी, तृप्ति चांडक, शोभा गांधी, चंदा मालानी, प्रमिला राठी, उर्मिला साबू, कु. अनुपमा चांडक, उन्नति राठी परिक्रमा कर रहे थे।

सार्थक दिवाली का आयोजन

इंदौर। मप्र पश्चिमांचल माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा इंदौर जिला माहेश्वरी युवा संगठन के संयुक्त तत्वावधान में लगातार पांचवे वर्ष सार्थक दिवाली का आयोजन किया गया। इसमें बहुउद्देश्यीय सेवा संस्थान के लगभग 50 बच्चों और 15 बुजुर्गों को उनकी नाप के नए कपडे, पटाखे, मिठाई और कॉपी-किताबें बांटी गई। कोरोना काल के दौरान भी सार्थक दिवाली का आयोजन युवाओं के जोश और जुनून का परिचायक रहा। उक्त उदगार आयोजन के मुख्य अतिथि हार्दिक सारडा (अध्यक्ष माहेश्वरी युवा सँगठन महाराष्ट्र) ने व्यक्त किये आयोजन के विशेष अतिथि अजय सारडा (प्रचार मंत्री इंदौर माहेश्वरी समाज) थे और अध्यक्षता भरत तोतला (राष्ट्रीय सँगठन मंत्री, युवा सँगठन) ने की। संस्था अध्यक्ष राहुल मानधन्या ने बताया कि यह सार्थक दिवाली का लगातार 5वां वर्ष है। आयोजन के प्रभारी संजय लोहिया ने सभी बच्चों की नाप लेकर कपड़ों की सिलाई करवाई। कार्यक्रम संयोजक वरुण बाहेती, जगदीश भलिका, विशाल बिहानी व भरत डागा थे। युवा साथी रितेश सोमानी, जितेश लडडा, राम सोमानी, मिथुन सारडा, कमल झंवर, अमन सारडा, सूरज परवाल, लोकेश मानधन्या, मोहित माहेश्वरी, प्रितेश हेड़ा, मधुसूदन भलिका आदि विशेष रूप से उपस्थित थे।

महिला संगठन ने आयोजित की कार्यशाला

रायपुर। जय उमा महेश छत्तीसगढ़ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन के अंतर्गत व्यक्तित्व विकास एवं कार्यकर्ता प्रशिक्षण समिति द्वारा एक रोचक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें टाइम मैनेजमेंट, वाणी का संयम, प्रबंधन एरां भाषण कला के गुणों को अमल में करते हुए हर जिले में पृथक-पृथक कार्यशाला का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ में 6 जिले हैं हर जिले का अपना अलग विषय जैसे कल आज और कल संगठन के बारे में अपने विचार, हम होंगे कामयाब, वीकैन विन, परिवार और संस्कार, मारवाड़ी भाषा हमारा गौरव जैसे विषय पर हर प्रतिभागी ने 1 मिनट में अपना परिचय देते हुए अपने विचार रखने थे। इस कार्यशाला में एनालिसिस के रूप में प्रतिभा नथानी, गीता डागा, उषा मोहता, रूपा मूंदड़ा, शोभा सोनी, मधु राठी का विशेष सहयोग मिला। समिति द्वारा 15 अक्टूबर को अभिव्यक्ति का ग्रांड फिनाले आयोजित किया गया।

माहेश्वरी बने मंडलीय निदेशक

बहराइच। समाजसेवी सुशील कुमार माहेश्वरी (तापड़िया) को केंद्र सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय ने देवी पाटन मण्डल का एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल का मण्डलीय निदेशक मनोनीत किया है। श्री तापड़िया पूर्वी उ.प्र. माहेश्वरी सभा के वरिष्ठ सदस्य और महासभा कार्यकारी मंडल के सदस्य भी हैं।

कौमी एकता दिवस पर परिचर्चा आयोजित

भीलवाड़ा। हम सभी देश और समाज में धार्मिक सहिष्णुता और कौमी एकता कायम रखने के लिए अपने-अपने उत्तरदायित्व को निभायें और सोशियल मीडिया के भड़काने वाले विडियो-समाचारों के चक्कर में नहीं पड़ें। यह बात डॉ अशोक सोडाणी ने "खिलते फूल" साहित्यक संस्थान भीलवाड़ा द्वारा मेवाड़ कौमी एकता दिवस के अवसर पर आयोजित वैचारिकवार्ता-'कौमी एकता कायम रखने में एनजीओ की भूमिका' की अध्यक्षता करते हुए कही। संस्थापक अध्यक्ष राष्ट्रीय कवि सुरेश भाटी ने बताया कि वे उदयपुर स्थित नारायण सेवा संस्थान निदेशक वन्दना प्रशांत अग्रवाल ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर स्वर्गीय रामजस सोडाणी स्मृति संस्थान भीलवाड़ा के सहयोग से विभिन्न समजों की पांच जरूरतमंद महिलाओं को स्वरोजगार हेतु सिलाई मशीनें भी भेंट की गई है।

With Best Compliments
Murlidhar Rathi
9009992403
Ashok Rathi
98261-66215
Ashish Rathi
96170-70000
Amit Rathi
90095-25777
MAHESHWARI STEEL TRADERS
Deals In : Plates, Channel, Joist & Other Structural Items
Dealer Of Kamdhenu TMT
Dealer of : Acc Cement : Ultratech Cement
G.E. Road, Pulgaon Naka, Durg 491001 (Chhattisgarh)
Ph : 0788-2210538, E-mail : mst.durg@gmail.com
Rathi Steels
Pulgaon Naka, Ganjpara, Durg-491001 (Chhattisgarh)

ऑनलाईन हुआ कार्यक्रमों का आयोजन

लखनऊ। महिला मंडल द्वारा ''ऑनलाइन'' विभिन्न कार्यक्रम नवम्बर माह में मनाये गये। शरद पूर्णिमा पर्व पर श्री राधा कृष्ण के युगल नृत्य व महारास का आयोजन किया गया और सखियों द्वारा भजन प्रस्तुत किये गये। 2 अक्टूबर पर भी बच्चों द्वारा लाल बहादुर शास्त्री व महात्मा गाँधी की जयंती पर फैन्सी ड्रेस का आयोजन किया गया। सभी महिलाओं ने अपने-अपने विचार शास्त्रीजी व गाँधीजी के जीवन पर व्यक्त किये।

यूएसएस में दीपावली मिलन सम्पन्न

लांस एंजिल्स (यूएसए)। माहेश्वरी महासभा नार्थ अमेरिका सिलीकोन वेली एवं लांस एंजिल्स चेप्टर का दीवाली स्नेह मिलन समारोह वर्चुअल मिटिंग के साथ लांस एंजिल्स में आयोजित किया गया। लांस एंजिल्स चेप्टर की प्रेसीडेंट श्रीमती दीपाली-जितेंद्र दरगड़ भीलवाड़ा निवासी ने बताया कि उक्त आयोजन में 123 माहेश्वरी भारतवासी परिवारों ने भाग लिया जिसमें विभिन्न सांस्कृतिक आयोजन, गणेश वंदना, भारतीय पारम्परिक गेम्स तथा केबीसी की तर्ज पर क्वीज प्रश्नावली की प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। छोटे बच्चों की भी अलग केटेगरी बनाकर अलग-अलग गेम्स प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इसमें विजेता टीमों को प्रेसीडेंट द्वारा पारितोषिक दिया गया। अनेक प्रतिभागियों ने अपने जीवन के अनेक संस्मरण सुनाये तथा भारतीय संस्कृति को यूएसए में रहकर पुनर्जीवित किया।

हर्षिता को 91.2 प्रतिशत

चैन्नई। समाज सदस्य मुरली मनोहर व कोकिला लखोटिया की सुपुत्री हर्षिता ने सीबीएसई 12वीं गणित-वाणिज्य संकाय की परीक्षा 91.29 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। इसमें उन्होंने सर्वाधिक 95 अंक अकांउटेंसी में प्राप्त किये हैं।

खुशी आईआईटी में चयनित

भरुच। समाज सदस्य मधुसूदन लड्ढा व भरुच माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्ष ज्योति लड्ढा की सुपुत्री खुशी ने आई आई टी प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण की। इसके साथ ही उन्होंने बिट्स पिलानी प्रवेश परीक्षा में भी सफलता हासिल की है।

अनिमेष आईआईटी में चयनित

सीहोर। गत दिनों आये जेईई एडवांस के परीक्षा परिणाम में समाज की प्रतिभा अनिमेष ने ऑल इंडिया 1460 वीं रैंक प्राप्त की और वे आईआईटी के लिये चयनित हुए हैं। अनिमेष समाज के वरिष्ठ डॉ. सुरेश झँवर के सुपौत्र हैं।

पार्थ को जीआरई में शत प्रतिशत अंक

कोटा। विश्व स्तरीय विश्वविद्यालयों में स्नातकोत्तर में प्रवेश के लिये आयोजित जीआरई परीक्षा में डॉ. अशोक व डॉ. मीनाक्षी के सुपुत्र पार्थ शारदा ने 340 अंक प्राप्त किये हैं। इससे उन्हें विश्व स्तरीय प्रतिष्ठित 'हावर्ड यूनिवर्सिटी' में प्रवेश प्राप्त हुआ है। उल्लेखनीय है कि पार्थ ने अपनी स्नातक डिग्री भी परडयु यूएसए से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में अच्छे स्कोर से उत्तीर्ण की थी। इसके बाद उन्होंने स्टार्ट अप प्रारम्भ किया है।

प्रियंका बनी सीएस

उज्जैन। द इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरी ऑफ इंडिया ने सीएस प्रोफेशनल प्रोग्राम का परिणाम घोषित कर दिया। इसमें उज्जैन की प्रियंका भूतड़ा परीक्षा उत्तीर्ण कर कंपनी सेक्रेटरी बन गई हैं।खास बात यह है कि उन्होंने बिना कोचिंग घर रहकर सेल्फ स्टडी से परीक्षा में सफलता प्राप्त की।

मेघावी को नीट में 97.9 पर्सेन्टाईल

खरगोन। स्मिता विनोद बियानी की सुपुत्री मेघावी विनोद बियानी को नीट की परीक्षा में 97.9 पर्सेन्टाईल अंक प्राप्त हुए। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

With Best Compliments from

Narayan Lahoti Rasbihari Lahoti

Manufacturers of Alum

Ganpati

Chemicals & Minerals

Office

Ganpati Complex, Main Road, Bhandara (MS.)-441904

Ph. 07184-254119 (O), 202021 (F)

Work

Gat No. 89/1, Village- Ashok Nagar,

National Highway No. ,

Post-Shahapur, Dist. Bhandara (MS.)

सम्मानित होंगे माहेश्वरी समाज के 100 कर्मयोगी

भगवान श्रीकृष्ण कर्मयोग के प्रवर्तक और निष्काम कर्म के प्रेरक पुरुषोत्तम हैं। सृजन के विविध आयाम और कर्म की पराकाष्ठा से ओतप्रोत श्रीकृष्ण के मार्ग का अनुसरण करते हुए माहेश्वरी समाज के भी अनेक बन्धु-बहिनों ने कर्मयोग की अनुकरणीय मिसालें प्रस्तुत की हैं।

प्रतिष्ठित चैनल **'भक्ति सागर'** और आपकी अपनी मासिक पत्रिका **'श्री माहेश्वरी टाइम्स'** ने सृजन की विभिन्न विधाओं और लोक कल्याण के नाना क्षेत्रों में अपने निष्काम कर्म की छाप छोड़ने वाले समाज के ऐसे ही प्रेरक कर्मयोगियों के अभिनन्दन का निर्णय किया है। अखिल भारतीय स्तर पर चुने हुए इन **'100 कर्मयोगियों'** के साक्षात्कार चैनल पर प्रसारित किए जाएंगे और पत्रिका इन सभी के योगदानो को समर्पित विशिष्ट पुस्तक का प्रकाशन करेगी।

समाजजनों से आग्रह है कि कृपया अपने क्षेत्र के ऐसे कर्मयोगियों के बारे में हमें सूचनाएं सुलभ कराने का कष्ट करें, जिन्होंने किसी भी क्षेत्र में उपलब्धि के शिखर छूकर लोक के लिए कर्म की पराकाष्ठा का उदाहरण प्रस्तुत किया हो। आप इनके नाम, परिचय, कार्य विवरण, चित्र, सम्पर्क नम्बर या मेल आईडी उपलब्ध करा कर हमारे इस अभियान में सहयोगी बन सकते हैं। श्रेष्ठ 100 का चयन निर्णायक मंडल के अधिकार में होगा।

श्री महेश्वरी टाईम्स
९०, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे)
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com

हेमा फाउंडेशन द्वारा जीवन मूल्यों को समर्पित पोर्टल

हेम-वर्च्यू का क्रांतिकारी कदम...

HEM-Virtues
A Learning Revolution

हेमा फाउंडेशन की ओर से
दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएं

www.hemvirtues.com

संस्कार शिक्षा एवं मानवीय जीवन मूल्यों को समर्पित हेमा फाउंडेशन, आर.आर. ग्लोबल की सामाजिक गतिविधियों की एक परोपकारी इकाई है, जो पिछले पाँच वर्षों से विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से समाज में नैतिक-मूल्यों को पुनः स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

हेमा फाउंडेशन का लक्ष्य है- "नैतिक मूल्यों की ज्योति को प्रभावी एवं सशक्त रूप में योजनाबद्ध एवं चरणबद्ध तरीके से प्रत्येक विद्यालय, प्रत्येक विद्यार्थी एवं शिक्षकों तक पहुँचाना।" जिससे एक कर्तव्यपरायण समाज का निर्माण हो सके।

इसे ध्यान में रखते हुए फाउंडेशन ने शिक्षक निर्देशिका "हेम-दिशा" तथा कक्षा पहली से आठवीं तक के छात्रों के लिए "हेमफार्मेशन" एकीकृत मूल्य-आधारित शैक्षणिक पाठ्यक्रम, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (NCF), राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT), केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) एवं राज्य बोर्डों जैसे हमारे केंद्रीय तथा राज्य शैक्षिक निकायों के दिशानिर्देशों के अनुसार केस स्टडीज के साथ तैयार किया है, जिसमें भूतकाल, वर्तमान एवं वैश्विक का समावेश है। साथ ही जीवन मूल्यों पर आधारित 48 प्रेरक लघु फिल्म का निर्माण किया है।

इस उपक्रम को देश के 20 राज्यों, 110 शहरों तथा हजारों शिक्षण संस्थाओं के लाखों छात्रों तक पहुंचाया है, जिसमें सोलापुर विश्वविद्यालय में नैतिक मूल्य शिक्षा पर सर्टिफिकेट कोर्स एवं तिलक विद्यापीठ द्वारा शिक्षकों के लिए सर्टिफिकेट कोर्स तथा जीवन मूल्यों के उत्थान के लिए कार्यशालाओं का आयोजन प्रमुख हैं। साथ ही नैतिक शिक्षा को व्यापक रूप प्रदान करने हेतु "जीवन मूल्यों की पाठशाला" धारावाहिक डीडी नेशनल चैनल पर प्रत्येक शनिवार 11.30 बजे प्रसारण होता है।

नैतिक शिक्षा की समग्रता को समर्पित तथा आधुनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए HEM-VIRTUES एक क्रांतिकारी पोर्टल है, जिसमें मूल रूप से पठन सामग्री, मल्टीपल च्वॉइस (M C Q s) बहुविकल्पी प्रशन, गतिविधियां, प्रैक्टिकल (प्रयोगात्मक), टास्क, रिजल्ट, रिसर्च रिपोर्ट्स, ई-सर्टिफिकेशन, पुरस्कार, प्रोत्साहन आदि का समावेश है। इस वेब-पोर्टल को नैतिक मूल्य प्रदान करने हेतु सबसे अधिक गतिविधि के लिए "गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स" द्वारा मान्यता दी गीई है।

छात्रों, शिक्षकों, स्कूलों व संस्थाओं के लिए नैतिक-मूल्यों पर आधारित नियमित वेबिनारों के माध्यम से 27 सप्ताह (कुल 9 जीवन मूल्य) जैसे- 1. अभय (साहस) 2. जिज्ञासा 3. प्रकृति का प्रेम (नेम प्लेट), 4. आत्मविश्वास (दगडू) 5. उम्मीद (आशाएं) 6. स्वच्छता 7. सांस्कृतिक मूल्य (संस्कृति) 8. दयालुता (परोपकार) 9. आंतरिक सद्भाव (अठन्नी की खुशी) को तीन सप्ताह एक जीवन मूल्य, मनोवैज्ञानिक व विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में संचालन किया जा रहा है। शनिवार को वेबिनार में कक्षा पहली से बारहवीं तक के छात्रों लिए रोचक गतिविधियां, पहेलियाँ, क्विज़ वीडियो, प्रेरक कहानियां आदि का समावेश किया जाता है।

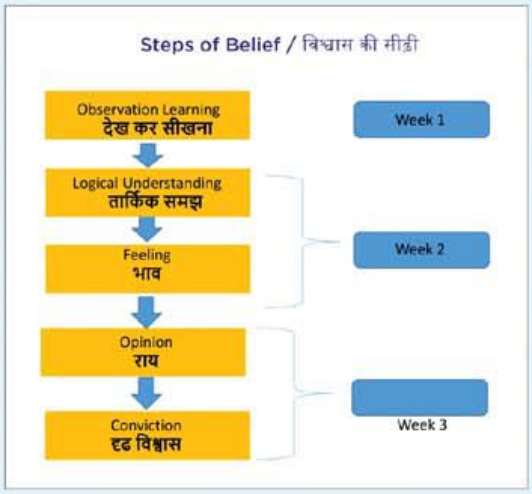

विशेष रूप से नैतिक मूल्यों को अपनाने हेतु इस पोर्टल में ऑन लाइन प्रतियोगिता का प्रावधान है, जहाँ छात्र स्वयं को पंजीकृत कर विभिन्न प्रकार के प्रतियोगिता में भाग लेकर अपने गतिविधियों, टास्कों, का ऑडियो-वीडियो अपलोड कर सकते हैं। हेमा फाउंडेशन बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए छात्र द्वारा हल किये गये गतिविधियों प्रश्नोत्तरी, पहेलियों पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय आकर्षक पुरस्कार प्रदान करता है। ऑन लाइन प्रतियोगिताओं, गतिविधियों में भाग लेने के लिए www.hemvirtues.com अपना रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। इसका मोबाइल संस्करण भी उपलब्ध है।

इतनी कम अवधि हम में दो लाख दस हजार विद्यार्थियों, तीन हजार पाँच सौ से अधिक शिक्षकों, दो लाख आठ सौ विद्यालयों को वेबिनार के माध्यम से हेम वर्च्यु वेब पोर्टल से जोड़ा है।

हेम वर्च्यु की इस लोकप्रिय गतिविधियों को देखते हुए मुंबई महानगरपालिका (MCGM) ने हेमा फाउंडेशन एवं महनगरपालिका के संयुक्त तत्वावधान में सभी स्कूलों में "हेम-सद्गुण" (Hem Virtues) कार्यक्रम को प्रस्तुत करने के लिए स्वीकृति प्रदान कर सभी स्कूलों तथा सभी छात्रों को www.hemvirtues.com पर अपना रजिस्ट्रेशन करने का निर्देश दिया है।

इसके अलावा सामाजिक संगठन, कॉरपोरेट जगत, अभिभावकों, प्रबंधकों, वयस्कों के लिए प्रत्येक बुधवार को विशेषज्ञों को आमंत्रित कर वेबीनार का आयोजन किया जा रहा है। इस मुहिम को सुव्यवस्थित रूप में क्रियान्वयन के लिए फाउंडेशन ने समाज के हितचिंतकों, शिक्षाविदों, अधिकारियों समर्पित कार्यकर्ताओं का एक नेटवर्क निर्माण किया है, जो प्रभावी रूप से समाज में नैतिक मूल्यों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है।

दीपावली के पावन पर्व पर सभी समाजजनों को
हार्दिक शुभकामनाएँ

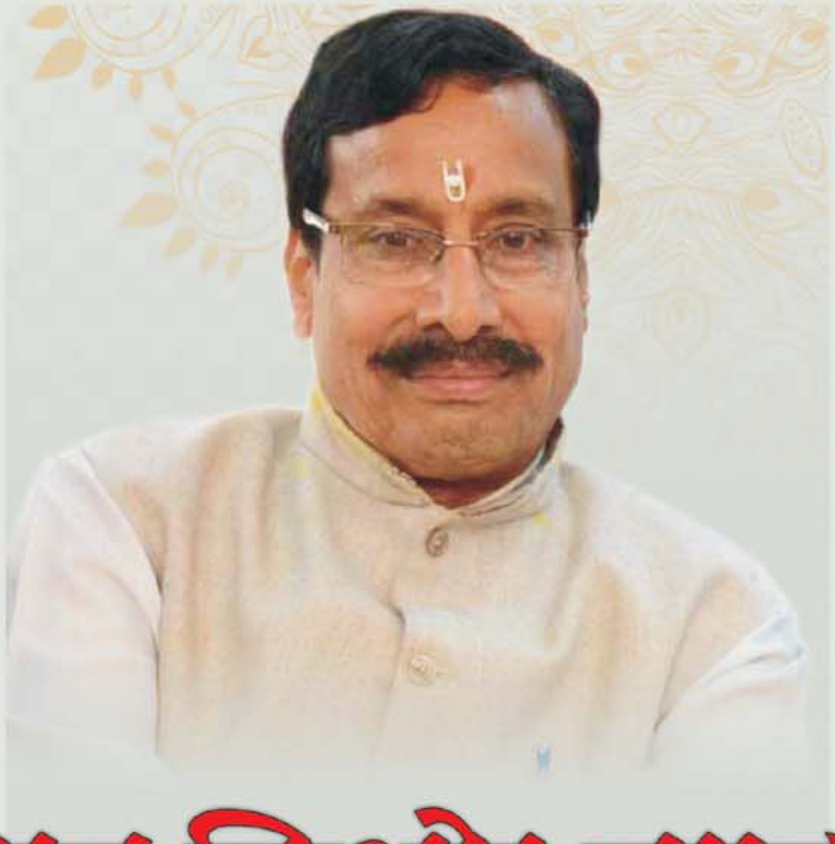

कमल किशोर चाण्डक

राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष – भारतीय जन फाउण्डेशन
पूर्व संयुक्त मन्त्री- अ.भा. माहेश्वरी महासभा
पूर्व कोषाध्यक्ष- श्री अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन, पुष्कर

लक्ष्मीनारायण कमलकिशोर चाण्डक
ए-7, मण्डोर मण्डी, जोधपुर (राज.)

दिनेश मशीनरी स्टोर्स
चाण्डक मार्केट, खींवसर (राज.)

क्लासिकल नृत्य की उभरता सितारा

अर्पिता राठी

कॅरियर हर क्षेत्र में संभव है, बस आपके अंदर जुनून होना चाहिए, उस काम को पूरा करने का। ऐसी ही कुछ कहानी है इंदौर निवासी कत्थक डांसर अर्पिता राठी की, जिन्होंने करियर के लिये मुश्किल माने जाने वाले क्षेत्र में भी उन्नति के सौपान तय किये।

■ टीम SMT

कत्थक में करियर बनाने के लिए अर्पिता को लोगों ने ताने मारे कहा इसमें कॅरियर नहीं, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। आज अर्पिता इंदौर में नादयोग संस्थान से कत्थक में बीए पर चुकी है और कई राष्ट्रीय व अंतरर्राष्ट्रीय स्तर पर कत्थक की परफॉर्मेंस दे चुकी है।

बचपन में तय किया था लक्ष्य

अर्पिता ने बताया कि जब वे 6वीं क्लास में थीं, तो उनकी गुरु रागिनी मक्खर ने इंडिया गॉट टैंट कत्थक परफॉर्मस अवार्ड जीता था। उसके बाद उन्होंने सोच लिया कि वे भी इसी फील्ड को अपनाएंगी। स्कूल के बाद नागदा में कत्थक क्लास अटेंड करती और 12वीं के बाद इंदौर के नादयोग गुरुकुल से बीए इन कत्थक किया। अब वे इसी में एमए और पीएचडी करना चाहती हैं।

अप्रचलित तालों पर करना है काम

अर्पिता ने बताया कि कत्थक में कई तालें होती हैं, कुछ बहुत प्रचलित है, तो कुछ अप्रचलित हैं, जैसे 15 ताल आदि। वे इन अप्रचलित तालों को अंतरर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना चाहती हैं। वे चाहती हैं कि कत्थक की इन अप्रचलित तालों में उनका नाम हो और इसके लिए वे लगातार प्रयास कर रही हैं। अर्पिता कहती हैं कि सफलता के लिए जरूरी है कि आपमें जुनून हो और आप लगातार प्रयास करते रहें, जब तक सफलता न मिल जाए।

"अंधकार" पर "प्रकाश" की विजय के पर्व

दीपावली

की समस्त समाजजनों को हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाऐं

तथा

आशा का नया प्रकाश सभी के जीवन में

आलोकित हो ऐसी मंगलकामनाऐं

माणक-मंदा काबरा, मुंबई

कलियुग के परमधाम श्री जगन्नाथपुरी

जगन्नाथ का अर्थ है, जुगत के स्वामी। पुरी में विराजित भगवान श्री जगन्नाथ के कारण यह नगर जगन्नाथपुरी के नाम से तो जाना ही जाता है, साथ ही कलियुग के परमधाम के रूप में भी प्रतिष्ठित है। इसकी स्थापना आदि शंकराचार्य ने की थी।

जुगलकिशोर सोमानी, जयपुर

पुरी का श्री जगन्नाथ मंदिर एक सनातन मन्दिर है, जो भगवान जगन्नाथ (श्रीकृष्ण) को समर्पित है। यह भारत के ओडिशा राज्य के तटवर्ती शहर पुरी में स्थित है। जगन्नाथ शब्द का अर्थ जगत के स्वामी होता है। अतः इनकी नगरी जगन्नाथपुरी कहलाती है। इस मन्दिर को आदि जगदगुरु शंकराचार्य द्वारा स्थापित चार धामों में से एक गिना जाता है। इस मंदिर का वार्षिक रथ यात्रा उत्सव प्रसिद्ध है। इसमें मंदिर के तीनों मुख्य देवता भगवान जगन्नाथ, उनके बड़े भ्राता बलभद्र और भगिनी सुभद्रा तीनों तीन अलग-अलग भव्य और सुसज्जित रथों में विराजमान होकर नगर की यात्रा को निकलते हैं। श्रीजगन्नाथ पहले नील माधव के नाम से पूजे जाते थे। जो भील सरदार विश्वासु के आराध्य देव थे। अब से लगभग हजारों वर्ष पूर्व सरदार विश्वासु नील पर्वत की गुफा के अंदर नील माधव की पूजा किया करते थे। मध्यकाल से ही यह उत्सव अतीव हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। इसके साथ ही यह उत्सव भारत के अनेकों वैष्णव कृष्ण मन्दिरों में भी मनाया जाता है एवं रथयात्रा निकाली जाती है। गौडीय वैष्णव सम्प्रदाय के संस्थापक श्री चैतन्य महाप्रभु भगवान की ओर आकर्षित हुए थे और कई वर्षों तक पुरी में रहे भी थे ।

752 चूल्हों पर बनता है प्रसाद

इसी शहर में आदिशंकराचार्य ने गोवर्धन पीठ की स्थापना की थी। जो आज भी धर्मरक्षा को तत्पर है। अभी इस पीठ पर जगदगुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंदजी सरस्वती विराज रहे हैं। पुरी में अनेक मन्दिर हैं, जहाँ श्रद्धालु पुरी यात्रा के समय अवश्य दर्शनार्थ जाते हैं। समुद्र किनारे अवस्थित इस मन्दिर में प्रवेश करने के उपरान्त समुद्र का शोर बिल्कुल सुनाई नहीं देता किन्तु ज्यों ही मन्दिर के द्वार से निकलेंगे-शोर सुनाने लगेगा। इस मन्दिर के चार में से एक दरवाजे के बाहर श्रीहनुमानजी का बेड़ियों में बन्धा मन्दिर है। मन्दिर प्रांगण में माता लक्ष्मी का भव्य मन्दिर है। निकट ही जगत प्रसिद्ध "करमा बाई" का मन्दिर है। सबसे पहले इसी मन्दिर में खिचड़ी का भोग लगता है। इसी मन्दिर प्रांगण में सम्भवतः विश्व की सबसे बड़ी रसोई है। इस रसोई में 752 चूल्हे एक साथ लकड़ी से जलते हैं और भगवान का प्रसाद नित नए मिट्टी के बर्तनों में बड़ी शुद्धता से बनता है। जब तक भगवान को भोग नहीं लगता, तब तक रसोई के किसी भी कर्मचारी को कोई हाथ भी नहीं लगा सकता है। भोग लगाने के उपरान्त सभी भक्तगणों को तरह-तरह के मिष्ठान युक्त प्रसाद की प्राप्ति होती है। फिर इस प्रसाद को कोई भी किसी की पत्तल से ग्रहण कर सकता है यानि फिर कुछ भी जूठा नहीं होता। मन्दिर प्रांगण के बाहर पंजीकृत दुकानों पर प्रसाद बिकता भी है।

पताका बदलना भी रोमांचक

शाम के समय मन्दिर के शिखर की ध्वजाओं को बदला जाता है। ध्वजा बदलने की जिम्मेदारी मन्दिर प्रशासन द्वारा कुछ विशिष्ट परिवारों

को दी हुई है। इन परिवारों में से एक से तीन व्यक्ति सारी नई ध्वजाओं को अपनी पीठ पर बांधकर मन्दिर की तरफ पीठ करके बिना सीढ़ी मन्दिर के निर्माण में ही बनी पट्टिकाओं के सहारे शिखर तक चढ़ते हैं। यह दृश्य बड़ा रोमांचक है। पुरानी ध्वजाओं को उतराकर नई ध्वजाएं फहराई जाती हैं और पुरानी ध्वजाओं को पुनः पीठ पर बांधकर नीचे उतरते हैं। सभी भक्तों को उन ध्वजाओं में से छोटे-छोटे टुकड़े फाड़ कर दिये जाते हैं और भक्त उनको दक्षिणा स्वरूप कुछ राशि भेंट करते हैं। यही उनका मेहनताना होता है।

यहीं बनती है नवीन प्रतिमा

मन्दिर प्रांगण से लगते ही एक और प्रांगण है जहाँ फूलों और तुलसी के अनेक पौधे हैं, यहाँ बुजुर्ग महिलाएं सुबह से शाम तक भगवान को अर्पित होने वाली मालाएं बनाती रहती हैं। इसी प्रांगण में वह स्थान भी है जहाँ, जब असाढ़ माह अधिक होता है, तब भगवान की काष्ट मूर्तियों को बदला जाता है, पुरानी मूर्तियों को भूमि से करीब 20 फुट गहरे स्थान पर समर्पित कर दिया जाता है। इस खोदी गई मिट्टी को बहुत पवित्र माना जाता है और उस मिट्टी के मादीए यानी ताबीज बनाकर भक्तों को दिए जाते हैं। पुरी में एक और विशिष्ट स्थान है- क्षेत्रगंगा। यह एक विशाल पक्का तालाब है जो सड़क से कम से कम 25 फुट नीचे है। इस तालाब के तट पर बारहों महीने श्रृद्धालु तर्पण और पिण्ड दान कराते रहते हैं। यहाँ के कर्मकाण्डी पण्डित बहुत ही विद्वान है। पुरी यात्रा में अपने पितरों का तर्पण अवश्य कराना चाहिए। इस साफ-सुथरे तालाब में माता गंगा गुप्त रूप से विराजमान है और जल भी धरती से ही निकलता है।

इन्हें भी अवश्य देखें

भुवनेश्वर से पुरी के सड़क मार्ग में साक्षी गोपाल का मन्दिर है। किदवंती है कि यहाँ के दर्शन से ही पुरी यात्रा सम्पूर्ण मानी जाती है। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में अति प्राचीन लिंगराज मन्दिर है। इस मन्दिर में भगवान विष्णु और भगवान महेश का वास है। इस मन्दिर के अतिरिक्त भी कई प्राचीन मन्दिर यहाँ विद्यमान है। ओडिशा का एक शहर, है जाजपुर। इससे कुछ किलो मीटर दूर बैतरणी नदी बहती है। यह वही नदी है जिसका उल्लेख गरुड़ पुराण में मिलता है। बड़े सुन्दर घाट बने हुए हैं और स्वच्छ जल बहता है। यहाँ गौपूजन, तर्पण और स्नान अवश्य करें। इस स्थान से करीब 60 किलो मीटर दूर तारिणी माता का मन्दिर है। यहाँ माता को कच्चे नारियलों का भोग लगता है। इस मन्दिर की बड़ी मान्यता है। यदि आप पुरी से गाड़ी करते हैं तो एक दिन में साक्षी गोपाल, भुवनेश्वर, कोणार्क और चिलका जाकर आ सकते हैं। इसी तरह एक दिन में बैतरणी और तारिणीमाता मन्दिर की यात्रा भी हो सकती है। पुरी तक आए हैं तो ये यात्राएं अवश्य करनी चाहिए। यदि आपके वंश के पण्डों की आपको जानकारी है तो ठीक, नहीं तो ये पण्डे आपको आपके वंश की जानकारी अवश्य देंगे। जहाँ भी पण्डा परम्परा है, वहाँ पर इनसे जरूर सम्पर्क करके अपने आवागमन और परिवार की जानकारी इनकी बहियों में लिखवा चाहिए ताकि भविष्य में जब भी कोई कुटुम्बजन आए तो उनको पुरानी सारी जानकारी मिल सके।

॥ दीपो के पर्व दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ ॥

वृहतर कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन ने मनाई दिवाली इस तरह दीपों का पर्व दीपावली लाती है, हर घर में खुशियाली, अंधकार पर जीत का है, ये पर्व, सत्य पर विजय का है,यह पावन पर्व, प्रकाश का पर्व है, यह शुभ दीपावली, दीया और बाती मिलकर प्रकाश फैलाते, घी और तेल सहभागिता हैं निभाते, कोई मोमबत्ती जलाकर खुशियां मनाते, कोई भूखों को खाना भी खिलाते।

इस करोना काल में भी हम सब मिलकर इस पर्व को मनाया !!! दो गज की दूरी एवं मास्क पहनकर सादगी के साथ दिवाली, दीवाली,दीपावली, दीपपर्व, देवराई हम सभी ने मिलकर मनाई। सभी को आशीर्वाद मिले गणेश से, विद्या मिले सरस्वती से, दौलत मिले लक्ष्मी से, प्यार मिले सब से दीपावली के अवसर पर यही दुआ है दिल से !!! दीपावली में दीपों का दीदार हो और खुशियों की बौछार हो !! शुभ दीपावली।

मैं ईश्वर से प्रार्थना करती हूँ, कि आपको शांति, शक्ति, संपत्ति, स्वरूप, संयम, सादगी, सफलता, समृद्धि, संस्कार, स्वास्थ्य, सम्मान, सरस्वती और स्नेह दे। हम सब ने दिवाली मनाई, पर कुछ घर में अंधेरा था, दुख और गरीबी ने वहाँ डाला अपना डेरा है, इस पर्व पर उनकी कुछ सहायता कर, उन्हें कुछ खुशी दे पाएं इस तरह दिवाली का नया रूप सजाया।

दिवाली पर हमने प्रण किया कि मन से नफरत का बहिष्कार करेगें। ईमानदारी और सच्चाई को अपने जीवन में अपनाकार दिवाली की नया रूप सजाया इस वर्ष दिवाली में हम सब महामारी से जुझ रहे थे,सभी दूर से ही बधाई दे रहे थे, और दूर से ही हालचाल पूछ रहे थे। उम्मीद करती हूँ हम सबके जल्दी ही अच्छे दिन आयेंगें।

निर्मला मल्ल

अध्यक्ष

वृहतर कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

www.rathi.com

ANANDRATHI

Call us on 1800 200 1002 / 1800 121 1003 or log on to www.rathi.com

Anand Rathi Share & Stock Brokers Ltd. / AnandRathi Advisors Ltd.
Regd. Office: Express Zone, A Wing, 9th Floor, Western Express Highway, Opposite Oberoi Mall, Goregaon (E), Mumbai - 400063, India. Tel: 022 6281 7000
BSE (Mem.ID.949) CM: INB011371557 FO: INF010676931 BSE CD: Exchange Regn. | NSE (Mem.ID.06769) CM: INB230676935 FO: INF230676935 CD: INE230676935 | MSE (Mem.ID.1014) CM: INB260676938 FO: INF260676938 CD: INE260676935 | DP- NSDL: IN-DP-NSDL-149-2000, CDSL: IN-DP-CDSL-04-99. | Research Analyst - INH000000834 | MCX: MCX/TCM/CORP/0525 Mem.ID.: ITCM8500 | NCDEX: NCDEX/TCM/CORP/0178 Mem.No.: TCM00147 | NCDEX SPOT: NCDEXSPOT/043/CO/08/10050 Mem.No.: 10050 | PMS: INP000000282 | MBD-INM000010478 | Investment Adviser: INA000000268 | AMFI: ARN-4478 is Registered under "Anand Rathi Share & Stock Brokers Ltd." | ARN-100284 is Registered under "AR Wealth Management Pvt. Ltd." | ARN-111569 is Registered under "AR Venture Fund management Pvt. Ltd." --We are a distributor of Mutual Fund. Anand Rathi Global Finance Limited is registered as NBFC Regn. No.: B-13.01682. Insurance is registered under "Anand Rathi Insurance Brokers Ltd." License No. 175. PMS registered under Anand Rathi Advisors Ltd. Insurance Products are distributed under Anand Rathi Insurance Brokers Ltd. PMS, PAS & Wealth Management are not offered in commodities segment. Commodities is registered under Anand Rathi Commodities Ltd. | *Anand Rathi Wealth Services Limited.

Disclaimer: Investment in securities market are subject to market risks, read all the related documents carefully before investing. Investments in Mutual Fund are subject to market risk, read all the related documents carefully before investing.

जानलेवा न बन जाए एनीमिया

एनीमिया का अर्थ है, खून की कमी। आमतौर पर यह शारीरिक कमजोरी के रूप में हमारे सामने आती है, लेकिन हम इसे सामान्यतः नजरअंदाज कर देते हैं। हमारी यह लापरवाही जानलेवा भी हो सकती है।

डॉ. मंगल राठी, परतवाड़ा

एनीमिया का मतलब है शरीर में हीमोग्लोबिन की कमी होना। हीमोग्लोबिन एक आयरन युक्त प्रोटीन है। बिना आयरन के शरीर में हीमोग्लोबिन नहीं बन सकता। हीमोग्लोबिन फेफडों से ऑक्सीजन लेकर शरीर के दूसरे हिस्सों में पहुंचाता है। हीमोग्लोबिन की कमी होने की वजह से सीजन की शरीर में कमी होती है और उसकी वजह से शरीर में थकावट महसूस होती है। नॉर्मल हीमोग्लोबिन का प्रमाण 11 से 15 ग्राम /लीटर है। जब हीमोग्लोबिन इस स्तर से कम होता है, तो एनीमिया कहा जा सकता है। इस समस्या के कई कारण हो सकते हैं।

ये हैं एनीमिया के लक्षण

हीमोग्लोबिन कम होने के लक्षण में त्वचा का फीका या पीला दिखना, आंखों के नीचे काले घेरे होना, तलवे और हथेलियों का ठंडा पड़ना, शरीर में तापमान का कमी होना, चक्कर आना, घबराहट होना सांस फूलना, धड़कन तेज होना, हाथ पैरों में कमजोरी होना, बालों का झड़ना, जल्दी थकान होना, कोई भी चीज पर ध्यान न लग पाना, इसके साथ ही सिर दर्द होना, सीने में दर्द होना आदि प्रमुख है। महावारी में खून ज्यादा जाना तथा शरीर पर सूजन आना भी इसके लक्षण में शामिल हैं।

क्यों होती है हीमोग्लोबिन की कमी

कैंसर, एचआईवी एड्स की दवाइयां, कैंसर की कीमोथेरेपी दवाइयां, दीर्घकालीन किडनी रोग, लेड पॉइजनिंग, मल्टीपल मायलोमा, हाइपोथाइरॉएडिज्म, विटामिन की कमी, आयरन की कमी व फोलिक एसिड की कमी आदि हीमोग्लोबिन की कमी का कारण बनते हैं। कुछ रोग शरीर में लाल रक्त पेशी बनाने की गति को तेजी से कम करते हैं जैसे स्पलेनोमेगाली (तिल्ली का बढना), हिमोलाइसिस (लाल रक्त पेशी का टूटना), सिकल सेल एनीमिया, थैलासीमिया आदि। कुछ स्थिति में शरीर में खून की कमी होने की वजह से भी हीमोग्लोबिन कम होता है जैसे किसी घाव से खून बहना, पेट में अलसर, पेट का कैंसर, बवासीर, मूत्राशय में खून बहना, माहवारी में ज्यादा खून बहना, गर्भाशय में फाइब्रॉयड का होना, बार-बार रक्तदान करना, स्मोकिग करना, शराब पीना आदि। उम्र के बढ़ते समय पर खासकर 65 के ऊपर, गर्भावस्था के दौरान, प्रसूति के बाद तथा स्तनपान के दौरान भी शरीर में खून की कमी के वजह से हीमोग्लोबिन में कमी आ सकती है। वजन कम करने के लिए डाइटिंग करने वाली लड़कियों में भी हीमोग्लोबिन की कमी आती है।

ऐसे बढ़ाऐं हीमोग्लोबिन

हीमोग्लोबिन बढ़ाने के लिये हरी सब्जियां जैसे पालक, सरसों, मेथी, धनिया, पुदीना, बथुआ ब्रोकली, गोभी, बींस, खीरा, टमाटर, गाजर, शकरकंद, शलजम, चुकंदर आदि तथा फलों में संतरा, अंगूर, सेब, अनार, तरबूज, केला आदि का सेवन ज्यादा से ज्यादा करना चाहिए। सूखे मेवे जैसे खजूर, बादाम की किशमिश, मुनक्का, अखरोट खाऐं इनमें आयरन की मात्रा पर्याप्त होती है। गुड और सिंगदाना का सेवन करें। गुड़ आयरन का प्रमुख स्त्रोत है। यह विटामिन से भी भरपूर होता है। इससे हीमोग्लोबिन बढ़ने में काफी मदद होती है। आयरन युक्त डाइट का शरीर को पूरा-पूरा फायदा होने के लिए विटामिन सी का सेवन करना जरूरी है। विटामिन सी के लिए नींबू, अमरूद, आंवला, संतरे का जूस लेना जरूरी है। एनीमिया से बचने के लिए संतुलित और पोषक तत्वों से भरपूर डाइट लेना जरूरी है। एनीमिया की कम्पलीट क्युअर के लिए अच्छा खाना खाने के साथ-साथ कम से कम 6 महीने आयरन की गोलियां लेना जरूरी है। अगर हीमोग्लोबिन की मात्रा काफी कम हुई तो आयरन के इंजेक्शन या खून की बोतल चढ़वाना जरूरी है। अगर बार-बार हीमोग्लोबिन का प्रमाण कम हो रहा होगा तो डॉक्टर से ब्लड टेस्ट और प्रॉपर ट्रीटमेंट करवाना जरूरी है। यह किसी बड़ी बीमारी का भी सिग्नल हो सकता है।

लखानी परिवार,
मलकापुर
इंडियनऑयल
Trust of Generations
रचना गॅस ॲन्ड अप्लायसेंस
ईण्डेन डिस्ट्रब्युटर, लखानी इस्टेट, नांदुरा रोड, मलकापुर-443101
फोन (07267)222025, 222525

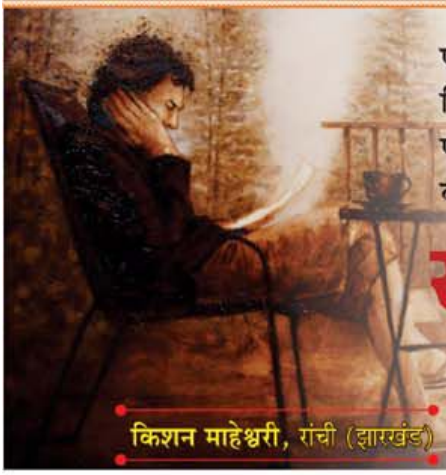

पत्र-पत्रिकाओं को प्रजातांत्रिक व्यवस्था का चतुर्थ स्तम्भ माना गया है। यही कारण है कि शासकीय गजट के साथ-साथ सभी पत्र-पत्रिकाओं के प्रसार के लिये शासन स्तर पर योजना बनाई जाती हैं। ठीक यही स्थिति हमारी समाज की सामाजिक पत्रिकाओं की भी है, जिसके बिना समाज संगठन अधूरे हैं और समाज की मिठास नदारद।

सामाजिक पत्रिकाओं की होती है अपनी मिठास

किशन माहेश्वरी, रांची (झारखंड)

देश और दुनिया को पता तो चलना चाहिए कि 'माहेश्वरी' कौन है और क्या है? यह तो बताना ही होगा कि हमारा भूतकाल क्या था, वर्तमान क्या है और भविष्य क्या होगा? आखिर कैसे होगा यह दृश्यमान कि हमारा शौर्य, हमारा व्यापार जगत, हमारी शैक्षणिक ऊँचाइयाँ, हमारी धर्म-संस्कृति, हमारा सेवा भाव, हमारी एकजुटता और हमारा राष्ट्रप्रेम क्या है और कहाँ हैं? यह सभी बातें समय-समय पर सशक्त और सहज रुप में परिलक्षित हो सकती हैं, जब इन विषयों को लेकर समुचित मात्रा में समाज की पत्र-पत्रिकाओं का प्रकाशन हो। जितनी भी पत्र-पत्रिकाएँ हमारे समाज की निकलती है, उनमें ज्ञानवर्द्धक सामग्रियों के साथ हमारे समाज की सभी प्रमुख गतिविधियाँ भी समाहित रहती हैं। यद्यपि हमारे समाज में भिन्न-भिन्न स्थानों से सामाजिक समाचार पत्र एवं पत्रिकाएँ प्रकाशित होती है किन्तु वर्तमान समय में इनकी प्रसार संख्या में वृद्धि करने की आवश्यकता है। पत्र-पत्रिकाओं की प्रकाशन संख्या में वृद्धि तभी होगी जब पत्र-पत्रिकाओं का योजनाबद्ध तरीके से प्रचार-प्रसार हो तथा प्रत्येक घर तक सही ढंग से वितरण हो।

सभी पत्र-पत्रिका समाज की

यह देखा गया है कि हमारा सामाजिक संगठन पत्र-पत्रिकाओं के प्रचार-प्रसार को उतना महत्व नहीं देता है, जितनी इसकी आवश्यकता है। यद्यपि संगठन के पदाधिकारी दिली-ख्वाहिश रखते है कि पत्र-पत्रिकाओं में उनकी फोटो छपे, उनके कार्यक्रमों का विवरण छपे और विशेष रुप से उनकी सम्पूर्ण जीवनी छपे ताकि वे अपने करीबी और दूर-दराज के लोगों को दिखा कर पर्याप्त रुप में प्रशंसा बटोर सकें। किन्तु वे यह जिम्मेदारी नहीं लेना चाहते है कि अपने समाज की पत्र-पत्रिकाओं का समाज के मध्य फैलाव हो। हमें चाहिए कि समाज के मध्य जागृति लायें ताकि समाज के प्रत्येक सदस्य का समाज की पत्र-पत्रिकाओं के प्रति रूझान बढ़े और पत्रिकाएँ निश्चित रुपेण उनके घर-घर तक पहुंचे। समाज के सभी संगठनों के शीर्ष पदाधिकारियों को चाहिए कि समाज के उन्नयन और उत्कर्ष के लिए किए जा रहे प्रयोजन और प्रयास के क्रम में प्रमुखता से यह एजेंडा भी रखें कि इन प्रकाशित हो रही समाज की सभी पत्रिकाओं का पठन-पाठन सुनिश्चित हो तथा प्रकाशन कार्य में खलल नहीं आये।

सामाजिक पत्रिकाओं का अपना महत्व

आमतौर पर यह देखने को मिलता है कि अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा जितनी प्रतिबद्धता और प्रमुखता के साथ 'माहेश्वरी' पत्रिका के वितरण और विज्ञापन के लिए प्रयासरत है, उतना समाज के अन्य प्रकाशकों के प्रकाशित पत्र-पत्रिकाओं के प्रति लगाव नही रखती। जबकि समाज के सभी निजी प्रकाशक अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा से लेकर समाज के सभी छोटे बड़े कस्बों के संगठनों के क्रियाकलापों और अन्य ब्योरे को प्रमुखता से अपने-अपने पत्र-पत्रिकाओं में छापते हैं। समाज में जुड़ाव बनाए रखने, जागृति फैलाने, ख्याति दिलाने और भिन्न-भिन्न प्रकार की सूचनाओं से अवगत कराने का कार्य समाज की पत्रिकाएँ ही करती हैं। हमारी युवा शक्ति को जोड़कर हम समाज को जीवन्त रखने में तभी सफल हो सकते है, जब वह समाज की पत्र-पत्रिकाओं से जुड़ें। हमारे समाज की नारी शक्ति धर्म और संस्कृति से जुड़कर और भी ज्यादा सक्रिय हो सकती है, जब वे सामाजिक पत्र-पत्रिकाओं को पढ़े। हमारे सभी संगठन ज्यादा क्रियाशील हो सकते है, जब हमारे समाज की पत्र-पत्रिकाओं का अवलोकन करें। अन्यथा हमारे इस बृहद सामाजिक संगठन में बिखराव और अलगाव की स्थिति सृजित होने लगेगी। सामाजिक संगठनों में तवज्जों नही मिलने के बाद भी कई समाज हितैषी पत्र-पत्रिकाओं में विज्ञापन और धनराशि देकर समाज के प्रकाशन को गतिशील रख समाज का गौरव बढ़ा रहे है। सामाजिक सदस्यों के मध्य समीपता और आत्मीयता बड़े पैमाने पर समाज की प्रकाशित पत्र-पत्रिकाएँ ही बढ़ाती है। भूत, भविष्य और वर्तमान का सामाजिक स्वरुप और परचम हमारे पत्र-पत्रिकाएँ ही दीर्घकाल तक फहरा सकती हैं।

आम समाजजन को भी करें प्रेरित

यदि समाज का शीर्ष संगठन या लघु संगठन पत्र-पत्रिकाओं के वितरण के प्रति उपेक्षित भाव रखता है, तो माहेश्वरी बंधु-बांधवों को व्यक्तिगत तौर पर चाहिए कि स्वयं अपने स्तर पर प्रयास कर समाज की पत्रिका की खरीद करें। अक्सर माहेश्वरी परिवारों में देखा जाता है कि विभिन्न विषयों पर रचित पत्र-पत्रिकाएँ अनिवार्य रुप से खरीदी जाती है किन्तु समाज की पत्रिका को गौण कर देते हैं। यद्यपि इस तरह की मानसिकता अक्षम्य है, किन्तु जागरूकता के अभाव में यह त्रुटि हमारे मध्य वर्षो से कायम है। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि बड़े पैमाने पर यदि पत्रिका का प्रकाशन होता है तो पत्रिका के लागत मूल्य में स्वतः ही कमी आ जाएगी और पत्रिका खरीदना अतिरिक्त भार सदृश नहीं लगेगा। हमारे समाज की जितनी भी पत्र-पत्रिकाएँ प्रकाशित होती हैं, अत्यन्त ही उम्दा और उच्चस्तरीय होती है। सभी पत्रिकाएँ देश- दुनिया, ज्ञान-विज्ञान, धर्म-संस्कृति, संगठनात्मक और रचनात्मक कार्यो का ब्योरा लेकर प्रस्तुत होती है। अतः इस बात को अपने जेहन में उतार लीजिए कि माहेश्वरी समाज की प्रकाशित पत्रिकाओं की अन्य पत्रिकाओं से हटकर अपनी अलग मिठास है।

शब्दकोश में कई शब्द करेंगे आत्महत्या

सबसे पहले कड़ी कार्रवाई शब्द मिमियाता हुआ चीख रहा था, वह अन्य शब्दों को कह रहा था देखो मेरा क्या हाल हो गया। देश के नेताओं और मंत्रियों ने कड़ी कार्रवाई करेंगे की ऐसी फज़ीहत की है कि अब जब भी कोई नेता या मंत्री कहता है कि इस मामले में हम कड़ी कार्रवाई करेंगे तो मेरी तो शर्म से डूब मरने की इच्छा होती है। इस शब्दकोश में कड़ी कार्रवाई का मतलब लिखा है, किसी भी घटना, लापरवाही, बेईमानी और भ्रष्टाचार पर तत्काल कार्रवाई कर दोषी को दंडित किया जाए।

चंद्रकांत जोशी, मुंबई

रात को सोने के पहले शब्दकोश में कुछ शब्दों का अर्थ खोजने के लिए शब्दकोश क्या खोल लिया जैसे मुसीबत मोल ले ली। जैसे ही नींद लगती तो ऐसा लगता कि शब्दकोश में कुछ खुसुर-पुसुर हो रही है। समझ में ही नहीं आ रहा था कि शब्दकोश में से ये आवाज़ कैसी आ रही है। अभी तक तो मेरे घर में फ्रिज, वाशिंग मशीन, से लेकर जितने भी बिजली के उपकरण हैं वो काम से ज्यादा आवाज़ ही करते हैं, लेकिन किसी शब्दकोश में से आवाज़ आने की बात से दिमाग चक्करघिन्नी हुआ जा रहा था। मैं जैसे ही आवाज़ सुनने की कोशिश करता, आवाज़ कम होने लगती और जब सोने का नाटक करता तो कुछ कुछ शब्द सुनाई पड़ने लगते थे। पहले तो मुझे लगा कि इस शब्दकोश में किसी भूत की कोई आत्मा आ गई होगी, तो मारे डर के मैं पसीना पसीना हो गया। लेकिन आवाज़ें लगातार आती रही। आखिरकार मैने सोने का नाटक करते हुए उन आवाज़ों को सुना तो हैरान रह गया।

सबसे पहले कड़ी कार्रवाई शब्द मिमियाता हुआ चीख रहा था, वह अन्य शब्दों को कह रहा था देखो मेरा क्या हाल हो गया। देश के नेताओं और मंत्रियों ने कड़ी कार्रवाई करेंगे की ऐसी फज़ीहत की है कि अब जब भी कोई नेता या मंत्री कहता है कि इस मामले में हम कड़ी कार्रवाई करेंगे तो मेरी तो शर्म से डूब मरने की इच्छा होती है। इस शब्दकोश में कड़ी कार्रवाई का मतलब लिखा है, किसी भी घटना, लापरवाही, बेईमानी और भ्रष्टाचार पर तत्काल कार्रवाई कर दोषी को दंडित किया जाए। लेकिन यहाँ तो हाल ये है कि जिस पर कड़ी कार्रवाई करना है वही चिल्ला चिल्लाकर कहता है कि कड़ी कार्रवाई करेंगे। मगर किसी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होना तो दूर सड़ी कार्रवाई तक नहीं होती और ऊपर से उसे प्रमोशन से लेकर तमाम लाभ देकर उसको सम्मानित कर दिया जाता है। फिर वह अपने मातहत अधिकारियों और कर्मचारियों पर भी ऐसी ही कड़ी कार्रवाई करते हुए उनको भी हर तरह से फायदा पहुँचाता है। अफसर, नेता और मंत्री की घरवालियों से लेकर घरवाले तक कड़ी कार्रवाई की आड़ में इनसे सब्जी मंगवाने से लेकर, गाँव से देसी घी, सिनेमा के टिकट तक सब काम करवाते हैं और मैं यहाँ शब्दकोश में दूसरे शब्द अखबारों की कटिंगों और टीवी की खबरें दिखा दिखाकर मेरी मजाक उड़ाते हैं कि देखो आज फिर किसी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो रही है।

इस पर जाँच शब्द ने अपनी पीड़ा सुनाई। जाँच का मतलब है किसी भी घटना की गहराई में जाकर उसकी सत्यता पता करना। अब तो हालत ये हो गई है कि जाँच जाँच सब चिल्लाते हैं मगर जाँच करने की बजाय उस घटना को ही झूठ बता देते हैं। ये तो ऐसा हो गया जैसे कोई चोर भरे बाजार में किसी का पर्स छीनकर भागे और खुद ही चोर चोर चिल्लाता हुआ सुरक्षित निकल जाए। जिसके खिलाफ जाँच होना होती है, वो ऐसी तिकड़म भिड़ाता है कि शिकायतकर्ता की जाँच होने लगती है। किसी भ्रष्ट ने करोड़ों की जमीन, बंगले कारें कैसे खरीदी इसकी बजाय ये जाँच होती है कि शिकायत कर्ता ने शिकायत की जानकारी कहाँ से और कैसे हासिल की, उसे इसके लिए किसने पैसे दिए। जाँच शब्द ने घोर निराशा में कहा दिन भर टीवी और अखबारों में जाँच के नाम से मेरा हो हल्ला मचता है तो मेरी तो आत्मा चीत्कार उठती है। शब्दकोष के दूसरे शब्द जाँच शब्द सुनते ही मेरा मजाक उड़ाते हैं। वह फुसफुसा रहा था कि जैसे ही खबरों में कहा जाता है कि पुलिस मामले की जाँच कर रही है तो मेरा तो गला ही बैठ जाता है, पुलिस तो तत्काल मामले को दबा देती है, जाँच कहाँ करती है।

इन शब्दों की पीड़ा सुनकर कई और शब्द फुसफुसा रहे थे मगर अपने को तो नींद लग गई इसलिए बाकी शब्दों की पीड़ा नहीं सुन पाए, बस कुछ ऐसा लगा कि कई शब्द आत्महत्या करने की सोच रहे हैं। अब जब भी मौका मिलेगा उनकी भी सुनेंगे और आपको पढ़ाएँगे ।

शुभकामनाओं सहित

राजकुमार काल्या

राष्ट्रीय अध्यक्ष

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन

संस्थापक ट्रस्टी – श्री बसन्तीलाल मनोरमादेवी काल्या अ.भा. माहेश्वरी युवा फाउंडेशन
संस्थापक ट्रस्टी – अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट
संस्थापक ट्रस्टी – श्री नाकोडा पार्श्वनाथ भैरव मन्दिर ट्रस्ट
संरक्षक ट्रस्टी – एबीएमएम माहेश्वरी रिलीफ फाउंडेशन
प्रबंधकारिणी सदस्य – श्री अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन
ट्रस्टी – अ.भा. माहेश्वरी एजुकेशनल एण्ड चैरिटेबल ट्रस्ट बालिका छात्रावास, कोटा
ट्रस्टी – बद्रीलाल सोनी माहेश्वरी शिक्षा सहयोग केन्द्र
ट्रस्टी – श्री बांगड माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी
ट्रस्टी – श्री प्राज्ञ कुंदन वल्लभ हॉस्पिटल
ट्रस्टी – श्री कृष्णदास जाजू स्मारक ट्रस्ट

Realistic

Life Time Satisfaction

• Explosives • Real Estate • Mining • Finance • Agro Farming • Media

Station Road, Gulabpura –311021, Distt. Bhilwara (Raj.) Ph. No. +91 1483 224203/04, rajkumarkalya@yahoo.com
Bhilwar\a office: 3, Heera-Panna Market, Pur Road, Bhilwara. 311001 (Raj.) Ph. No. 246004

विदेशी भाषा में भी उज्जवल भविष्य

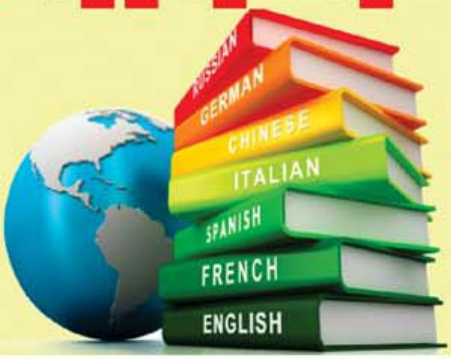

वैसे अपनी मातृभाषा का तो अपना महत्व है ही, लेकिन ग्लोबाईजेशन की वर्तमान स्थिति ने पूरी दुनिया को एक कर दिया है। ऐसे में मातृभाषा के साथ-साथ विदेशी भाषा का महत्व भी बढ़ गया है। इन्हें वर्तमान में विभिन्न पाठ्यक्रमों के साथ पढ़ा जा सकता है।

■ टीम SMT

वैश्वीकरण के इस दौर में जब हर क्षेत्र में अलग-अलग देशों के लोगों के बीच संबंध बन चुके हैं, एक से अधिक भाषाएं जानने वालों की मांग तेजी से बढ़ती जा रही है। खासकर भारत में जो कि पूरी दुनिया की कंपनियों को अपनी सेवाएं दे रहा है। अंग्रेजी के साथ ही अन्य भाषाओं में भी अनगिनत अवसर हैं। आज न केवल रोज नई बहुराष्ट्रीय कम्पनियां भारत आ रही हैं, बल्कि भारतीय कम्पनियाँ भी विदेशों में अपनी व्यवसायिक शाखाएं खोल रही हैं। ऐसे में फ्रेंच, जर्मन, इटालियन, रशियन, जापानीज, चायनीज और कोरियन जैसी भाषाओं का ज्ञान पर्यटन, मनोरंजन, जनसम्पर्क और जनसंचार, अंतरर्राष्ट्रीय संस्थाओं, दूतावास, पब्लिशिंग, ट्रांसलेशन और इंटरप्रेंटेशन जैसे कई क्षेत्रों में आपके करियर को एक नया आयाम दे सकता है। इसके साथ ही तकनीकी शिक्षा प्राप्त युवा इससे प्रबंधन के क्षेत्र में भी उज्जवल भविष्य बना सकते हैं।

कई पाठ्यक्रम मौजूद

फॉरेन लैंग्वेज में मुख्यतः तीन प्रकार के कोर्स उपंब्ध हैं। सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और एडवांस डिप्लोमा। ये पार्टटाईम कोर्स हैं और कई विश्वविद्यालयों (जैसे जेएनयू, दिल्ली विश्वविद्यालय, बीएचयू, विश्वभारती आदि) विभिन्न देशों के सांस्कृतिक और शैक्षिक केंद्रों (जैसे मैक्समूलर भवन, आंयस फ्रैन्काईज आदि) और प्रायवेट संस्थानों द्वारा करवाए जाते हैं। ये एक-एक साल के कोर्स हैं, जिनमें प्रयोग मूलक भाषा के शिक्षण पर जोर दिया जाता है। सर्टिफिकेट कोर्स के लिए न्यूनतम योग्यता 12वीं होती है, जबकि डिप्लोमा के लिए उस भाषा में सर्टिफिकेट जरूरी होता है।

कई विवि में मौजूद

बीए, एमए, एमफिल और पीएचडी जैसे कोर्स विश्वविद्यालयों द्वारा करवाए जाते हैं, जिनमें एडमिशन सामान्यतः प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है। इन कोर्सेस में सिर्फ भाषा नहीं बल्कि संबंधित देश के इतिहास, भूगोल, समाज और साहित्य की भी जानकारी दी जाती है। भारत में जो विश्वविद्यालय फॉरेन लैंग्वेज कोर्सेस आफर करते हैं, उनमें मुख्य हैं- जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, विश्वभारती विश्वविद्यालय, पुणे विश्वविद्यांय, कोलकाता विश्वविद्यालय, बॅम्बे विश्वविद्यालय आदि।

आकर्षक वेतन का आधार

जहां तक वेतनमान का प्रश्न है तो एक ट्रांसलेटर के रूप में आप प्रति शब्द, इंटरप्रेटर के रूप में कम से कम 2500 रुपए से 10,000/- रु. प्रतिदिन और परमानेंट प्रोफेशनल के रूप में 20,000 रु. से 60,000 रु. तक की कमाई से करियर शुरू कर सकते हैं। बाकी आपकी लैंग्वेज एबिलिटी, कम्प्यूटर ज्ञान आदि पर भी निर्भर करता है। विदेशी भाषा का ज्ञान आपको प्रबंधन के क्षेत्र में भी स्वर्णिम अवसर उपलब्ध करवाता है।

With Best Compliments from
SHREE BALAJI OIL MILLS
Off. "Ganpati Prasas" Marwadi lane, Erandol Dist. jalgaon
Phone : 91+2588-44452, 44453, Fax : 91+2588-44055
Factory: Mahswad Road, Erandol. Dist. Jalgaon, 425109
Phone : Fact 91+2588-44451, 54, 55

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

Our Well Wishes to All Maheshwari Bandhus

Rahul Gandhi
Director

Ramesh Gandhi
Managing Director

Rohit Gandhi
Director

R.A. Kraft Paper Pvt. Ltd.

PAPER & BOARD INDENTER & IMPORTOR

The Global Leader of

- Kraft Paper
- Waste Paper
- Duplex Paper
- News Print
- Imported Waste Paper

R.S. Kraft Paper Ltd.

FIBRE IMPEX Pvt. Ltd.

HEAD OFFICE : 504, Suryakrian Complex, Opp. VNIT-1, Bajaj Nagar, Nagpur-10 (India)
Ph. : 0712-2220626, 2242412, 2249685, Fax : 0712-2243248 e-mail : info@rakraftpaper.com

MUMBAI : B-230, Sanjay Building No. 5B, Mittal Estate,
Andheri Kurla Road, Andheri (E) Mumbai-400059
Ph. : 022-42235000 Fax : 022-66915284
E-mail : mumbai@rakraftpaper.com
Website : rakraftpaper.com

BRANCHES : AURANGABAD, HYDERABAD, INDORE, KOLHAPUR, NASIK, PUNE, VAPI

www.buldanaurban.in buldanaurban@rediffmail.com

बुलडाणा अर्बन

को-ऑप. क्रेडिट सोसायटी लि., बुलडाणा मल्टिस्टेट रजि.नं. २६७

ISO-9001 : 2000 एवंम SA 8000-2002 मानांकित

☎:(07262) 242705, 243705

संस्था का कार्यक्षेत्र - • महाराष्ट्र • राजस्थान • मध्यप्रदेश • छत्तीसगढ • गुजरात • अंदमान-निकोबार

■ संस्था की वर्तमान स्थिती ■

कुल जमाराशी	८६०३ करोड
कुल ऋणराशी	५६६२ करोड
कुल गोदाम	६००
कुल शाखा	४५६
कुल गोल्ड लोन	१४२७ करोड
कुल सदस्य	७९८०००

कार्यालय :- सहकार सेतु, हुतात्मा गोरे पथ, बुलडाणा - ४४३ ००१ (म.रा.)

संस्था की योजनाए

- पुना में छात्रो के लिए छात्रानिवास
- उच्च शिक्षा लेनेवाले छात्रो के लिऐ विशेष ऋण योजना
- तिरुपती (आंध्रप्रदेश), माहुर एवं शिर्डी में भक्तनिवास
- बुलडाणा स्थित १२५ महिलाओं का छात्रानिकेतन
- ६०० वेअर हाऊस (ग्रेन बँक)
- बुलडाणा एवं मोर्शी गोरक्षण धाम
- बुलडाणा में वेदविद्यालय एवं जिवनसंध्या स्वर्गाश्रम

बुलडाणा अर्बन चॅरिटेबल द्वारा संचालित

सहकार विद्या मंदिर एवंम कनिष्ठ विज्ञान, वाणिज्य महाविद्यालय

विद्यानगरी, चिखली रोड, बुलडाणा - ४४३ ००१

AQSR ISO 9001-2000 Registered

www.sahakarvidyamandir.in

☎ (07262) 244707, 245705

वर्ग ९ से १२ (विज्ञान शाखा)

विशेषताए ■

- बुलडाणा शहर से ५ कि.मी. अंतर पर प्रदुषण रहीत वातावरण में ३० एकर विशाल परिसर में अनोखी स्कुल.
- अत्याधुनिक उपकरणों के साथ विशाल पुस्तकालय, पाठशाला, विशाल भोजन कक्ष, इंडोअर और आऊटडोअर स्टेडीयम और सुविधाओं से पुरिपुर्ण कॉम्प्युटर लॅब.
- पौष्टीक भोजन तथा स्वास्थ रक्षा.
- शिक्षा भ्रमण, आश्वारोहण, पर्वतरोहण, निशानेबाजी, स्विमिंग, कराटे, संगीत, तलवारबाजी और भी बहोत कुछ....
- स्कुल की कुल शाखाएँ २० :- बुलढाणा, जलगाँव(जा), पिपलगावराजा, मोतला, धामणगाँव बढे, डोंगरखंडाला, उंद्री, जानेफल, डोणगाँव, सुलतानपूर, बिबी, साखरखेर्डा, सिदखेडराजा, देवलगाँवराजा, देवलगाँव मही, धाड, वरवट बकाल, दानापूर (अकोला जिला), फतेपूर (जलगाँव जिला) पिपलगाँव काले.
- शाखाओं के कुल छात्र :- २८०००.
- छात्रावास :- छात्र एवंम् छात्राओं के लिए स्वतंत्र व्यवस्था. • बुलडाना जिल्हे में २० इग्लीश मिडीयम स्कुल जिसमें २५००० विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करते हैं ।
- मोशन क्लासेस कोटा (राजस्थान) के NEET / AIIMS / JEE / MHTCET / KVPY तथा Board Exam की ब्रांच बुलडाना में शुरु है ।

• विनित •

सौ. कोमल झंवर
अध्यक्षा, बुलडाणा अर्बन, बुलडाणा

राधेश्याम चांडक
संस्थापक अध्यक्ष, बुलडाणा अर्बन, बुलडाणा

डॉ. सुकेश झंवर
चिफ मॅनेजिंग डायरेक्टर, बुलडाणा अर्बन, बुलडाणा

सहकार की समृध्द परंपरा ...... बुलडाणा अर्बन....!

कहने के लिये तो जीरा हमारे रसोई घर में उपयोग में आने वाला एक मसाला है, लेकिन आप यह जानकर आश्चर्यचकित होंगे कि यह कोलेस्ट्राल नियंत्रण की भी एक अचूक औषधि है। यह अत्यंत दुष्कर समझे जाने वाले वजन कम करने के प्रयास में भी सहज रूप से कारगर है।

कैलाशचंद्र लड्ढा, जोधपुर

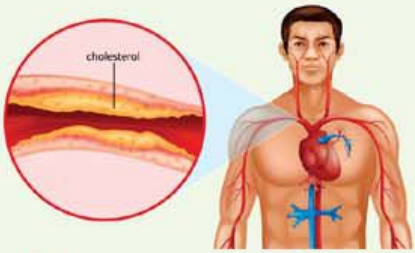

कोलेस्ट्रॉल नियंत्रण की अचूक औषधि

जीरा

वजन कम करने के लिए लोग क्या-क्या नहीं करते, घंटों तक व्यायाम करना, खान-पान कम कर देना और पसंदीदा चीज़ ही ना खा सकना आदि-आदि। इसके बाद भी कोई बड़ा बदलाव नहीं हासिल होता। जीरा ऐसे लोगों की भी वजन कम करने में मदद कर सकता है। खाने के स्वाद को बढ़ाने वाला जीरा, खासतौर से दाल में डाला जाने वाला जीरा हर किसी को पसंद है। कुछ लोग चावल पकाते समय भी जीरे का प्रयोग करते हैं, क्योंकि इसकी खुशबू भी काफी अच्छी लगती है जो पकवान की सुगंध को बढ़ा देती है। यह खाद्य पदार्थों के गुणों को बढ़ाने वाला मसाला मात्र नहीं है इससे हमारे स्वास्थ्य को कई लाभ मिलते हैं, जिसमें से विशेष है जीरा के प्रयोग से वजन कम करने की प्रक्रिया। एक ताजा अध्ययन में पता चला है कि जीरा पाउडर के सेवन से शरीर में वसा का अवशोषण कम होता है जिससे स्वाभाविक रूप से वजन कम करने में मदद मिलती है। वजन कम करने के साथ-साथ यह बहुत सारी अन्य बीमारियों से भी बचाता है, जैसे कोलेस्ट्रॉल कम करता है, हार्ट अटैक से बचाता है, स्मरण शक्ति बढ़ाता है, खून की कमी को ठीक करता है, पाचन तंत्र ठीक कर गैस और ऐंठन ठीक करता है।

ऐसे करें इसका सेवन

जीरा के प्रयोग से स्वास्थ्य को मिलने वाले जिस खास लाभ की यहां हम बात करने जा रहे है, वह है वजन कम करना और वह भी मात्र 15 दिनों में। जी हां.... जो काम बड़े से बड़ा प्रयोग करने में अक्षम है, वह जीरा का एक छोटा सा प्रयोग करके दिखाएगा-

पहला प्रयोग- दो बड़े चम्मच जीरा एक गिलास पानी में भिगो कर रात भर के लिए रख दें। सुबह इसे उबाल लें और गर्म-गर्म चाय की तरह पियें। बचा हुआ जीरा भी चबा लें। इसके रोजाना सेवन से शरीर के हर कोने से अनावश्यक चर्बी शरीर से बाहर निकल जाती है।

दूसरा प्रयोग- यदि आपको यह प्रयोग अधिक पसंद ना आए, तो जीरे को खाद्य पदार्थ में अच्छी मात्रा में प्रयोग करें और रोज़ाना इस्तेमाल करें। एक अन्य उपाय के अनुसार आप 5 ग्राम दही में एक चम्मच जीरा पाउडर मिलाकर यदि इसका रोज़ाना सेवन करें, तो वजन जरूर कम होगा।

तीसरा प्रयोग- 3 ग्राम जीरा पाउडर को पानी में मिलाएं इसमें कुछ बूंदें शहद की डालें फिर इसे पी जाएं। वेजिटेबल यानि सब्जियों के उपयोग से सूप बनाएं, इसमें एक चम्मच जीरा डालें। या फिर ब्राउन राइस बनाएं, इसमें जीरा डाले। यह सिर्फ इसका स्वाद ही नहीं बढ़ाएगा बल्कि आपका वजन भी कम करेगा।

चौथा प्रयोग- अदरक और नींबू दोनों जीरे की वजन कम करने की क्षमता को बढ़ाते हैं। इसके लिए गाजर और थोड़ी सब्ज़ियों को उबाल लें इसमें अदरक को कद्दूकस यानि कि बिल्कुल बारीक कर लें, साथ ही ऊपर से जीरा और नींबू का रस डालें और इसे रात में खाएं।

कई रोगों में कारगर

सौंदर्य निखारे - दरअसल जीरे में कुछ ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो आपकी त्वचा पर पड़े विभिन्न दाग-धब्बों को हल्का करने में सहायक होते हैं। इसके अलावा त्वचा का काला पड़ जाना या मुरझा जाना, आदि समस्याओं का हल भी जीरे के कुछ घरेलू नुस्खों से किया जा सकता है।

त्वचा के लिए फायदेमंद - जीरे में विटामिन 'ई' पाया जाता है, जो त्वचा के लिए काफी लाभदायक होता है। इसके अलावा जीरे में कुछ ऐसे तत्व भी मौजूद होते हैं जो त्वचा को संक्रमण रहित बनाते हैं। यदि किसी के चेहरे पर कोई दाग-धब्बे, पिंपल या किसी प्रकार का कोई इंफेक्शन हो गया हो, तो थोड़ा-सा जीरा पीसकर किसी भी फेस पैक में मिला कर लगा लें, जल्द से जल्द आराम मिलेगा।

झुर्रियों को मिटाये - जी हां....जिस प्रकार से जीरे में मौजूद 'विटामिन ई' तमाम तरह के त्वचा संबंधी संक्रमणों को काटता है, उसी प्रकार से यह उन चीज़ों से भी छुटकारा दिलाता है जो त्वचा में ढीलापन लाते हैं। क्यों कि त्वचा के ढीले होने के बाद ही झुर्रियां बनती हैं, जो बुढ़ापे की निशानी होती हैं।

बालों को बचाऐ - काला जीरा बालों को मजबूत एवं लंबा बनाने के लिए उपयोगी है। आप इसे विभिन्न प्रकार से प्रयोग में ला सकते हैं। आप बालों पर यदि आलिव आयल इस्तेमाल करते हैं तो उसमें काला जीरा मिलाकर लगा सकते हैं। यदि किसी को बालों के झड़ने की परेशानी है तो, बाल धोने के बाद काला जीरा वाला तेल उस हिस्से पर सीधा लगाएं जहां बालों की संख्या निरंतर कम हो रही हो। ऐसा रोज़ाना करेंगे, तो जल्दी असर दिखाई देगा। इसके अलावा आप रोज़ाना काला जीरा का दवा की तरह सुबह-शाम सेवन भी कर सकते हैं।

दीप पर्व के पावन अवसर पर
सभी माहेश्वरी बन्धुओं को हमारी ओर से
हार्दिक शुभकामनाएँ

श्रीकांत भूतड़ा
मो.94141-52776

रामकुमार भूतड़ा
प्रदेश कोषाध्यक्ष - भारतीय जनता पार्टी राजस्थान
पूर्व महामंत्री - अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा
मो. 9414153043, 98285-53

अमित भूतड़ा
मो.94144-15579

कमला ग्रेनाईट इण्डस्ट्रीज
जी-101,रिक्को इण्ड.एरिया तृतीया चरण,जालौर (राजस्थान)
फोन-02973-223956,224043 फैक्स -02973-225376

श्रीकान्त ग्रेनाईट्स
जी-100, रिक्को इण्ड.एरिया
तृतीया चरण,जालौर
फोन -02973-224043,
मो.9414152776

आर.के. ग्रेनाईट्स
जयपुर बाईपास रोड,
मदनगंज-किशनगढ़
फोन -01463-250530
मो.9829180971

सहयोगी प्रतिष्ठान

आर.के. ग्रेनाईट्स
जी-98-99, रिक्को इण्ड. एरिया,
तृतीया चरण, जालौर
फोन-02973-225376, 225377
मो. 9414415579

दिग्विजय ग्रेनाईट्स
जी-221, रिक्को इण्ड. एरिया,
तृतीया चरण,जालौर
फोन-02973-225088,
224198

बैंक का कुल व्यापार 4300 करोड़ के पार

महेश बैंक
ESTD. 1978

महेश बैंक MAHESH BANK మహేశ్ బ్యాంక్

आन्ध्र प्रदेश महेश को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लि.

(मल्टी-स्टेट शेडचूल्ड बैंक)

दीपावली का हार्दिक शुभकामनाएँ

निदेशक मण्डल:

पुरषोत्तमदास मानधना — चेयरमैन

रमेश कुमार बंग — चेयरमैन इमेरिटस

रामपाल अट्टल — वाईस चेयरमैन

निदेशकगण:

बृजगोपाल असावा, चैनसुख काबरा, कमलनारायण राठी, कृष्णचन्द्र बंग, लक्ष्मीनारायण राठी, नन्दकिशोर हेडा, ओमप्रकाश जाखोटिया, श्रीमती पुष्पा बूब, रामप्रकाश भण्डारी, श्रीगोपाल बंग, श्रीकान्त इन्नाणी, श्रीनिवास असावा, सीए किशनगोपाल मणियार, सीएस सुमन हेडा, उमेशचन्द आसावा, प्रबन्ध निदेशक एवम् मुख्य कार्यकारी अधिकारी

BHAVES

प्रधान कार्यालय : 8-2-680/1&2, रोड नं. 12, बंजारा हिल्स, हैदराबाद – 500 034

फोन: 24615296 / 99 फैक्स: 040-24616427 E-mail: info@apmaheshbank.com Website: www.apmaheshbank.com

बैंक का प्रधान कार्यालय **ISO 9001 : 2015** से प्रमाणित

कहानी...

चार अंगुल नीचे

हरिप्रकाश राठी, जोधपुर
94141-32483

'सत्यमेव जयते' हमारी संस्कृति का चिरकालिक नाद है। जब हम सत्य को आत्मा में प्रतिष्ठित करते हैं, तो सुख प्रेरे हुए से हमारे जीवन का अनुसरण करते हैं। इस गूढ़ रहस्य को संसारी लोग तो क्या ज्ञानी-ध्यानी भी कहाँ समझ पाते हैं। सत्य-सूर्य की एक किरण हमारे जीवन के समूचे अंधकार को हर लेती है। आज व्यक्ति किंचित स्वार्थ हेतु झूठ, फरेब की दुनिया में उलझ गया है, सभी तात्कालिक लाभों की तरफ लपक रहे है।

सभी ग्रह-नक्षत्रों की प्रभा छीनकर सूर्य ने आकाश के पूर्वी छोर पर आधिपत्य किया तो समूचा कुरूक्षेत्र प्रकाश से नहा गया। ऐड देकर उनके सारथी अरूण ने रथ आगे किया तो रथ के पार्श्व भाग में खड़े दिनकर यूँ दहकने लगे जैसे समरांगण में खड़ा सूर जलती आँखों से शत्रुओं की ओर देखता है।

आज युद्ध का पन्द्रहवां दिन था। रथ पर सवार आचार्य द्रोण ने स्वयं द्वारा निर्मित सैन्य-व्यूह को निहारा तो वे आश्वस्त हो गए कि आज युद्ध निर्णायक स्थिति में पहुँच जाएगा। समरांगण में मंद-मंद वायु चलने से छाती तक आती उनकी लंबी सफेद दाढ़ी झूलने लगी थी। सर पर जूडा, उन्नत ललाट, रोश भरी आँखें, तीखी नाक, चौड़ी छाती, श्वेत वस्त्र एवं कमर पर कसे तूणीर से द्रोण ऐसे लग रहे थे, मानो क्षत्रिय वेष धरे कोई ब्राह्मण रणभूमि में खड़ा हो। तपाये हुए कुंदन के समान उनके चेहरे एवं अंगकांति को देख ऐसा लगता था, मानो एक और सूर्य रणभूमि में उग आया हो।

भीष्म-वध के पश्चात वे ही कौरवों के सेनापति थे एवं गत दिनों रणभूमि में उन्होंने ऐसा कहर ढाया कि समूची पाण्डव सेना त्राहिमाम कर उठी। कितने ही रथी, अतिरथी एवं महारथियों का वध कर उन्होंने सिद्ध कर दिया कि उनके जीते-जी कौरवों का पराभव असंभव है। कुरूवंश के प्रति उनकी प्रतिबद्धता एवं समर्पण देख पाण्डव हतप्रभ थे।

इतना होते हुए भी द्रोण की प्रतिबद्धता को लेकर दुर्योधन आशंकित था। जैसे कोई प्रेतग्रस्त व्यक्ति कभी सुस्थिर नहीं होता संशयग्रस्त दुर्योधन भी द्रोण के पाण्डव प्रेम विशेषतः उनके शिष्य अर्जुन के प्रति उनके स्नेह के चलते आशंकित था। उसे ऐसा लग रहा था मानो द्रोण शरीर से तो युद्ध कर रहे हैं, मन से नहीं। वह जानता था कि आचार्य ठान ले तो पाण्डव पलभर भी समरभूमि में नहीं टिक सकते।

दांये कंधे से धनुष उतार द्रोण ने बाँया हाथ तरकश पर रखा ही था कि दुर्योधन को रथ के समीप देख चैंके। रथ उनके निकट आया तो दुर्योधन ने सारथी को रथ रोकने का आदेश दिया। शीघ्र ही रथ से उतरकर दुर्योधन द्रोण के रथ पर चढ़ा एवं उनके चरणों के समीप जाकर यूँ बैठ गया जैसे कोई भयातुर बालक अपने संरक्षक के समीप आकर बैठ जाता है। उसे यूँ बैठा देख द्रोण ने धनुष पुनः कंधे पर रखा एवं तत्पश्चात दोनों हाथों से दुर्योधन को उठाकर बोले, 'पुत्र! क्या बात है? आज तुम आशंकित एवं उदास लग रहे हो?'

'आशंकित होना स्वाभाविक है आचार्य! आप देख नहीं रहे जयद्रथ-वध के पश्चात अर्जुन का हौसला अनंतगुना बढ़ चला है। आप जैसे सूरमा के समरभूमि में होते हुए भी जयद्रथ को मारकर उसने अभिमन्यु-वध का बदला ले लिया। जयद्रथ के पतन ने पाण्डवों में उत्साह का ऐसा शंख फूंका है कि वे बाढ़ की तरह बढ़े जा रहे हैं। उनके मर्मांतक प्रहारों ने हमारे सैनिकों को हतोत्साहित एवं क्षुब्ध कर दिया है।'

'तुम व्यर्थ चिंता कर रहे हो पुत्र! युद्ध में बहुधा ऐसा होता है। कभी एक पक्ष तो कभी दूसरा पक्ष घात-प्रतिघात करता ही है। अगर उन्होंने जयद्रथ को मारा है तो हमने भी उनके अनेक सूरमाओं को धूल चटाई है। तुम निःशंक रहो, आज जो व्यूह मैंने बनाया है उससे युद्ध अपरान्ह तक तुम्हारे पक्ष में आ जाएगा।'

'द्विजश्रेष्ठ! आप अब तक ऐसा ही कहते आये हैं पर ऐसी कोई स्थिति नहीं बनी कि मैं कह सकूँ कि युद्ध का ऊँट हमारी करवट बैठ गया है।

'तो तुम मुझसे क्या चाहते हो?'

'आचार्य! आप संपूर्ण अस्त्रों के ज्ञाता है। सभी दिव्यास्त्र आप में प्रतिष्ठित हैं। आप चाहें तो इन अस्त्रों द्वारा पाण्डवों का समूल नाश कर सकते हैं। आपके इन अस्त्रों के आगे पाण्डव तो क्या देव, दानव एवं असुर तक नहीं ठहर सकते। मुझे यह समझ नहीं आ रहा कि शक्तिमान होते हुए भी आप तटस्थ क्यों हैं? पाण्डवों विशेषतः आपके शिष्यों के प्रति आपकी सहानुभूति मुझे विचलित कर रही है। आप समर्थ होते हुए भी पाण्डवों को लगातार क्षमादान क्यों देते चले जा रहे हैं? आपके तटस्थ भाव एवं स्नेह से वे दिन-दिन पुष्ट हो रहे हैं। आखिर आप ऐसा क्यों कर रहे हैं?'

'तुम्हें क्या मेरी प्रतिबद्धता पर शंका हो आई है दुर्योधन? क्या तुम नहीं जानते कि नमक का मूल्य अदा करने के लिए द्रोण प्राण तक दे सकता है? आज यह संशय तुम में क्योंकर प्रविष्ट हो गया?'

'विप्रवर! क्षमा करें। मेरा संशय गलत नहीं है। सभी जानते हैं आप जैसे सूरमा के होते युद्ध में हमारी स्थिति यथावत नहीं रह सकती। आप जब चाहे युद्ध का पासा पलट सकते हैं परन्तु लगता है आप युद्ध तो मेरी ओर से कर रहे हैं, सेनापति कौरव सेना के हैं, लेकिन विजय उन्हें दिलाने पर आमदा है। हम आपके दम-खम पर लड़ रहे हैं तो हमारे सैनिक हिम्मत पस्त क्यों हैं? आप उन दिव्यास्त्रों का प्रयोग क्यों नही करते जिनके आगे काई नहीं टिक सकता। क्या यह अस्त्र किसी अन्य प्रयोजनार्थ रखे हैं ?

'पुत्र! लगता है तुम होश खो बैठे हो?'

'युद्ध परिणाम मांगता है आचार्यवर! मुझे परिणाम की प्रतीक्षा है प्रवचन की नहीं। यह आपका गुरूकुल नहीं समरभूमि है।'

दुर्योधन के ऐसा कहते ही द्रोण की आँखों से चिंगारियाँ बरसने लगी। जैसे अंतिम चुनौती मिलने पर तेजस्वी योद्धा अपना सबकुछ दाँव पर लगाने को उद्यत हो उठता है, वही दशा अब द्रोण की थी।

'पुत्र! अगर तुमने इतना ही कह दिया है तो अभय होकर जाओ, आज अपरान्ह तक मैं युद्ध तुम्हारे पक्ष में कर दूँगा। द्रोण प्राण हारेगा वचन नहीं।' कहते-कहते द्रोण के सभी अंग क्रोध से जल उठे। दुर्योधन ने अब वहाँ से प्रयाण करना उचित समझा। नीचे उतरकर वह रथ पर चढ़ा एवं देखते ही देखते उस दिशा में चला गया जहाँ कर्ण पाण्डवों को ललकार रहा था।

द्रोण अब प्रज्वलित अग्नि के समान युद्धभूमि में खड़े थे। उनकी आँखें अंगारे उगलने लगी थी। दुर्योधन के वाक् बाणों ने उन्हें भीतर तक दग्ध कर दिया था। धनुष हाथ में लेकर उन्होंने एक बार पुनः स्वनिर्मित व्यूह को निहारा एवं सारथी को रथ युद्धभूमि के बीच खड़ा करने का आदेश दिया।

युद्धभूमि के मध्य रथ खड़ा होते ही पाण्डव सेना पर काल छा गया। उन्होंने ऐसी बाणवृष्टि की कि पाण्डव त्राहिमाम कर उठे। अपने बाणों से उन्होंने असंख्य पाण्डव सैनिकों को बींध डाला। उनकी बाणवृष्टि के आगे न आकाश दिखता था न पृथ्वी एवं न ही दिशाओं का बोध होता था। उनके तीखे बाणों से पाण्डवों के अनेक रथी रथहीन हो गए। ऐसा लग रहा था मानो कोई तेज पुंज आज रणभूमि में आविष्ट हो गया हो। आज द्रोण नहीं साक्षात यम रणभूमि में आग के पुतले की तरह खड़े थे। द्रोण के इस रूप को देख पाण्डव थर्रा उठे। मृत्यु को समीप देख असंख्य पाण्डववीर वहाँ से भाग चले। स्तंभित अनेक योद्धाओं के पांव रणभूमि से चिपक गए। कुपित द्रोण अब कहर ढा रहे थे। ऐसा लग रहा था जैसे आज रणभूमि में कोई जीवित नहीं बचेगा। वे न भीम के वश में थे न अर्जुन के। देखते ही देखते रणभूमि में खून की नदियाँ बह चली। केश, कवच एवं मुण्डो के कट-कटकर गिरने से वहाँ ऐसी कीच मची कि आकाश मांसभोजी गिद्धों से भर गया।

अब धूमरहित अग्नि के समान द्रोण अकेले रणभूमि में प्रज्वलित हो रहे थे। संपूर्ण समरभूमि आज उनकी शोर्य-गाथा लिख रही थी। उनसे युद्ध करना तो दूर कोई उनसे आँख मिलाने तक का साहस नहीं कर पा रहा था। दूर अर्जुन के रथ पर बैठे द्रोण के इस रूप को देख कृष्ण ने क्षणभर में अनुमान लगा लिया कि द्रोण यूँ ही कहर बरपाते रहे तो युद्ध आज अंतिम स्थिति में पहुँच जाएगा। वे गंभीर होकर अर्जुन से बोले, 'पार्थ! तुम कैसे योद्धा हो? क्या तुम देख नहीं रहे कि द्रोण यूँ ही युद्ध करते रहे तो अपरान्ह तक तुम्हारा पराभव निश्चित है? क्या तुम भूल गये कि युद्धपूर्व तुम्हीं ने युधिष्ठिर को वचन दिया था कि तुम्हारे होते युद्ध में उनकी पराजय नहीं हो सकती? उस वचन का क्या होगा? द्रोपदी के अपमान का बदला तुम फिर कैसे लोगे?'

'माधव! मैं प्रयास में कोई कमी नहीं रख रहा पर आज जाने आचार्य को क्या हो गया है। वे रोके नहीं रूक रहे। किस दुर्भाग्य के प्रेरे आज मेरे बाण भौंथरें हो गए हैं?'

'तो क्या इन्हीं भौंथरे तीरों से तुम विजय का वरण करोगे अथवा विकल्प पर भी चिंतन करोगे? युद्ध जितना बाणों से लड़ा जाता है उससे कहीं अधिक बुद्धि एवं कौशल से लड़ा जाता है।'

'आप ठीक कर रहे हैं माधव। आप ही कोई उपाय सुझाये कि अब हमें क्या करना चाहिए।'

'पार्थ! द्रोणाचार्य संपूर्ण धनुर्धरों में श्रेष्ठ हैं। जब तक इनके हाथ में धनुष है तब तक तुम्हें विजय की आंकाक्षा त्याग देनी चाहिए। धनुष हाथ में रहते वे दुर्जेय हैं। संग्राम में हथियार डलवाकर ही इन्हें मारा जा सकता है।'

'लेकिन क्या आचार्य को धनुष-विहीन करना सरल है?'

'युद्ध में युक्ति महत्वपूर्ण है अर्जुन! इस संसार में हर व्यक्ति, चाहे वह महापुरूष ही क्यों न हो, मोह की किसी कमजोर कड़ी से बंधा होता है। यह कमजोरी ही अंततः उसके सर्वनाश का कारण बनती है।'

'आचार्य द्रोण तो महायोगी हैं प्रभु! भला उनकी क्या कमजोरी हो सकती है?'

'मोह की दुष्कर दीवारों को लांघना महायोगियों के लिए भी सरल नहीं है अर्जुन! क्या तुम नहीं जानते वे पुत्र अश्वत्थामा पर अगाध स्नेह रखते हैं। अवश्वत्थामा उनकी द्वितीय आत्मा है। द्रोण के प्राण अश्वत्थामा में बसे हैं। वे सब कुछ सहन कर सकते हैं पर अश्वत्थामा का वध सहन नहीं कर सकते। पुत्र उन्हें प्राणों से अधिक प्रिय है।'

'लेकिन अश्वत्थामा आज युद्ध के उस पार है। उसका वध असंभव है।'

'अगर उसका वध न हुआ तो कल समय तुम्हारी पराजय-गाथा लिख देगा। मैं ऐसे कल को नहीं देखना चाहता जहाँ अधर्म धर्म को हरा कर अट्टहास करे। हमें कोई युक्ति सोचनी होगी।'

कृष्ण की बातें सुनकर अर्जुन का हौसला पस्त हो गया। अपने सखा की ऐसी दशा देख कृष्ण बोले, ' अगर कोई द्रोण के समीप जाकर यह कहे कि 'अश्वत्थामा मारा गया' तो द्रोण यह सुनकर अवश्य ही धनुष रख देंगे। उनके जीवन में तब कुछ भी सार्थक न बचेगा। अश्वत्थामा के अभाव में वे प्राण-त्यागना उचित समझेंगे।'

'कृष्ण यह योजना बना ही रहे थे कि उसी क्षण भीम एवं युधिष्ठिर उनके समीप आए। कृष्ण ने उनसे भी मंत्रणा कर योजना बताई तो अर्जुन एवं युधिष्ठिर दोनों ने इस योजना पर असहमति प्रकट की। युधिष्ठिर ने तो यहाँ तक कह दिया कि कम से कम वे तो इन शब्दों का उच्चारण नहीं करेंगे। युधिष्ठिर की बात सुनते ही कृष्ण कुपित हो गए एवं रोष में भरकर बोले, युधिष्ठिर! तुम्हारे ऐसा न कहने पर तुम्हारी हार निश्चित है।'

'माधव! सत्य बोलकर प्राप्त की गई पराजय भी मेरे लिए श्रेयस्कर है। मेरे मत में झूठ से बड़ा कोई पाप नहीं है। झूठ बोलकर प्राप्त की गई विजय मुझे राज्य तो प्रदान कर देगी पर इससे मेरी आत्मा का पतन निश्चित है।'

'सत्य का अर्थ अत्यंत गूढ़ है युधिष्ठिर। वह सत्य जो अधर्म को प्रश्रय दे झूठ से भी बढ़कर है। इससे तो वह झूठ श्रेयस्कर है जो धर्म की रक्षा करता है।'

'माधव! इस तरह हर व्यक्ति सत्य एवं झूठ का अपना-अपना अर्थ लगाकर आचरण करने लगे तो लोक व्यवहार भ्रष्ट नहीं हो जाएगा?'

'जगत में पाप-पुण्य की कोई सीमा रेखा नहीं होती युधिष्ठिर! क्या पाप है क्या पुण्य, क्या सत्य है क्या असत्य इसका निर्धारण श्रुतियों से कहीं अधिक समय, काल एवं परिस्थितियाँ तय करती है। जगत का कोई भी सिद्धांत पत्थर की लकीर नहीं होता। हर सिद्धांत में इतनी लोच होनी चाहिए कि वह परिस्थितिजन्य समायोजन कर सके। जिसे धारण न किया जा सके वह कैसा धर्म? धर्म का अभ्युदय प्राणियों के कल्याण के लिए हुआ है। किसी सज्जन की प्राणरक्षा अथवा धर्म की रक्षा के लिए बोला गया झूठ निसंदेह सत्य बोलने से कहीं अधिक कल्याणकारी है। महत्वपूर्ण यह नहीं है कि हम सत्य बोल रहे हैं या झूठ, महत्वपूर्ण यह है कि हमारे सत्य अथवा असत्य बोलने से हम किस प्रयोजन को सिद्ध कर रहे हैं।'

'माधव! अश्वत्थामा की मृत्यु का असत्य समाचार देना मेरी राय में अधर्म ही है। ऐसा कहना मेरा स्वार्थ नहीं तो और क्या है ? असत्य का सहारा लेकर मैं अपने ही आचार्य का वध करूँ , इससे पातकी एवं अधम कार्य और क्या हो सकता है?'

'तुम ऐसा नहीं कह सकते तो आज संध्यापूर्व तुम्हारा पराभव निश्चित है। अगर युद्ध दुर्योधन के पक्ष में गया तो समय तुम्हारे धर्म की नहीं तुम्हारी मूढ़ता एवं कायरता की गाथाऐं लिखेगा। तुम्हारा सैद्धांतिक हठ अधर्म को पल्लवित करने में सहायक होगा। स्मरण रहे कि इतिहास मात्र विजेताओं का लिखा जाता है।'

कृष्ण-युधिष्ठिर के संवाद को बढ़ते देख भीम आगे आकर युधिष्ठिर से बोले, 'आर्य! हमारे पास एक हाथी है जिसका नाम अश्वत्थामा है। अगर हम इस हाथी को मारकर आचार्य को संदेश दें कि अश्वत्थामा मारा गया है तो इसमें झूठ क्या होगा?'

'असत्य को सत्य में लपेटकर बोलना सीधे झूठ कहने से कहीं अधिक बुरा है। यह छल नहीं तो और क्या है? अच्छा होगा यह कार्य तुम ही करो। मुझसे अगर पूछा गया तो मैं वहीं कहूँगा जो वस्तुतः हुआ है।' युधिष्ठिर बोले।

कृष्ण का इशारा पाकर तब भीम ने गदा के भयंकर वार से उस हाथी का वध कर दिया एवं मध्यान्ह के सूर्य की तरह चमकते द्रोण के समीप जाकर संदेश दिया, 'आचार्य! अश्वत्थामा मारा गया है।'

भीम का संदेश सुनकर आचार्य सन्न रह गए। वे शोक से व्याकुल हो उठे। उनकी दशा ऐसी हो गई मानो खेती पर पाला पड़ गया हो लेकिन संदेश चूंकि भीम ने दिया था वे तुरंत पूर्ण अवस्था में आ गए। उन्हें लगा भीम स्वार्थवश झूठ बोल सकता है। वह बचपन से ऐसा करता आया है। झूठ बोलने के लिए मैंने उसे अनेक बार प्रताड़ित भी किया है। मैं ऐसे व्यक्ति की सूचना पर विश्वास क्यों करूँ? मेरा पुत्र अजेय है। पाण्डववीरों में कोई ऐसा नहीं है जो इतना शीघ्र उसका वध कर सके। मेरी ही तरह उसमें सारे अस्त्र प्रतिष्ठित है। अगर ऐसा होता तो कौरव सेना में कोलाहल मच जाता।

भीम के संदेश को दरकिनार कर द्रोण पुनः युद्ध करने लगे। उस समय वे धृष्टद्युम्न के साथ युद्ध कर रहे थे जिसने अपने पिता द्रुपद के वध के पश्चात द्रोण-वध की प्रतिज्ञा की थी। ऐसे आततायी एवं अमर्श भरे शत्रु के आगे जरा-सी असावधानी प्राणघातक बन सकती थी।

द्रोण पुनः काल बनकर धृष्टद्युम्न तथा उसकी सेना पर छा गए। एक बार फिर त्राहिमाम हो गया। जैसे प्रज्वलित अग्नि घास के ढेर को जला देती है द्रोण के बाणों ने पाण्डव सेना को देखते-देखते दग्ध कर दिया। सैनिकों की कटी हुई भुजाऐं एवं मुण्ड देखकर पाण्डव स्वयं उनकी प्रशंसा किए बिना नहीं रह सके।

सूर्य भी अब आकाश को आधे से ऊपर पार कर चुके थे। द्रोण के प्रखर बाणों की तरह रणक्षेत्र में उनकी तेज किरणे चमकने लगी थी। द्रोण युद्ध तो कर ही रहे थे द्वंद में भी थे। उनके अवचेतन मन में अब भी भीम का संदेश विचर रहा था। संदेह-असंदेह के मध्यांतर पर खडे द्रोण असमंजस में थे कि उन्हें क्या करना चाहिए?

इधर युधिष्ठिर कृष्ण से वार्ता के पश्चात दुविधा में थे कि वे क्या करें, क्या न करें? क्या माधव सही कह रहे हैं? अगर युद्ध दुर्योधन के पक्ष में गया तो निश्चय ही समय दुर्योधन की विजय-गाथा लिखेगा। द्रोपदी एवं हम पर हुए अन्याय एवं हमारे पक्ष में लड़कर वीरगति प्राप्त होने वाले वीरों के वंशज फिर यही कहेंगे कि मात्र युधिष्ठिर के दृष्टिकोण ने हमारा महाविनाश रच दिया? पृथ्वी पर तब असत्य ही मुँह चढ़कर बोलेगा। कृष्ण ठीक कहते हैं कि इतिहास विजयी वीरों का लिखा जाता है। तो क्या फिर मैं असत्य का वरण करूँ? यही सोचते-सोचते वे भयग्रस्त एवं उद्विग्न हो गए।

पराभव का दंश उनकी आत्मा को कचोटने लगा एवं विजय की आकांक्षा उनके सर चढ़ बैठी।

भावी प्रबल है। युधिष्ठिर ऐसा सोच ही रहे थे तभी आसमान में विचरते एक काले मेघ ने सूर्य को आवृत कर लिया। ठीक उसी समय द्रोण युधिष्ठिर से कुछ दूरी से होकर गुजरे। वे आगे बढ़ रहे थे कि भीम का संदेश पुनः उनके मन-व्योम पर छा गया। आसमान के काले मेघ की तरह एक बार पुनः संदेह ने उनकी आत्मा को झकड़ लिया। जिस पुत्र के किंचित दुःख से वे व्यथित हो उठते थे आज उसके मृत्यु के समाचार की भी क्या वे पुष्टि नहीं करेंगे? क्या द्रोण इतना गिर गया है?

संदेह से भरे, व्यथित द्रोण ने दूर रथ पर खड़े युधिष्ठिर से पूछा, 'पुत्र! अश्वत्थामा कहाँ है?' उन्हें पूरा विश्वास था कुंतीपुत्र युधिष्ठिर इस राज्य के लिए तो क्या तीन लोकों के लिए भी असत्य नहीं बोलेंगे। बचपन से ही उनकी सत्यवादिता पर उन्हें निष्ठा थी।

युधिष्ठिर ने आचार्य को सुना एवं क्षणभर के लिए रणभूमि की ओर देखा। युद्ध की दशा देखकर उन्होंने सहज ही आंक लिया कि द्रोण ने कुछ समय और युद्ध किया तो सर्वनाश निश्चित है। असत्य के भय एवं विजय की आकांक्षा के मध्य अनका द्वंद असंख्यगुना बढ़ गया। देखते-ही-देखते विजय की आसक्ति ने सत्य को वैसे ही दबोच लिया जैसे बाज कबूतर को दबोच लेता है। आचार्य ने जब पुनः पूछा तो युधिष्ठिर सकपकाकर तेज आवाज में बोले, 'आचार्य! अश्वत्थामा मारा गया है' तत्पश्चात अत्यंत धीमी आवाज में ओंठो ही ओंठो में बुदबुदाये, 'लेकिन वह हाथी था।' युद्ध के तुमुलनाद में उनके प्रथम शब्द प्रखर होकर गूंजे परन्तु अंतिम शब्द कोलाहल में बिखर गए।

युधिष्ठिर के मुँह से ऐसा सुनकर द्रोण वहीं खड़े रह गए। उनका शरीर शिथिल हो गया, गला सूख गया एवं वाणी मूक हो गई। क्षणभर के लिए वे स्तंभित हो गये। पुत्र शोक से संतप्त द्रोण की आँखे डबडबा आई। वे जीवन से निराश एवं उद्विग्न हो उठे। उनकी चेतनाशक्ति लुप्त हो गई एवं असहज उन्होंने धनुष कांधे से उतारकर नीचे रख दिया।

द्रोण से निरन्तर आहत धृष्टद्युम्न के लिए यह स्वर्णिम अवसर था। अपलक बिना समय गंवाए धृष्टद्युम्न चमचमाती तलवार लेकर द्रोण के रथ की ओर यूँ बढ़ा जैसे बाज सर्प की ओर बढ़ता है। सभी के देखते वहाँ एक तलवार चमकी एवं महारथी द्रोण का सर कटकर पृथ्वी पर गिर पड़ा।

दूर रथ पर खड़े युधिष्ठिर ने इस वीभत्स दृश्य को देखा एवं चुपचाप सर नीचेकर खड़े हो गए।कहते हैं इसके पूर्व युधिष्ठिर का रथ पृथ्वी से चार अंगुल ऊँचा रहा करता था लेकिन इस घटना के पश्चात उनके रथ के घोड़े धरती का स्पर्श कर चलने लगे।

संसार में उन लोगों का फिर कितना पतन होगा जो किंचित स्वार्थवश घड़ी-घड़ी झूठ बोलते हैं?

महेश अर्बन को.ऑप. क्रेडिट सोसायटी मर्यादित मलकापूर

गौरक्षण कॉम्पलेक्स बुलढाणा रोड मलकापुर र.न. 1227 फोन - 07267-22773, मो. 92260-22966

- संस्था 31 साल से तरक्की की ओर अग्रसर
- संस्था को लगातार अंकेक्षण वर्ग 'अ'

31 -10-2020 की स्थिति वर्ष

- कुल डिपॉझिट 38.51 करोड, कर्ज विवरण 28.36 करोड़
- निवेश 16.15 करोड़, कुल मुनाफा 30.33 लाख

संस्था के सामाजिक एवं लोकोपयोगी कार्य

▸▸सभासदों के प्राविण्य प्राप्त पाल्य को पुरस्कारन ▸▸सभासदों का 100,000/-विनामूल्य सुरक्षा बीमा
▸▸सामाजिक एवं राष्ट्रीय उपक्रम में सहभाग ▸▸राष्ट्रीय आपात स्थिति में आर्थिक एवं सक्रीय सहभाग
▸▸गणेशोत्सव एवं पोला उत्सव में पुरस्कार ▸▸बेवारस प्रेतों का अंतिम संस्कार
▸▸योग साधना एवं आयुर्वेदिक चिकित्सा उपचार शिविर
▸▸शीतल जल सेवा केंद्र ▸▸सभासदों को उपचार के लिए आर्थिक मदद ▸▸एक्युप्रेशर शिविर

मखखनलाल मूंधड़ अध्यक्ष | किशोर बाहेती उपाध्यक्ष | नन्दलाल राठी उपाध्यक्ष | सुनील अग्रवाल व्यवस्थापक

संचालक मंडल एवं कर्मचारीवृंद
महेश अर्बन को. ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी मर्यादित मलकापुर

कौन होंगे इस बार ?

माहेश्वरी ऑफ द ईयर-2020

विशिष्ट सेवाओं के लिये समाज की विशिष्ट विभूतियों को प्रतिवर्ष "माहेश्वरी ऑफ द ईयर" अवार्ड से सम्मानित करना "श्री माहेश्वरी टाईम्स" की परम्परा है। इसी श्रृंखला में वर्ष-२०२० की विभूतियों का फिर फैसला होगा और फैसले में अहम भूमिका निभाऐंगे आप जैसे प्रबुद्ध पाठक।

अपनीं परम्परानुसार श्री माहेश्वरी टाईम्स समाज की उन विभूतियों को नववर्ष में माहेश्वरी ऑफ ईयर 2019 से सम्मानित करेगी, जिन्होंने किसी भी स्तर पर अपना विशिष्ट योगदान दिया है। यह सम्मान वास्तव में ऐसी विभूतियों की सेवाओं का सम्मान तो है ही, साथ ही इस अवसर पर "श्री माहेश्वरी टाईम्स" में प्रकाशित होने वाली उनकी सफलता की कहानी समाज की नई पीढ़ी को कुछ नया और कुछ हटकर करने की प्रेरणा भी देगी, जिस पर समाज व राष्ट्र गर्व कर सकें।

इस बार भी कई क्षेत्रों को सम्मान

श्री माहेश्वरी टाईम्स के प्रकाशन के साथ ही अवॉर्ड "माहेश्वरी ऑफ द ईयर" की गरिमामयी शुरुआत भी हुई थी। लगभग 15 वर्ष की सफलता की इस यात्रा में श्री माहेश्वरी टाईम्स समाज की कई शीर्षस्थ हस्तियों को इस सम्मान से सम्मानित कर चुकी है। इसके अंतर्गत प्रतिवर्ष एक ही विभूति को सम्मानित किया जाता था। इससे कई सेवा क्षेत्र की विभूतियाँ सम्मानित होने से वंचित रह जाती थीं। अतः प्रबुद्धजनों के परामर्शानुसार गत 7 वर्ष से इसके स्वरूप को और भी वृहद करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में पृथक-पृथक रूप से माहेश्वरी ऑफ द ईयर सम्मान दिया जाने लगा है। इसी श्रृंखला में विभिन्न क्षेत्रों की शीर्ष विभूतियों की सम्मानित किया जाऐगा।

इस बार भी फैसला आपके हाथ

"श्री माहेश्वरी टाईम्स" अपनी परम्परानुसार पाठकों से इस सम्मान के लिये उनका मत आमंत्रित करती है। यदि आप समाज की किसी भी ऐसी हस्ती को जानते हैं जिन्होंने किसी भी कार्य क्षेत्र में अपनी विशिष्ट उपलब्धियों से समाज को गौरवान्वित किया है तो उनके नाम का प्रस्ताव संक्षिप्त जानकारी व संपर्क नम्बर के साथ प्रेषित करें। अपना यह प्रस्ताव आप ईमेल द्वारा भी प्रेषित कर सकते हैं। चयन समिति ऐसी विभूतियों में से माहेश्वरी ऑफ द ईयर 2020 अवॉर्ड के लिये प्रत्याशियों का चयन करेगी। ईमेल में माहेश्वरी ऑफ द ईयर 2020 लिखना न भूलें।

संपर्क-

Email : smt4news@gmail.com

"अंधकार" पर "प्रकाश" की
विजय के पर्व

दीपावली

की समस्त समाजजनों को हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाऐं

सीतादेवी तोषनीवाल चेरिटेबल ट्रस्ट

ट्रस्टी

नेमीचन्द तोषनीवाल

पूर्व अध्यक्ष

वृहत्तर कलकत्ता प्रादेशिक माहेश्वरी सभा

मदनगोपाल माहेश्वरी

विष्णुगोपाल तोषनीवाल

57-एल, बालीगंज सर्कुलर रोड, कोलकाता-700019

फोन- (नि.) 033-24614925, (कार्या.) 22682676

मो. 094332-77426

कितना उचित या अनुचित?
समाज संगठनों से जुड़े रहना

जिस समाज में हम रहते हैं, अपने सुख-दुःख बांटते हैं, हमें उन समाजजनों के साथ घुल मिलकर रहना चाहिये। इसी सोच के कारण परस्पर हित की भावना से सामाजिक संगठनों की स्थापना हुई। धीरे-धीरे इन संगठनों में वर्चस्व की लड़ाई तथा सामाजिक राजनीति इतनी हावी होती चली गई कि लोग पद-प्रतिष्ठा के लिये एक दूसरे को नीचा भी दिखाने में नहीं चुकते। ऐसी स्थितियों के कारण भी युवा वर्ग समाज संगठन से दूरी बनाकर रख रहा है। ऐसे में यह विचारणीय हो गया है कि समाज संगठनों से जुड़े रहना कितना उचित है या अनुचित? क्या हम संगठन में उत्पन्न हुई इन विद्रूपताओं के कारण संगठन से दूर हो जाऐं अथवा कुछ ऐसा करें, जिससे संगठन और भी मजबूत बनें। ऐसे में इस विषय पर सामाजिक चिंतन अनिवार्य है। आइये जानें इस स्तम्भ की प्रभारी सुमिता मूंदड़ा से उनके तथा समाज के प्रबुद्धजनों के विचार।

सामाजिक संगठनों से जुड़ना आवश्यक

जिस समाज में हम रहते हैं, अपने सुख-दुख बांटते हैं; हमें उन समाज बंधुओं और संगठनों से जुड़कर रहना चाहिए। आधुनिक भागदौड़ भरी जीवनशैली में अगर हम राष्ट्रीय सामाजिक संगठनों से ना भी जुड़ पाएं तो कम से कम स्थानीय संगठनों से तो जुड़े रहना ही चाहिए। समाज-बंधुओं के साथ हम अपनी खुशियां बांटकर बढ़ा सकते हैं। आड़े समय में अगर हमारा परिवार पास ना भी रहे तो स्थानीय समाज बंधु-बांधव हमारे साथ परिवार-सम खड़े रहते हैं। आपसी संपर्क से हम अपनी छोटी-बड़ी समस्याओं को हल कर सकते हैं। अपने बच्चों के वैवाहिक रिश्तों को जोड़ने और आवश्यक जानकारी प्राप्त करने में सामाजिक संगठन व समाजजन हितकारी होते है। हमारा सामाजिक संपर्क हमारे व्यापार-व्यवसाय में भी काम आता है। कभी-कभी तो स्थानीय संगठनों की सिफारिशों से हमारे अटके काम भी झटके में पूरे हो जाते हैं। संगठन में शक्ति होती है; अगर किसी समाज-बंधु के साथ कोई अन्याय या दुर्व्यवहार हो तो पूरा समाज अन्याय के खिलाफ एकाकार हो जाता है। कहीं-कहीं पर सामाजिक संगठन में होने वाली राजनीति और मतभेद के कारण नव पीढ़ी सामाजिक संगठनों की अपेक्षा दोस्तों पर अधिक भरोसा करने लगी है। नवपीढ़ी को समाज से जोड़ने और संगठनों पर भरोसा बढ़ाने की दिशा में अनुभवी कार्यकर्ताओं को विचार करना चाहिए।

■ **सुमिता मूंधड़ा**, मालेगांव नासिक

समाज संगठन से जुड़ाव जरूरी

आज के इस आधुनिक काल में समाज के संगठनों से जुड़े रहना न केवल उचित है बल्कि ये तो जरूरी है। जैसा कि नाम से ही पता चलता है, सामाजिक संगठन जो युवाओं को अधिकार, शिक्षा, सुरक्षा एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हैं, उनसे भला हम कैसे दूरी बना सकते हैं? कुछ व्यक्तियों के कारण हम समाज के इस अति आवश्यक स्तम्भ को अनदेखा नहीं कर सकते। संगठन में उसी को जगह देनी चाहिये जो संगठन में विश्वास रख सकते हैं। उनके नियमों का पालन कर सकें। जो सदस्य संगठन के विपरीत दिशा की ओर अग्रसर हों, उन्हें तुरंत प्रभाव से समूह से हटा देना चाहिए। नकारात्मक विचारों को समाज में शीघ्रता से मिटाना चाहिए। समाज के इन संगठनों में ऐसी उर्जा प्रवाहित करनी चाहिए जो ना सिर्फ ज्ञानवर्धक हो बल्कि देश की युवा पीढ़ी को सन्मार्ग की ओर ले जाए। एक सामाजिक कार्यकर्ता ना केवल अपने परिवार को बल्कि पूरे संगठन को साथ लेकर कोई भी निर्णय लेता है। अतः जब तक हो सके तब तक हमें इन सामाजिक संगठनों को उचित मार्गदर्शन करते हुए संचालित करना चाहिए।

■ **निशा बल्दवा**, किशनगढ़

सामूहिक शक्ति का रूप है संगठन

'एक अकेला चना कभी भाड़ नहीं फोड़ सकता', इसीलिए हम सभी एक दूसरे के बिना अधूरे हैं और अकेले रहकर हमारी शक्ति का कोई अस्तित्व नहीं।' संगठन में शक्ति होती है चाहे वह सामाजिक हो या अन्य कोई भी। एकता के साथ हर नामुमकिन कार्य मुमकिन हो जाता है। अगर हम मिलकर रहेंगे तो हमें कोई भी हिली नहीं सकेगा। समाज में संगठित रहें तो कठिन से कठिन कार्य भी हम सरल कर सकते हैं। समाज में एकता से हमारा अस्तित्व कायम रहता है, विभाजन से हमारा पतन होता है। इसीलिए समाज में संगठित होइए, नहीं तो ना तो संस्था बचेगी और ना ही समाज। 'संघे शक्ति कलियुगे'। सामाजिक संगठन व्यक्तियों का ऐसा संगठन है जिसके सम्मिलित उद्देश्य होते हैं। सदस्यों के बीच कार्य का बंटवारा होता है, सामाजिक संगठन के कुछ निश्चित नियम होते हैं जिनके आधार पर व्यक्ति, सभी व्यक्ति अपनी भूमिका का निर्वाह करते हैं। समाज का निर्माण करने वाली अनेक ईकाइयां होती हैं। उन्हें निश्चित पद तथा कार्य सौंपे जाते हैं। इसीलिए एक मानव के लिए इससे जुड़े रहना बहुत ही उचित एवं उपयोगी है। इतना ही नहीं सामाजिक संगठन के अंतर्गत एक समाज या सामाजिक संरचना को एक 'क्रियाशील संगठन' के रूप में देखते हैं। संगठन, घड़ी की सुइयों जैसा होना चाहिए भले ही एक फास्ट हो, भले ही एक स्लो हो, भले ही एक छोटा हो, भले ही एक बड़ा हो, लेकिन किसी की 12 बजानी हो, तो सभी एक साथ हो जाऐं, कामयाबी तो पक्की है।

■ **पूजा काकानी**, इंदौर (म.प्र.)

पक्षपात ना हो ....

परिवारों के समूह से समाज स्थापित होते है और यही समाज देश की प्रगति की दिशा में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते है। वर्तमान दौर में कुर्सी का मोह सभी को लुभा रहा है। पद पर आसीन समाज के पुरुष हों अथवा महिला अपना वर्चस्व बनाए रखना चाहते है। विरले ही सदस्य हैं जो वास्तविक रूप में समाज को सेवा प्रदान करते हैं, बाकी सदस्य केवल नाम, प्रतिष्ठा पाने की लालसा लिए समाज से जुड़े रहते हैं, यह कटु सत्य है। नए सदस्य या युवा पीढ़ी जो हर क्षेत्र का पूरा ज्ञान रखते हैं। वह समाज की प्रगति की दिशा तय करने में पूर्णतः सक्षम हैं, किंतु उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर ही नहीं दिया जाता तो स्वाभाविक है, उनका समाज में चल रहीं गतिविधियों के प्रति रुझान कम हो जाता है। इन हालातों में कई बार गुटबाजी होती है। सीमित लोगो के निर्णयों को ही तवज्जों दिया जाता है। कई बार जो स्पर्धाएं होती हैं, तो उनमें से कोई विजेता चुन लिया जाता है, जिससे उपस्थित आम सदस्य उपेक्षित महसूस कर समाज से दूरी बना लेते हैं। समाज व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए समाज संगठनों का होना अत्यंत ही जरूरी है। किंतु समाज सेवी स्वार्थी मनोवृत्ति ना रखते हुए अपनी उदारता का परिचय दें तो निश्चित ही सारी गतिविधियां सुचारू रूप से चलेंगी। साथ ही जरूरत मंदों को सहायता मिलेगी। समाज के सभी सदस्यों को साथ लेकर चलें, सभी को आगे आने का अवसर प्रदान करें जिससे हर सदस्य को समाज के प्रति दायित्व निर्वहन में अपनी भूमिका महत्वपूर्ण लगेगी और वह अपनेपन की भावना लिए कार्य पूर्ण करेंगे ।

■ **राजश्री राठी,** अकोला (महाराष्ट्र)

जुड़ाव से ही संभव बदलाव

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज से जुड़े रहना, सामाजिक नियमों का पालन करना, सामाजिक संस्थाओं के साथ तीज त्योहार मनाना मानव जीवन का अभिन्न अंग बन चुका है। समाज एक पारिवारिक ढांचे की तरह है जिसके मुखिया हम ही चुनते हैं जो अपने अन्य सदस्यों के साथ सामाजिक कार्यों को सुचारू रूप से चलाते हैं। किंतु सत्ता अपने साथ जिम्मेदारी भी लेकर आती है जिनमें खरा उतरने की उम्मीद हर पदाधिकारी से की जाती है। अतः उनका हर कार्य निःस्वार्थ भाव और सामाजिक हित से परिपूर्ण होना चाहिए। जिनमें बड़ों के अनुभव और छोटों की सकारात्मक ऊर्जा एवं उचित मार्गदर्शन की भावना होना चाहिए। सही के साथ आगे बढ़ने तो गलत बात का कटाक्ष करने की सोच होना चाहिए, अगर आपको समाज में कुछ परिवर्तन लाना है तो यह तभी संभव है जब आप इसका अभिन्न अंग बनने की सिर्फ अपनी राय रखने और जिम्मेदारी से दूर रहने की सोच रखें। जब आप समाज से जुड़े रहेंगे तब आपसे जुड़े लोग भी आपको समझेंगे और आप भी सामाजिक परिस्थितियों के अनुरूप अपनी सोच को सामने लाकर उसका सही दिशा में क्रियान्वयन कर पाएंगे और सभी के सहयोग के साथ समाज में नई क्रांति ला पाएंगे। पेड़ से जुड़ी नई शाखाएं सुंदर अवश्य लगती है, लेकिन वो जीवित तो जड़ के होने से ही हैं न। उसी प्रकार नई कोमल शाखाएं बन समाज में उत्तम विचारों की हरिहर सुंदरता बिखेरें, हाँ मगर याद रहे समाज की नींव रखने वाले हमारे वरिष्ठ पदाधिकारिगणों रूपी समाज की जड़ें हमेशा सुदृढ़ रखें और तालमेल के साथ नवयुग का सृजन करते जाएं।

■ **शालिनी चितलांगिया 'सौरभ',** राजनांदगांव

दोनों एक सिक्के के दो पहलू

समाज और मनुष्य दोनों एक सिक्के के दो पहलू हैं, एक शरीर है तो दूसरा आत्मा। तभी तो कहा गया है कि मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। मनुष्य पृथ्वी पर आया तो अकेला, लेकिन यहाँ पर वह अकेले अपना जीवन यापन नहीं कर सकता। एक दूसरे की सहायता की आवश्यकता पड़ी जिसके लिये समाज या परिवार का होना आवश्यक हुआ। वर्तमान में मनुष्य का दृष्टिकोण समाज को लेकर बदल गया है। अब उसके लिये समाज का कार्य सिर्फ उस क्षेत्रफल तक सीमित हो गया है, जहाँ वह रहता है। शायद लोग भूलते जा रहे हैं कि समाज का अस्तित्व मनुष्य जीवन की आधारशिला है, यदि मनुष्य समाज में प्रसिद्धि पाता है तो लोगों के बीच उसका आदर सम्मान बढ़ जाता है। यदि कोई भी मनुष्य किसी क्षेत्र में उपलब्धि प्राप्त करता है तो सर्वप्रथम उसे उस समाज के नाम से ही संबोधित किया जाता है जिसका वह हिस्सा होता है। समाज एक बहुत बड़ा समूह है, जिसका कोई भी व्यक्ति सदस्य बन सकता है। कुछ युवा वर्ग तो समाज के सदस्य होते हुए भी समाज के आयोजित वार्षिक कार्यक्रम में भी जाते नहीं है। चाहे महेश नवमी महोत्सव हो या अन्नकूट महोत्सव वे अपने दोस्तों, मोबाईल व जॉब या बिजनेस में इतने व्यस्त रहते हैं कि न तो वे अपने परिवार को और न समाज को अपना समय दे पाते हैं। अभी तो महिला संगठनों में ही जागृति है, एकता भी है। वे गाँवों से लेकर अ.भा. तक के सभी संगठनों से जुड़ी है और अपना अमूल्य समय तन-मन-धन के साथ समाज के लिये न्यौछावर कर रही है।

■ **हेमलता गांधी,** उज्जैन

आत्म मंथन जरूरी

सामाजिक संगठन समाज की भलाई के लिये गठित हुए और एक वैचारिक क्रांति का उत्तरदायित्व लिए इनका विस्तार किया गया। एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी सामजिक संगठनों पर थी कि समाज को दिशा निर्देश करें व संगठित कर समस्याओं का समाधान भी करें। यद्यपि इन्हें निरर्थक नहीं कहा जा सकता किन्तु यह सभी जानते हैं, इन पर उन्हीं का प्रभुत्व हुआ जो अत्यंत सक्षम एवं धनाढ्य हैं। सामाजिक स्तर पर भी पक्षपात एवं भाई भतीजावाद कण-कण में व्याप्त है। सामाजिक प्रतिष्ठा एवं पहुँच होने पर ही पदों का वितरण सम्भव है। साथ ही विकास के मुद्दे से अधिक अनर्गल बातों पर बहस एवं चर्चा होती रही है। किन्तु समाज को संगठित कर सभी को आपस में जोड़ने का कार्य सामाजिक संगठन द्वारा किया गया है। इस पर कोई प्रश्न चिन्ह नहीं है। बस व्यक्तिगत स्वार्थ इस पर हावी न हो। सभी एक-दूसरे की भावनाओं का समुचित सम्मान करें एवं सकारात्मक विचारों की शृंखला सदैव जागृति की अलख जगाकर आत्ममन्थन करवाती रहे, यही सामाजिक संगठनों का उद्देश्य होना चाहिये।

■ **पूजा नबीरा,** काटोल,नागपुर

मनुष्य के पास सबसे बड़ी पूंजी अच्छे विचार हैं क्योंकि धल और बल किसी को भी गलत रहा पर ले जा सकते हैं किन्तु अच्छे विचार सदैव अच्छे कार्यों के लिए ही प्रेरित करेंगे

युवाओं की समग्र सोच समाज कल्याण के लिए आवश्यक

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज के सदस्य सामाजिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए सामाजिक संगठनों की स्थापना करते हैं। इन सामाजिक संगठनों से जुड़कर व्यक्ति को एक नयी पहचान मिलती है। किंतु व्यक्तिगत स्वार्थ से परे निःस्वार्थ भावना से सेवा करना संगठन की प्राथमिकता हो तो ऐसे संगठन वास्तव में एक आदर्श स्थापित कर सकते हैं। ऐसा तभी सम्भव है जब संगठन का नेतृत्व सुदृढ़ हाथों में हो और उसका स्वरूप प्रजातांत्रिक हो। निर्णयों में पारदर्शिता का समावेश हो। जमीनी कार्यकर्ता को भी उतना ही सम्मान मिले जो शीर्ष पदस्थ व्यक्ति को। हालाँकि यह भी संभव नहीं है कि किसी विषय पर सभी व्यक्तियों का मत एक जैसा ही हो। प्रत्येक व्यक्ति किसी विषय या समस्या को अपने नजरिये से ही देखता है और इसी आधार पर उसका समाधान भी खोजता है। लेकिन जब बात संगठन की आती है तब मनुष्य को वही करना चाहिए जिससे ज्यादा से ज्यादा लोगों का भला हो। वर्तमान समय में देखा जाए तो सामाजिक संगठनों में पूँजीवाद के विस्तारण को नकारा नहीं जा सकता। ये वो दौर है जहाँ समाज सेवा के नाम पर सत्ता पाने की और प्रसिद्धि पाने की होड़ सी लगी है। हर सिक्के के दो पहलु होते हैं। अतः युवा प्रबुद्ध वर्ग को इन सब बातों को नजर अन्दाज करते हुए समाज हित को सर्वोपरि मानते हुए अपने जोश की आहुति समाज कल्याण के यज्ञ में अवश्य देनी चाहिए। आज युवाओं के पास जोश के साथ अलग-अलग दृष्टिकोण और काम करने की अलग-अलग शैली है जिनका विलक्षण संयोग समाज में नयी क्रांति ला सकता है। ■ **मनीषा राठी,** उज्जैन

सकारात्मक सोच को करें दूर

सामाजिक संगठनों में जो भी विषमतायें प्रादुर्भूत हुईं हैं, उनका उत्तरदायित्व मात्र कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों का नहीं, वरन सभी सामाजिक घटकों का है। नीतियां निर्धारित की जाती हैं। उनका अनुपालन करना एवं करवाना बहुत आवश्यक होता है। इसमें समाज का सहयोग यदि उचित मिलता है, तो उसके अनुकूल परिणाम भी दृष्टिगोचर होते हैं और नीतियों का संचालन उपयुक्त पद्धति से न हो, और कारणवश समाज उन नीतियों के लाभों से वंचित रह जाय, तब प्रशासकों के विरोध में स्वर गूंजने लगते हैं, जो कि कुंठा को जन्म देते हैं। तब आरोप प्रत्यारोप, एक दूसरे को नीचा दिखाने की हीन भावनायें जागृत करने की मानसिकता प्रबल हो जाती है, जो कि न तो समाज के लिये, न अधिकारियों के लिये और न ही संगठनों के लिये शुभ होती है। परिणामतः इन सभी घटनाक्रमों का युवा पीढी पर नकारात्मक असर होकर, उनका सामाजिक संगठनों से जुड़ने का रुझान कम होने लगता है। किसी भी समाज के लिये संगठनों से दूरी, वह भी विशेष कर युवा पीढी की उचित नहीं है। सभ्य और संस्कार युक्त समाज में संगठन रीढ़ की हड्डी होते हैं। इसलिये संगठनों में आई कुरीतियों को समाप्त कर युवा पीढ़ी में संगठनों के प्रति नकारात्मक सोच को समाप्त करना वर्तमान पीढ़ी का उत्तरदायित्व है।

■ **महेश कुमार मारू,** मालेगांव

Jagdish Nawandar
99221 85678
94222 85678

Apeksha Medical Stores

In from of Natraj Garden,
Khamgaon-444303, Dist. Buldhana (Mh.)
Ph. 07263-253132, 253536
E-mail : jhn_apeksha@rediffmail.com

Navandar Marketing

(Quality Paper Napkin Manufacturer)

Sanket Nawandar

Call : +91 99 2218 6789
Raigad Colony Road, Near Chentami,
Ganpati Mandir, Mukund Nagar,
Khamgaon-444303, Dist. Buldana.
E-mail : navandarmarketings@gmail.com

With Best Compliments From

RATHI Enterprises

Sika
BENELAVE™

tradeco india

Dealer - Borewell, Submersible Pump Set
Single Phase
Domestic Pumps,
Single Phase Jet Pumps

AQUATEX

MANISH MARKETING CO.

Ther Supreme Industries Ltd.
(Plastic Piping Division)

Address : G.E. Road, Ganj Para, Durg (Chhattisgarh)
Ph. : 0788-2211208, 2210333
E-mail : manishmarketingcompany@yahoo.com

Raju
Mo. 94252-37702

With Best Compliments from...

Sri Arun Laddha
Director

JRL GROUP
Creating Wealth
Preserving Values

Sri Jodh Raj Laddha
Chairman

J. R. Laddha Financial Services Pvt. Ltd.

The Trusted Corporate Financial Advisor For Last Four Decades

- Wealth Management
- Corporate Finance
- Investment Banking

Our focus has always been on twin aspects of preserving Values in business and creating wealth for our customers.

Corporate Office

5th Floor , Nehru Center, Worli , Dr. Annie Basant Road, Mumbai - 400 018
Ph.:(022) 4025 9000 Fax: +91 22 4025 9001

Registered Office

"Everest House", 8th Floor, 46C, Jawaharlal Nehru Road, Kolkata 700 071 Ph.:(033) 2288 2990/91/93 Fax: +91 33 2288 2994

BRANCH OFFICE : NEW DELHI

info@jrladdha.in • www.jrladdha.in

IS:1786

CM/L - 6943589

GBR TMT

THE STRENGTH WITHIN

www.gbrmetals.com

Manufacturers of High quality MS Billets and TMT Bars

Works:
#295, G.N.T Road,
Peravallur Village,
Ponneri Taluk - 601 206
Tamil Nadu
Website: www.gbrmetals.com

Registered Office:
#4, Ramanan Road,
Chennai - 600 079
Tamil Nadu
Ph: +91 44 25292151
E-mail: sales@gbrmetals.com

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

काल का पहिया घूमे भय्या...

खम्मा घणी सा आज पूरो विश्व कोरोना महामारी सूं उभर नहीं पायो है विनो मूल कारण प्रकृति री छेड़छाड़ है। योग वशिष्ठ में श्री राम ने गुरु वशिष्ठ जी एक प्रश्न रे उतर में बतावें कि जो व्यक्ति आपरे व्यवहार ने, प्रवृति ने प्रकृति रे साथे तालमेल कर लेवे वो ही व्यक्ति जीवन मे सफल हुवें। मनुष्य प्रकृति री आ तारतम्यता ही जीवण ने सुखी बणावे। प्रकृति आपाणो गुरु है जो ज्ञान दैवे तो अनुपालना नहीं करण पर दंड भी देवे। आज लोग घर मे सिमट ग्या। पेली चौक में धूप आ जावती। आज कई बच्चों ने धूप नहीं मिळने सूं विटामिन डी री गोलियां खावणी पड़े। असंख्य मानव रोग दैहिक, दैविक, आधिदैविक कारणों सुं होवै हुक्म.... पर कैवों तो कुण सुणे। आज आध्यत्मिकता, पूजा-पाठ दिन पर दिन कम हुग्या। अब किने समझाओं 'रामकृपा नाशहि सब रोगा, जो एहि भांति बने संयोगा', समझाओं तो मिनखा मज़ाक फेर बणावे।

हुकम मानव प्रकृति रे साथे बड़ी छेड़छाड़ की है । आपरे स्वार्थ रे कारण जल, हवा ने प्रदूषित कियो... और तो और पृथ्वी रे विनाश पर उतारू हूँ ग्यों , इणसूं पृथ्वी री उपजाऊँ क्षमता कम हुगी। प्रकृति ही नहीं मनुष्य आपरी हरकतों सुं परमात्मा ने भी रूष्ट कर दियो। मानव री लोभ -लालसा रो ही यो परिणाम हैं कि जल थल आकाश सब प्रभावित हुया है हुकम ।

कोरोना बीमारी लंबे अंतराल रे बाद भी टस सूं मस नहीं हूँ रही है मतलब प्रकृति अने परमात्मा री तरफ सूं सन्देश है कि अब भी समय रेता चेत जाओ, सुधर जाओ अन्यथा प्रकृति रे साथे छेड़छाड़ भारी पड़ैला, भावी पीढ़ियों रो भविष्य अंधकारमय हूँ जावेला ।

आपाणा पूर्वज तो हमेशा या

बात समझावता कि प्रकृति परमात्मा रो दूत है। परमात्मा परमारथ सुं रीझे हुक्म। इंसान परमारथ ने भूल ने स्वार्थ सिद्धि में लाग ग्यो है, प्रकृति एक ही झटके में समझा दियों की स्वार्थ री राह आत्मघाती है। परमार्थ ही जीवन रो आधार है ।

अबार भी देर नहीं हुई है अगर मानव समझ ले तो.....

अगर मानव प्रकृति री छेड़छाड़ जारी रखी और पृथ्वी रो दोहन आपरे स्वार्थ वास्ते करतो रियो तो वो दिन दूर नहीं की मानव री संख्या कम और चारों तरफ जीव - जंतु - जानवर और बंजर जमीन इज नजर आवेला ।

जागो जदि सवेरा। परमात्मा रे कोप ने शांत करनो एक इज उपाय है कि आपां समझ रूपी प्रह्लाद ने वाणे आगे करों। उण सूं प्रसन्न हो जगदाधार नरसिंह रूप सुं इण कोरोना रूपी हिरण्यकश्यप ने आपरा तीखा नाखून सुं चीर ने जगत ने नई आशा, रोशनी देवेला। मनुष्य जदे जदे धर्म सुं गिरयो, भगवान इज उने उठायो। नरसिंह भगवान ने बुलावणो है तो मन वचन कर्म सुं प्रह्लाद बणनो पड़सी। विश्वास सुं पर्वत हिले हुकम।

काल दुरतिक्रम है। इणरो पहियो लगातार घूमे हुकम। उणनै कुण रोक सकै सा।

स्वाति 'सरु' जैसलमेरिया

मुलाहिजा फ़रमाइये

▸▸ ज्योत्सना कोठारी
मेरठ

- वक़्त की नज़ाकत से वाकिफ हूँ मैं...
  बड़ी नज़ाकत से गुज़र जाता है...
  अपना असर छोड़ कर....!

- जमाना वफादार नहीं तो फिर क्या हुआ...!
  धोखेबाज भी तो हमेशा अपने ही होते है...!!

- रास्ता बदल लेना चाहिए
  जब आँखों के पीछे नमी.....
  और मजबूत लफ्ज़ों के पीछे टूटा लहज़ा कोई न समझ सके
  वो भी रो देगा उसे हाल सुनाएं कैसे

- मोम का घर है चरागों को जलाएं कैसे
  जमीन और मुकद्दर की, एक ही फितरत है,

- जो भी बोया है, वो निकलना तय है.
  हम ठहर तो जाते दिल में तेरे,

- पर भीड़ में हमारा दम घुटता हैं
  हम जिसे छिपाते फिरते हैं उम्रभर,वही बात बोल देती है।

कार्टून कौतुक

खुश रहे - खुश रखें

अपने मूल पर टिके रहें, जड़ों से नहीं कटें

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

हर मनुष्य के दो जन्म हुए हैं, एक शरीर के तल पर, दूसरे आत्मा के तल पर। हमने जन्म देने वाली स्त्री को माँ और जिस धरती के खंड पर जन्म लिया गया उसे मातृभूमि कहा है। अपने मूल पर टिके रहना, अपनी जड़ों से न कटना यह एक नैतिक दायित्व, मूल्य है। वर्षों में सब कुछ बदल जाता है, मूल्य नहीं बदलते। मातृभूमि के साथ-साथ आपका परिवार भी आपकी जड़ें हैं, आपकी पहचान है, इसलिए प्रेमपूर्वक उससे जुड़े रहें।

अपनी मातृभूमि से प्रेम करने के भाव का अर्थ है, जहां हमारा जन्म हुआ, उससे जुड़े रहना। आध्यात्मिक भाषा में यूं कहा जाए कि आत्मा के तल पर जन्म हुआ है तो आत्मा से जुड़े रहें, अपने भीतर उतरें, थोड़ें स्वयं के निकट बैठें। सारी दुनिया घूमें परंतु अपनी मातृभूमि, अपने परिवार को नहीं भूलें। वैसे ही शरीर पर टिकें, संसार में घूमें पर अपनी आत्मा को विस्मृत नहीं करें।

अमीर खुसरो ने फारसी में नुह सिपिहर नामक मस्नवी में लिखा है कि हिंदुस्तान मेरी मातृभूमि है। इसलिए इससे मुझे बहुत प्रेम है। हजरत पैगंबर ने भी फरमाया है, देश प्रेम धार्मिक निष्ठा का ही अंग है। अमीर खुसरो तो यहां तक लिख गए कि दिल्ली हजरते देहली है। देहली की खूबसरती यदि मक्का शरीफ सुन ले तो वह भी आदरपूर्वक हिंदुस्तान की तरफ अपना रुख मोड़ ले। इस्लामी दीन में मक्का शरीफ का रुतबा दुनिया जानती है। इसकी तुलना दिल्ली से करने की हिम्मत अमीर खुसरो ने इसलिए की थी कि वे मातृभूमि के प्रेम को दर्शाना चाहते थे।

भारत में इस्लाम की नींव मोहम्मद गौरी ने डाली थी। कई मुसलमान शासकों ने भारत के सांस्कृतिक, धार्मिक दृश्य को तहस-नहस किया तो कई मुस्लिम बादशाहों ने इसे संवारा भी। इसीलिए बहुत कुछ गुजर जाता है पर जो रह जाता है, वह है मूल्य। खुसरो जैसे लोग उन्हीं मूल्यों पर अपनी कलम चलाते हैं। मातृभूमि से प्रेम का एक ऐसा भी अर्थ है कि अपने भीतर उतरो, यहीं खुदा है, ईश्वर है और वह सब कुछ है जैसा हम होना चाहते हैं।

जल देवता

वेद-पुराण-कुरान-बायबिल सहित सभी धर्मग्रन्थों ने भी कहा है- 'जल है तो कल है'। इन्हीं सन्दर्भों से सन्दर्भित **डॉ. विवेक चौरसिया** के जल पर केन्द्रित लेखों का संग्रह 'जल देवता'.

जिनमें आप पायेंगे न सिर्फ भारतीय संस्कृति बल्कि सम्पूर्ण विश्व ने स्वीकारी है जल की महत्ता.

Rs. 150/- डाक खर्च सहित

खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद

55 के बाद की जिन्दगी सपनों का अन्त नहीं बल्कि उन्हें साकार करने का स्वर्णिम समय है. बस इसके लिए जरूरी है खूबसूरती से जीना कैसे जीएँ... इसी के सूत्र बताती है

डॉ. एच.एल. माहेश्वरी की पुस्तक "खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद".

Rs. 120/- डाक खर्च सहित

आपसे कहा जाता है -

- संकट निवारण हेतु पानी में नारियल बहा दें।
- सांप दिखे तो काम टालें।
- नल को पानी टपकता न छोड़ें।

... और भी बहुत कुछ **तो फिर...**

ऐसा क्यों?
aisa kyon

जिसमें छुपा है आपके हर क्यों का जवाब

प्रश्न उठना स्वाभाविक है - "**ऐसा क्यों?**" लेकिन इसका उत्तर देगा कौन? **इसका उत्तर देगी गहन अध्ययन से संजोई पुस्तक**

Rs. 100/- डाक खर्च सहित

ऋषि मुनि प्रकाशन

90, विद्यानगर, सॉवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) फोन - 0734-2526561, 2526761, मो. 094250-91161

मेथी के लड्डू

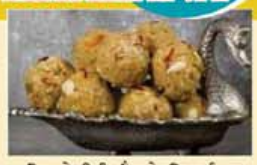

मेथी के लड्डू एक पारम्परिक रेसीपी है जो मिठाई कम बल्कि औषधीय रूप में अधिक प्रयोग किये जाते हैं. इसका प्रयोग प्रसव के बाद जच्चा को खिलाने के लिये या सर्दियों में होने वाले कमर या जोडों के दर्द की दवा के रूप में किया जाता है. इस बार कड़कड़ाती सर्दी में आप अपने घर के बुजुर्ग को मेथी दाना लड्डू बनाकर खिलाईये। आपके बुजुर्गों को बहुत खुशी मिलेगी।

आवश्यक सामग्री - मेथी दाना-100 ग्राम (1 कप से थोड़ा कम) दूध-1/2 लीटर दूध (2 1/2 कप) गेहूं का आटा-300 ग्राम (2 कप) घी-250 ग्राम (1 1/2 कप) गोंद-100 ग्राम (आधा कप) बादाम-30- 35 काली मिर्च- 8-10 जीरा पाउडर -2 छोटी चम्मच सोंठ पाउडर- 2 छोटी चम्मच छोटी इलाइची-10-12 दालचीनी-(4 टुकड़े) जायफल- (2 जाय फल) चीनी या गुड़ - 300 ग्राम (1 1/2 कप गुड़ के टुकड़े)

विधि-मेथी को अच्छी तरह साफ कीजिये (दाना मेथी को आप धोकर, सूती मोटे कपड़े पर डालकर धूप में सुखा कर प्रयोग में ला सकते हैं या फिर सूती साफ कपड़े से पोंछ कर प्रयोग में ला सकते हैं) साफ की हुई मेथी को मिक्सर से थोड़ी मोटी मोटी आटे जैसी पीस लीजिये. दूध को उबाल लीजिये. पिसी हुई मेथी दूध में डालकर 8-10 घंटे के लिये भिगो दीजिये. बादाम छोटा छोटा काट लीजिये. काली मिर्च को हल्का सा(एक मिर्च के 4-5 टुकड़े करते हुये) कूट लीजिये, दाल चीनी और जायफल को बारीक कूट लीजिए, इलाइची को भी को छीलकर कूट लीजिये. कढाई में आधा कप घी डालकर, भीगी हुई मेथी को धीमी और मध्यम आग पर हूका ब्राउन होने, अच्छी महक आने तक भूनिये और किसी प्लेट में निकाल कर रख लीजिये. बचे हुये घी को कढ़ाई में डालकर गरम कीजिये, गोंद तल कर प्लेट में निकाल लीजिये(गोंद एकदम धीमी आग पर तलिये), कढ़ाई में बचे घी में आटा डालकर हल्का ब्राउन होने तक भून कर निकाल लीजिये. कढ़ाई में एक छोटी चम्मच घी डाल कर, गुड़ के टुकड़े डालिये, धीमी आग पर पिघला कर गुड़ की चाशनी बना लीजिये. गुड़ की चाशनी में, जीरा पाउडर, सोंठ पाउडर, कतरे बादाम, काली मिर्च, दालचीनी, जायफल और इलाइची डालकर अच्छी तरह मिलाइये, अब भुनी मेथी, भुना हुआ आटा, भुना हुआ गोंद डालकर हाथ से मिश्रण को अच्छी तरह मिला लीजिये. मिश्रण से थोड़ा थोड़ा मिश्रण उठाकर, एक नीबू के आकार के लड्डू बनाकर थाली में लगाइये.

पूनम राठी, नागपुर
9970057423

कविता

एक बेटी

(बेटी अरुषि पिता श्याम माहेश्वरी संग)

मिली हूं एक बेटी से
लोगों ने कहा बेटी नहीं, बेटा है।
विचार आया यह तुलना, तारीफ है?
भरे पूरे परिवार में नाजो से पली,
माता-पिता के लाड़ की डली,
उच्च शिक्षा की लालसा उसे,
तालाब से समुंदर पास ले आई।
मुंबई की भाग दौड़ में जूझती रही।
मीडिया में मास्टर्स कर बनी सयानी,
हासिल कर रही थी बड़े मुकाम दीवानी।
पिता पर अचानक मंडराई बीमारी,
बेटी ने जवाबदारी संभाली भारी।
पहले तो मुंबई भोपाल एक कर डाला,
फिर नौकरी छोड़ पिता पास डेरा डाला।
घर, दफ्तर, अस्पताल सब संभाला,
विधि ने पर लिखा नहीं टाला।
जन्मदाता को मुखाग्नि दे बिदा कर डाला,
पगडी की हकदार थी मासूम बाला
नारियोचित कहे जाने वाले सब गुण तो थे,
समय, शिक्षा, समझदारी ने और मजबूत कर डाला।
बेटी और गुणवंत बेटी बनती गई,
'बेटी' ही उसका अभिमान है, सम्मान है,
'बेटे' से तुलना एक मिथ्या समाधान है।

कल्पना गगडानी

श्री सुखदेव प्रसाद जेठा

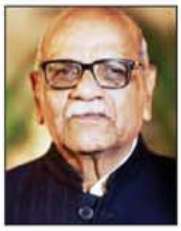

जबलपुर। दीपक एडवरटाईजिंग के संस्थापक श्री सुखदेव प्रसाद जेठा का 85 वर्ष की आयु में गत 10 नवम्बर को इंदौर में निधन हो गया। आप दीपक जेठा के पिता, डॉ. के.जी. जेठा एवं श्यामसुंदर जेठा के अग्रज थे। आप माहेश्वरी मंडल जबलपुर के पूर्व अध्यक्ष, म.प्र. पूर्व क्षेत्रीय प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के पूर्व सचिव तथा महासभा के अनेक वर्षों तक कार्यकारी मंडल सदस्य थे।

श्री कैलाशचंद्र जैथलिया

जबलपुर। डॉ. के.जी. जेठा की पुत्रवधु एवं प्रदीप जेठा की धर्मपत्नी नेहा जेठा के पिताश्री कैलाशचंद्र जैथलिया (एडवोकेट) का गत 2 नवम्बर को उज्जैन में निधन हो गया। माहेश्वरी मंडल जबलपुर की ओर से भी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

श्रीमती कौशल्या देवी झँवर

इचलकरंजी (सूरत)। समाज सदस्य इन्द्रचन्द, जीवनमल, पुरुषोत्तम एवं चंद्रकिशोर झँवर की माता श्रीमती कौशल्या देवी झँवर का गत 8 सितम्बर को हृदयाघात से 86 वर्ष की आयु में देहावसान हो गया। अनेक धार्मिक सामाजिक संस्थाओं और गौशालाओं में आप सेवा देती रही थीं। आप अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

श्री सुंदरलाल राठी

उज्जैन। समाज सदस्य आशीष राठी के पिता श्री सुन्दरलाल राठी का 68 वर्ष की अवस्था में देहावसान हो गया। आप जीएस कान्वेंट के पूर्व प्राचार्य अमृतलाल राठी के छोटे भाई तथा नवलकिशोर राठी के बड़े भाई थे। आप अपने पीछे धर्मपत्नी, पुत्री, पुत्र आदि का भरा पूरा परिवार छोड़ गये हैं।

700 अधिक प्रोफेशनल बॉयोडेटा के साथ

श्री माहेश्वरी मेलापक

विवाह योग्य युवक-युवतियों की विश्वस्तरीय डायरेक्ट्री

- विभिन्न वर्गों के लिये भिन्न-भिन्न पृष्ठ
- उत्कृष्ट बॉयोडाटा व आकर्षक कलेवर आज ही
- आज ही सुरक्षित करवाएँ अपनी प्रति

पृथक से प्रति बुक करवाने के लिए शुल्क मात्र (डाक खर्च अतिरिक्त)

अब रिश्ते आयेंगे – आपके द्वार

'श्री माहेश्वरी मेलापक'
स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया खाता क्रं.-31725815057
IFSC Code-SBIN0030062
में जमा कर जमापर्ची की छायाप्रति कार्यालय को प्रेषित करें।

हाइटिक व प्रोफेशनल युवक-युवतियों की पहली पसन्द

90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे), इंदौर रोड, उज्जैन (मप्र)
मो.- 96305-62161, 74770-72161, 94250-91161
e-mail : srimaheshwarimelapak@gmail.com

प्रथम पुण्य तिथि

10 नवम्बर

हमारे स्नेह के वट वृक्ष

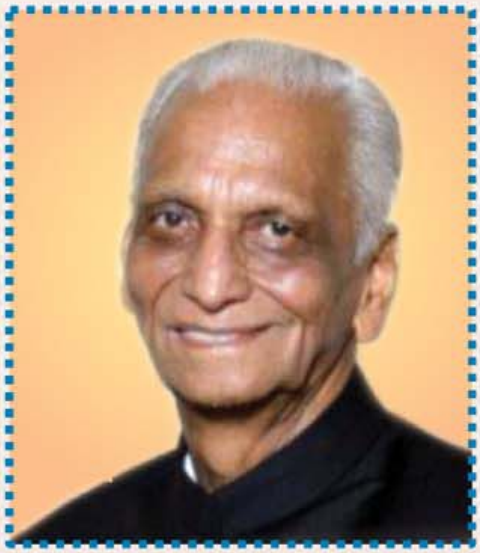

स्व. श्री ब्रजभूषण बजाज

जिनके संस्कारों ने हमें किया सदैव मार्गदर्शित
आपका स्नेह एवं आशीर्वाद से सदैव बना रहेगा
हमारा संबल

श्रद्धासुमन अर्पित

डॉ. सरोज बजाज (धर्मपत्नी)

अनुराग बजाज (पुत्र)

पराग-नम्रता बजाज (पुत्र-पुत्रवधू)

(पूर्व सभापति-नार्थ अमेरिका माहेश्वरी महासभा)

अर्चना-निर्भय (पुत्री-दामाद)

आदित्य, यश, अनंत व अर्जुन (पौत्र)

नेहा, नीरज (दौहित्र)

राशिफल
संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष

यह माह आपको आर्थिक दृष्टि से लाभकारी रहेगा। इस माह में धार्मिक कार्य होंगे। आय के नवीन साधनों की प्राप्ति होगी। पैतृक संपत्ति मिलने के योग रहेंगे। हड्डी एवं दाढ़-दांत से संबंधित कष्ट का सामना करना पड़ेगा। प्रेम प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। विवाह संबंध तय होने के योग रहेंगे। विशिष्ट व्यक्तियों से मुलाकात होगी। सच बोलने की वजह से कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। विवाह समारोह में भाग लेंगे। घूमने फिरने एवं लंबी यात्रा के योग, मौज-मस्ती में धन खर्च होगा। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी।

वृषभ

यह माह आपके लिए भाग्य वर्धन कारक रहेगा पुराने रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। धार्मिक यात्रा के योग रहेंगे। विवाह संबंध तय होगा। विरोधी परास्त होंगे। नवीन कार्य व्यवसाय प्रारंभ होगा। संपत्ति से संबंधित प्रकरणों में सफलता मिलेगी कर्ज लेना लाभकारी सिद्ध होगा। याददाश्त कमजोर होने की वजह से कई काम समय पर नहीं कर पाएंगे। नवीन मेहमान आने के योग रहेंगे। साझेदारी में कार्य व्यवसाय या अन्य कार्य नहीं करें। विद्यार्थियों को कड़े परिश्रम के बाद सफलता मिलेगी। पुराने मित्र से मुलाकात होगी एवं शुभ समाचार प्राप्त होगा।

मिथुन

यह माह आपके लिए मिश्रित फलदायी रहेगा। सोचे कार्य में सफलता मिलेगी। भाई परिवार जनों का स्नेह प्राप्त होगा। हर्षोउल्लास का वातावरण निर्मित होगा। मांगलिक-धार्मिक प्रसंग आयोजित होंगे। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। दान धर्म में भी विशेष रूचि रहेगी। संतान के रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। विद्यार्थियों के लिए अच्छी सफलता का समय रहेगा। रुका हुआ धन प्राप्त होने के योग रहेंगे। नवीन नौकरी, आय के साधनों में वृद्धि तथा प्रमोशन के योग बनेंगे शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। ईश्वर भक्ति में विशेष रूचि रहे।

कर्क

यह माह आपके लिए भाग्योदय कारक रहेगा। इस माह में संतान से संबंधित कार्य में सफलता मिलेगी। वाहन सुख- मकान सुख में वृद्धि होगी। शिक्षा के क्षेत्र में विशेष उन्नति के योग रहेंगे। विवाह संबंध होने के योग प्रबल रहेंगे। आर्थिक संपन्नता बढ़ेगी। नवीन नौकरी व कार्य व्यवसाय में वृद्धि होगी। लंबी यात्रा के योग रहेंगे। अचानक धन लाभ के योग प्रबल रहेंगे। पुराने मित्रों से भेंट होगी। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। भाई परिवारजनों का स्नेह सहयोग प्राप्त होगा। दांपत्य जीवन एवं प्रेम प्रसंग में अनुकूलता प्राप्त होगी।

सिंह

यह माह आपके लिये आर्थिक दृष्टि से उत्तम रहेगा। रुका हुआ धन प्राप्त होगा, आय के नवीन साधनों की प्राप्ति होगी। नवीन नौकरी, नौकरी में पदोन्नति तथा मनचाहा स्थान परिवर्तन के योग प्रबल रहेंगे। संतान के कार्यों में रुकावट आने के योग रहेंगे। पत्नी एवं परिवार के लोगों से वैचारिक मतांतर के योग रहेंगे। मांगलिक एवं शुभ कार्य में सम्मिलित होंगे। इन कार्यों में खर्च के भी योग प्रबल बने रहेंगे। ठंड के रोग व पाचन तंत्र से कष्ट के योग रहेंगे। विद्यार्थियों के लिए उत्तम समय रहेगा। संपत्ति से संबंधित प्रकरणों में सफलता मिलेगी।

कन्या

यह माह आपके लिए अभीष्ट कार्य में सफलता प्रदान करने वाला रहेगा। अचानक बड़ा कार्य करेंगे। व्यापार व्यवसाय से लाभ नौकरी मिलने के योग, लंबी यात्रा के योग व परिवार से दूर जाना पड़ेगा। नए-नए लोगों से परिचय होगा। पिता पक्ष की अनुकूलता रहेगी। राजकीय पक्ष से लाभ व शुभ समाचार मिलेंगे। संतान की प्रगति से मन प्रसन्न रहेगा। धन लाभ व विवाह संबंध तय होगा। मांगलिक कार्यों में भाग लेंगे। रुका हुआ धन मिलेगा। शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। भौतिक सुखों पर खर्च करेंगे एवं स्थाई संपत्ति में वृद्धि के योग प्रबल बने रहेंगे।

तुला

यह माह आपको शुभ समाचार प्रदान करने वाला रहेगा। इस माह में स्थाई संपत्ति में वृद्धि के योग प्रबल बने रहेंगे। वाणी के कारण आपको सफलता मिलेगी। वाहन सुख एवं मकान सुख में वृद्धि के योग प्रबल रहेंगे। धार्मिक कार्यों एवं शुभ कार्य में खर्च करेंगे विरोधी परास्त होंगे। किसी बड़े पद की प्राप्ति के योग प्रबल रहेंगे। पति-पत्नी में वैचारिक मतांतर होगा। हड्डी व दांतों से संबंधित कष्ट के योग प्रबल रहेंगे, किंतु राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी एवं अचानक धन प्राप्ति के योग रहेंगे।

वृश्चिक

यह माह आपको यश प्रदान करने वाला होगा। रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। किसी चुनौती को स्वीकार करेंगे एवं उसमें सफलता अर्जित होगी किंतु साझेदारी में कार्य करना आपको परेशानी देने वाला होगा। संतान के रुके हुए कार्यों में सफलता मिलेगी। संतान की ओर से यश की प्राप्ति के योग रहेंगे। विरोधी परास्त होंगे। सुस्वाद नमकीन व्यंजन का लुत्फ उठाएंगे। पत्नी के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी। भौतिक सुख-सुविधा एवं दिखावे पर खर्च करना होगा।

धनु

यह माह आपको संपत्ति प्रदान करने वाला होगा। पुरानी बीमारी से छुटकारा मिलेगा। शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। योगा आदि में रुचि बढ़ेगी। विरोधी परास्त होंगे। किसी कला विशेष में यश की प्राप्ति के योग प्रबल बने रहेंगे। हड्डी एवं दातों से कष्ट के योग रहेंगे। विवाह संबंध तय होगा, प्रेम प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। दांपत्य जीवन श्रेष्ठ रहेगा। सर्दी जुकाम से कष्ट के योग प्रबल रहेंगे। लंबी यात्रा के योग रहेंगे। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। भौतिक सुख-सुविधाओं पर खर्च करेंगे। आय के नए स्रोत की प्राप्ति होगी।

मकर

यह माह आपको मिश्रित फल प्रदान करने वाला रहेगा। आपके प्रभाव एवं अधिकारों में वृद्धि होगी किंतु कार्य की अधिकता भी रहेगी। राजकीय पक्ष से लाभ होगा। बच्चों एवं जीवन साथी से मतांतर रहेंगे। अचानक लंबी यात्रा के योग रहेंगे। खर्च की अधिकता रहेगी। मानसिक तनाव का सामना करना पड़ेगा। बिना विचारे किसी पर विश्वास करना हानिकारक एवं परेशानी कारक रहेगा। परिवार में माता-पिता एवं बुजुर्ग के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। विद्यार्थियों के लिए उत्तम समय रहेगा। चुनौती भरे कार्यों में सफलता अर्जित होगी।

कुम्भ

यह माह आपको विशिष्ट फल प्रदान करने वाला रहेगा। पुराने मित्रों से भेंट होगी। विवाह समारोह में भाग लेंगे। लंबी यात्रा के योग रहेंगे। परिवार में भी मांगलिक प्रसंग होगा। विवाह संबंध होने के योग रहेंगे। न्यायालयीन प्रकरण में सफलता मिलेगी। प्रतियोगी परीक्षा में भी चयन के योग प्रबल रहेंगे। विद्यार्थियों को शिक्षा में अनुकूलता रहेगी। व्यापार व्यवसाय मध्यम रहेगा, किंतु आवश्यक धन प्राप्त हो जाएगा। संतान के रुके कार्य पूर्ण होंगे। शुभ समाचार मिलेंगे। स्थाई संपत्ति से संबंधित प्रकरणों का निपटारा होगा। विशिष्ट जनों से भेंट होगी।

मीन

यह माह आपको आय के नवीन साधनों को प्रदान करने वाला होगा। नौकरी में पदोन्नति एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग प्रबल रहेंगे। स्थान परिवर्तन होगा, मौज मस्ती एवं लंबी यात्रा तथा धार्मिक यात्रा के योग रहेंगे। संतान की प्राप्ति के योग बने रहेंगे। जान पहचान का क्षेत्र बढ़ेगा। उधारी से बचना होगा। साझेदारी या जमानत के कार्यों को सोच समझकर ही करें। भाइयों परिवार जनों का स्नेह तथा सहयोग प्राप्त होगा। कई दिनों से रुका हुआ कार्य पूर्ण होने से हर्षोउल्लास का वातावरण निर्मित होगा, ठंड के रोग से कष्ट की संभावना प्रबल रहेगी।

श्री
जावंधिया

"विश्वास ही जहाँ परम्परा है"

RICE

SUGAR

POWER

ETHANOL

SANITIZER

REAL ESTATE

GRAIN TRADING

जावंधिया समूह

ठैनी बनखेड़ी जिला होशंगाबाद मप्र

Email id - ramdevsugar@gmail.com

Phone no. - 07576-228788
07576-228888

Aditya Birla Group: Making a life changing difference

We work in 7000 villages. Reach out to 9 million people. A glimpse:

HEALTHCARE

Over 100 million Polio vaccinations

5,000 Medical camps / 20 Hospitals: 1 million patients treated

Over 50 deaf and mute children moved from the world of silence to the sound of music through the cochlear implant

Reach out to over 4,000 children. Extending financial support for the chemotherapy sessions. Encouraging them in a holistic manner to get back quickly on the road to recovery.

Engaged in prevention of cervical cancer through the administration of the HR-HPV vaccines in Maharashtra. Over 1800 girls have been vaccinated.

More than 6,600 persons had their vision restored through the Vision Foundation of India

100,000 persons tested on 32 health parameters through HealthCubed

EDUCATION

Our 56 schools accord quality education to 46,500 students

Mid-day meals provided to 74,000 children

Solar lamps given to 4.5 lakh children in the hinterland

Foster the cause of the girl child through 40 Kasturba Gandhi Balika Vidyalayas

SUSTAINABLE LIVELIHOODS

100,000 people trained in skill sets

45,000 women empowered through 4500 SHGs

200,000 farmers on board our agro-based training projects

And much more is being done through the Aditya Birla Centre for Community Initiatives and Rural Development, spearheaded by Mrs. Rajashree Birla. Because we care.

NUMBERS MEAN A LOT
BUT A SMILE MEANS EVERYTHING!

ADITYA BIRLA GROUP
Engage. Uplift. Empower

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2020-2022
Despatch Date-02 December, 2020

If Undelivered Please Return To

SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761 , Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com